जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, सोमवार 16 दिसम्बर, 2024

राजस्थान सरकार

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

महत्वपूर्ण फैसलों से बदलती राजस्थान की तस्वीर

संशोधित पीकेसी योजना के लिए राजस्थान, मध्य प्रदेश और केन्द्र सरकार के बीच एमओयू

शेखावाटी अंचल को बहुप्रतीक्षित यमुना जल उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान, हरियाणा और केन्द्र सरकार के बीच एमओयू

ऊर्जा क्षेत्र में केंद्रीय पीएसयू के साथ 2.24 लाख करोड़ के एमओयू

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में 38,447 आवास पूर्ण 1 लाख 55 हजार नए आवासों की स्वीकृति

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में 20 हजार रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में 30,297 आवास पूर्ण, 30,408 नए आवासों की स्वीकृति

लगभग 96 हजार कृषि कनेक्शन और 4 लाख 64 हजार घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी

श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना के तहत 8 रुपये में भरपेट भोजन, प्रति थाली सरकार की तरफ से 22 रुपये का अनुदान

किसान सम्मान निधि में 70 लाख से अधिक कृषकों को 5500 करोड़ रुपये से अधिक राशि हस्तान्तरित

लगभग 26 हजार सोलर पम्प सेट की स्थापना के लिए लगभग 400 करोड़ रुपये का अनुदान

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना एवं मा वाउचर योजना प्रारम्भ

5 नये मेडिकल कॉलेज बारां, बांसवाड़ा, नागौर, झुन्झुनूं एवं सवाई माधोपुर में प्रारम्भ

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट 2024 में लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एम.ओ.यू.

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 7 करोड़ से अधिक पौधे रोपित

सड़क निर्माण पर लगभग 15000 करोड़ रुपये व्यय

43000 से अधिक पदों पर नियुक्तियां

10.22 लाख ग्रामीण परिवारों को नल से जल, 5257 करोड़ रुपये व्यय

एमजेएसए 2.0 में 5000 गाँवों में 1 लाख वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स कार्य

दस नवीन नीतियां

- राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना
- राजस्थान मिनरल पॉलिसी
- राजस्थान एम-सेण्ड पॉलिसी
- राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी
- इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी पॉलिसी
- राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी
- राजस्थान एक जिला-एक उत्पाद नीति
- इंटीग्रेटेड क्लस्टर डवलपमेंट स्कीम
- राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी
- राजस्थान ट्यूरिज्म यूनिट पॉलिसी

निभाई जिम्मेदारी, हर घर खुशहाली

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

मन की दुर्बलता से भयंकर और कोई पाप नहीं। –विवेकानंद

दुधारी तलवार है सोशल मीडिया

यह याद करना बहुत दिलचस्प है कि पिछली शताब्दी के आखिरी दशक में जिस सोशल मीडिया की शुरुआत हुई थी आज कैसे हम हमारी समूची ज़िंदगी पर छा गया है। ऑर्कुट और माय स्पेस जैसे मंचों ने हममें से बहुतों को आकर्षित किया था लेकिन तब यह आकर्षण सतही था और हम लोग भूले-भटके इनका इस्तेमाल करते थे। वैसे तब भी मुझ लगा था कि सोशल मीडिया हमारी भावनात्मक ज़रूरत को पूरा करने का एक प्रभावी माध्यम है। फैलते शहरों और बढ़ती जा रही व्यस्तताओं के बीच जिन अपनों से हम आमने-सामने नहीं मिल सकते हैं, सोशल मीडिया हमें उनसे जोड़े रखने का दायित्व निबाहने लगा था। तब इण्टरनेट इतना सुलभ नहीं था जितना आज है, और स्मार्ट फोन की तो तब कोई आहट ही नहीं थी। अब इन दोनों के कारण सोशल मीडिया दुनिया की बहुत बड़ी आबादी के जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। भारत जैसे देश में सोशल मीडिया के प्रचलन में एक बाधा भाषा की भी रही है लेकिन अब लगभग सभी महत्वपूर्ण भारतीय भाषाओं के लिए कम्प्यूटर सुविधाएं सुलभ हो जाने की वजह से उनके लिए भी इसका प्रयोग करना सम्भव हो गया है जिन्हें अंठोज़ी नहीं आती है। यह काम कृत्रिम बुद्धि के प्रसार के बाद और अधिक आसान हो गया है।

आज सोशल मीडिया हममें से अधिकांश की ज़िंदगी का अभिन्न अंग बन चुका है। निश्चय ही आज के समय में भी समाज का एक वर्ग ऐसा भी है जो या तो सोशल मीडिया के अस्तित्व से ही अनजान है या फिर जान बूझकर इससे दूरी बरत रहा है। जो इससे अनजान हैं यह उनकी सीमा है और जो इससे दूरी बरते हुए हैं, यह उनका चयन है। लेकिन भले ही समाज का एक हिस्सा इससे कटा हुआ हो, और ख़ुद इसका प्रयोक्ता न हो, वह भी इससे प्रभावित तो होता ही है। इसलिए व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में इस की उपयोगिता, सम्भावनाओं और सीमाओं पर बात की जानी चाहिए।

जैसा मैंने शुरु में कहा, सोशल मीडिया ने हमें उनसे जोडा है जो किसी भी कारण हमसे दूर थे या हैं। आज ऐसे बहुत सारे प्रसंग याद किए जा सकते हैं जहां सोशल मीडिया ने उनको मिलाया है जो बरसों से जुदा थे। दोस्तियों और पारिवारिक रिश्तों को मज़बूत करने में इसने बडी भूमिका निबाही है। और केवल इतना ही नहीं समान रुचि वाले लोगों को निकट लाने और उनकी रुचियों को पालने-पोसने में भी इसने बड़ी भूमिका अदा की है। अगर आपकी किसी ख़ास चीज़ में, जैसे शास्त्रीय संगीत में रुचि है तो सोशल मीडिया आपको समान रुचि वाले लोगों से जोडने वाला पुल बन जाता है। यहां आकर आप अपनी वैयक्तिक समस्याओं का समाधान भी पाते हैं और जानकार लोगों का मार्गदर्शन भी आपको मिल जाता है। मैंने बहुत बार अपनी तकनीकी समस्याओं के समाधान सोशल मीडिया पर पाए हैं। अगर आप किसी अनजान जगह की यात्रा करना चाहते हैं तो ऐसे बहुत सारे लोग आपको मिल जाएंगे जो आपको वहां के बारे में पूरी, प्रामाणिक और उपयोगी जानकारी दे देंगे। यह देखना बहुत आह्लादक है कि लोग कितनी आसानी से आपकी सहायता करने को तैयार रहते हैं। ऐसे लोग आपकी सहायता के लिए आगे आ जाते हैं जिनसे न कभी आप मिले हैं और न शायद कभी भविष्य में मिलेंगे। इस तरह सोशल मीडिया एक बड़ा और समावेशी समाज रचता है।

इधर जब से दुनिया के बहुत सारे देशों में सत्ताएं अधिक शक्तिशाली और दमनकारी हुई हैं उन्होंने अपनी शक्ति का पहला प्रयोग सूचनाओं के निर्बाध प्रवाह को रोकने में किया है। दुनिया के बहुत सारे देशों में सरकारें ऐसी ख़बरों को दबाने में लगी हैं जो उनके अनुकूल नहीं होती है। मुख्यधारा के मीडिया पर नियंत्रण उनके लिए सहज होता है। लेकिन वे ताकतें भी अभी सोशल मीडिया पर कब्जा नहीं कर पाई हैं, हालांकि इसके लिए उनके प्रयत्न ज़ारी हैं। ऐसी बहुत सारी ख़बरें जिन्हें मुख्यधारा का मीडिया मार देता है, सोशल मीडिया के माध्यम से ही हम तक पहुंच पा रही हैं। यह इसकी उपादेयता का बड़ा और अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष है। सोशल मीडिया में बहुत सारे जागरूकता अभियान भी सफलतापूर्वक चले हैं और इनसे सामाजिक बदलाव की दिशा में सार्थक काम हुए हैं। ये काम सांगठनिक स्तर पर भी हुए हैं और वैयक्तिक स्तर पर भी। असल में जब कोई व्यक्ति ऐसी कोई सामठी पोस्ट करता है जिसमें बदलाव का स्वर होता है तो हममें से बहुत सारे लोग उससे प्रभावित होते हैं। यही तो बदलाव की शुरुआत की प्रक्रिया है।

हाल के वर्षों में राजनीतिक दल व अन्य संगठन इन माध्यमों का अधिकाधिक प्रयोग करने लगे हैं। अगर यह काम केवल अपनी बात कहने तक सीमित रहे तो किसी को कोई शिकायत नहीं होगी, लेकिन देखने में यह आया है कि बहुत सारे संगठन कटुता और विद्वेष फैलाने और अपने से भिन्न आवाज़ों को दबाने के लिए इन माध्यमों का ग़लत प्रयोग करने लगे हैं।

सोशल मीडिया विचार और साहित्य के लिए भी बहुत कुछ करता है। इधर जब ख़ास तौर पर हिंदी में ऐसे प्रकाशन कम हो गए हैं जिनमें विचार और साहित्य के लिए काफी जगह हो, तो सोशल मीडिया एक सशक्त विकल्प के रूप में सामने आया है। जहां तक साहित्य की बात है, इसने विशेष रूप से नवोदित लेखकों को अपनी अभिव्यक्ति के लिए मंच प्रदान किया है और अब तो स्थापित लेखक भी इन माध्यमों का खुलकर उपयोग करने लगे हैं। नए प्रकाशनों की जानकारी भी हमें सोशल मीडिया से मिलती है और अनेक लेखक व प्रकाशक अपने प्रकाशनों की मार्केटिंग के लिए भी इन माध्यमों का उपयोग करने लगे हैं।

लेकिन इस सबको पढ़ते हुए अगर आपको यह लग रहा है कि सोशल मीडिया में केवल अच्छाइयां ही अच्छाइयां हैं, तो मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप आगे भी पढ़ें। सबसे पहली बात तो मुझे यह लगती है कि सोशल मीडिया बहुत जल्दी हमें अपने फंदे में जकड़ लेता है और हम दीन-ओ-दुनिया से बेखबर रहकर इसी आभासी दुनिया में विचरण करने लग जाते हैं। बहुत सारे अध्ययनों ने यह बताया है कि हमारा स्क्रीन टाइम लगातार बढ़ता जा रहा है। इससे हमारी अन्य गतिविधियां प्रतिकूलत: प्रभावित होती हैं। इसका दास बन जाने के अन्य अनेक दुष्परिणाम भी नज़र आने लगे हैं, जैसे इसके बहुत सारे प्रयोक्ता अवसाद के शिकार हो जाते हैं, वे सामाजिक रूप से अलग-थलग हो जाते हैं। बहुत बार यहां होने वाली कटु बहसें हमारे वैयक्तिक और सामाजिक रिश्तों पर बुरा असर डालती हैं। हम में से बहुत सारे लोग सोशल मीडिया मंचों का उपयोग करते हुए सामान्य, शिष्टाचार का भी निर्वाह नहीं करते हैंऔर इससे अनावश्यक रूप से बदमज़गी पैदा होती है। सोशल मीडिया की एक बहुत बड़ी बुराई हाल के बरसों में देखने को आई है। असल में यह माध्यम से ज़्यादा इसके प्रयोक्ताओं की बुराई है। निहित स्वार्थी तत्व इन माध्यमों का दुरुपयोग अफवाहें फैलाने के लिए करते हैं जिनसे हमारी सामाजिक समरसता आहत होती है। यह अकारण नहीं है कि जब भी कहीं कोई तनाव की स्थिति पैदा होती है सरकार को पहली बात इण्टरनेट बंद करने की सूझती है।

हाल के वर्षों में राजनीतिक दल व अन्य संगठन इन माध्यमों का अधिकाधिक प्रयोग करने लगे हैं। अगर यह काम केवल अपनी बात कहने तक सीमित रहे तो किसी को कोई शिकायत नहीं होगी, लेकिन देखने में यह आया है कि बहुत सारे संगठन कटुता और विद्वेष फैलाने और अपने से भिन्न आवाज़ों को दबाने के लिए इन माध्यमों का ग़लत प्रयोग करने लगे हैं। ये संगठन तमाम तरह की अनैतिक और अवांछित हरकतें करके दूसरे पक्ष को कुचलने का काम करते हैं। महिलाएं और अल्पसंख्यक ख़ास तौर पर इनके निशाने पर रहते हैं। घृणित भाषा का जितना और जैसा प्रयोग इन माध्यमों पर हाल के वर्षोंमें हुआ है वह चिंता पैदा करने वाला है। सोशल मीडिया से ग़लत फायदा उठाने के दुष्कर्म में अनेक अपराधी और असामाजिक तत्व भी आगे रहते हैं। वे हमारी निजी जानकारी का दुरुपयोग करके अनेक प्रकार के ग़लत काम करते और हमें नुकसान पहुंचाते हैं। आज के समय में डेटा एक बड़ी संपदा बनता जा रहा है, और सोशल मीडिया डेटा चोरों को बहुत रास आता है।

सोशल मीडिया में अंतर्निहित एक बहुत बड़े ख़तरे की तरफ युवाल नोआ हरारी ने अपनी ताज़ा किताब 'नेक्सस'मेंइशारा किया है। वे बताते हैं कि विभिन्न व्यावसायिक उपक्रम एआई की मदद से यह प्रयास करते हैं कि लोग अधिक से अधिक समय तक सोशल मीडिया से जुड़े रहें। लोग जुड़े रहेंगे तो उनके उत्पादों के बारे में जानेंगे और उन्हें खरीदेंगे। अब यहीं असल ख़तरा पैदा होता है। लोगों को सोशल मीडिया से जोड़े रखने के लिए हिंसा, आतंक, डर आदि की सामठी परोसी जाती है, क्योंकि यह बात प्रमाण सिद्ध है कि इनमें लोगों की रुचि अधिक प्रगाढ़ होती है। तो इस तरह किन्हीं के व्यावसायिक हितों के लिए भोले लोगों को अवांछित सामठी परोस कर सोशल मीडिया की लत लगाई जाती है। यह बहुत बड़ा ख़तरा है जिसकी तरफ सबका ध्यान जाना चाहिए।

इन सारी बातों से यह समझा जा सकता है कि जहां सोशल मीडिया हमारे समय की बहुत बड़ी ज़रूरत और नेमत है, वहीं इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी कम नहीं हैं। दुरुपयोग से बचने का एक ही उपाय है और वह है सावधानी बरतना। सावधानी बरतने के लिए इसके प्रयोक्ताओं को प्रशिक्षित किया जाए, सचेत किया जाए और ज़रूरत पड़ने पर उनकी मदद की जाए तो इसके दुरुपयोग की आशंकाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। माता-पिता और अभिभावकों की भूमिका इस मामले में बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर पैनी नज़र रखनी चाहिए और उन्हें ऐसा करने के लिए समुचित प्रशिक्षण देने का दायित्व सामाजिक संगठनों और जागरूक जन को उठाना चाहिए। इस सारे काम में मैं सरकार को अलग रखने का पक्षधर हूं क्योंकि मुझे आशंका है कि सरकार बजाय वह करने को जो उससे अपेक्षित है, वह करने लगेगी जिसमें उसे अपना हित नज़र आएगा। लेकिन कानूनी रूप से अगर वह अपना न्यूनतम दायित्व भली भांति निबाहे तो उसका स्वागत होना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की भजनलाल सरकार की जमकर तारीफ

बालमुकुन्द ओझा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यों की जमकर तारीफ की है। उन्होंने भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के एक साल के शानदार काम की सराहना करते हुए कहा कि वे जिस कुशलता और प्रतिबद्धता के साथ राजस्थान के तेज विकास में जुटे हैं, वो प्रशंसनीय है। आज राजस्थान में गरीब, किसान, युवाओं के कल्याण, सड़क, बिजली, पानी सहित हर प्रकार के विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। सरकार अपराध और भ्रष्टाचार नियंत्रण में जो तत्परता दिखा रही है, उससे नागरिकों और निवेशकों में नया उत्साह आया है। मोदी ने यह बात हाल ही में जयपुर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का उद्घाटन करते हुए कही थी। मोदी ने राजस्थान की प्रगति की सराहना करते हुए राजस्थान राइजिंग तो है ही रिलायबल भी है, राजस्थान रिसेप्टिव भी है। समय के साथ खुद को रिफाइन करना भी जानता है। चुनौतियों से टकराने का नाम राजस्थान है। नए अवसर बनाने का नाम है राजस्थान। उन्होंने कहा कि राजस्थान के इस आर फैक्टर में एक और नाम जुड़ गया है। राजस्थान के लोगों ने भारी बहुमत से रिस्पोंसिव रिफॉर्मिव सरकार बनाई है। भजनलाल और उनकी टीम ने शानदार काम करके दिखाया है।

राजस्थान में भजनलाल सरकार ने 15 दिसम्बर 2024 को अपने कार्यकाल का एक साल पूरा कर लिया है। भजनलाल सरकार का दावा है कि एक साल में ही जनता की सरकार के रूप में संवेदनशीलता से किये कार्य का परिणाम है कि आज समाज के सभी वर्ग सरकार के कार्यों से बेहद संतुष्ट है। सरकार का दावा है कि इस अवधि में सरकार लगातार जनता के बीच गई और जन कल्याणकारी कार्यों को अमलीजामा पहनाया। भाजपा सरकार का दावा है कि जन हितैषी कार्यों का परिणाम था कि विधानसभा के सात उप चुनावों में से पांच में भाजपा ने विजय पताका फहराई। इस अवधि में भजनलाल सरकार के किसी भी मंत्री के दामन पर कोई दाग नहीं लगा। मुख्यमंत्री की सोच है कि रोजमर्रा के कार्यों के लिए सरकार और आमजन के बीच आपसी संवाद को और आसान कैसे बनाया जाये, इसके लिए अधिक तत्परता व सजगता से काम करना होगा। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार सुशासन के महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं। इन मूलभूत सुविधाओं व आर्थिक विकास के माध्यम से सामाजिक विकास के सभी को एक जुट होकर प्रयास करने की जरुरत है तभी मुस्कराते राजस्थान का हमारा सपना साकार होगा।

सादा जीवन और साफ-सुथरी छवि वाले भजनलाल की ख्याति भाजपा और सरकार में एक ऐसे व्यक्ति की है, जो हर काम पूरी शिद्दत से करते हैं और उतनी ही कुशलता से करवाते भी हैं। इधर-उधर के मुद्दों में उलझे बिना सरकार की मजबूती के लिए लगातार काम करते रहने वाले भजनलाल भाजपा में अहम पदों पर रहे और अक्सर अपने संगठन कौशल का लोहा मनवाया। मुख्यमंत्री जनसेवा की अपनी सोच को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश के आर्थिक विकास और आधारभूत ढांचे को जन आकांक्षाओं के अनुरूप मजबूत बनाने में जुटे हैं। भजनलाल सरकार का दावा है कि एक साल की अल्प अवधि में सरकार ने जनता की सरकार के रूप में संवेदनशीलता से कार्य किये और यह उसी का परिणाम है कि आज समाज के सभी वर्ग सरकार के कार्यों से बेहद संतुष्ट है। मुख्यमंत्री की सोच है कि रोजमर्रा के कार्यों के लिए सरकार और आमजन के बीच आपसी संवाद को और आसान कैसे बनाया जाये, इसके लिए अधिक तत्परता व सजगता से काम करना होगा।

भजनलाल सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले वर्ष में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर प्रदेश के सर्वांगीण विकास का आगाज़ किया जिसमें 32 देशों द्वारा भाग लिया। इस समिट के प्रारंभ होने से पूर्व ही 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू संपादित किए जा चुके हैं जो निवेशकों द्वारा राज्य के प्रति व्यक्त किए गए विश्वास को दर्शाता है। राज्य सरकार पांच वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने का लक्ष्य रखकर कार्य कर रही है। यह समिट इस क्रम में एक महत्वपूर्ण कदम है। आम आदमी की सोच है प्रदेश के बहुमुखी विकास में तीन चीजें बाधक बनी हुई है। भ्रष्टाचार, लालफीताशाही और कुशासन प्रगति और विकास के दुश्मन के रूप में उभरे हैं। जब तक इन पर काबू नहीं पाया जायेगा तब तक विकास और प्रगति एकांगी होगी। हर सरकार लोक कल्याण का वादा करती है मगर लोक कल्याण के मार्ग में अवरोध बने इन कारकों को समाप्त करने की दिशा में कोई ठौस कारवाही नहीं करती। चूँकि राजनेताओं के हित इनसे जुड़े है इसलिए इन बुराइयों को समाप्त नहीं किया जा सकता। जब तक समाज से यह बीमारी पूरी तरह खत्म नहीं होगी, हम भ्रष्टाचार की गंगा में गोते लगते रहेंगे। बाबा के नाम से मशहूर डॉ. किरोड़ी लाल मीणा कृषि मंत्री के पद से इस्तीफ़ा देने के बाद आज भी आंदोलनरत है। किरोड़ी का कहना है भ्रष्टाचार, लालफीताशाही और अकर्मण्यता आज भी व्याप्त है। इन्हें समाप्त करने के बाद ही जन कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा।

–बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार।

"वन नेशन वन इलेक्शन" लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने की दिशा में बढ़ता कदम

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सोमवार 16 दिसंबर को लोकसभा में केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल द्वारा एक देश एक चुनाव से संबंधित विधेयक पेश करने के साथ ही देष में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होने की दिशा में एक कदम और बढ़ जाएगा। हालांकि सरकार इस विधेयक को संसदीय समिति को भेजने की मंशा व्यक्त करती रही है ताकि इस पर सांसदीय समिति के माध्यम से गंभीर मंथन और चिंतन हो सके। हालांकि अभी एक देश एक चुनाव की दिशा में बढ़ते कदमों में स्थानीय निकायों के चुनावों की प्रकिया बाकी है जिस पर सरकार ने अभी गंभीरता नहीं दिखाई है और उसका कारण भी है कि उस प्रस्ताव के विधेयक को विधानसभाओं से भी पारित करवाया जाना होगा।

खैर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते हैं तो भले ही कांग्रेस सहित विपक्ष विरोध कर रहे हो पर माना जाना चाहिए कि यह सही दिशा में बढ़ता कदम होगा। ऐसा नहीं है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए यह कोई नई बात हो बल्कि आजादी के समय से ही देश में एक साथ चुनाव कराने पर बल दिया जाता रहा है।

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग होने से करीब एक साल तक चुनी हुई सरकार पंगु ही बन कर रह जाती है। इसको राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों के चुनावों से इस तरह से समझा जा सकता है। हालांकि यह उदाहरण मात्र है और सभी प्रदेशों पर समान तरीके से लागू होता है। नवंबर दिसंबर में राजस्थान की विधानसभा के चुनाव होते हैं। सरकार बनते ही अपनी प्राथमिकता भी तय कर पाती है जब तक बजट की तैयारी में जुटना पड़ता है क्योंकि अब फरवरी में ही बजट सेशन होने लगे हैं। मई जून में लोकसभा के चुनाव के कारण अप्रेल से ही आचार संहित लगने की तलवार लटक जाती है और फिर करीब डेढ़ माह का समय आचार संहिता को समर्पित हो जाता है। इसके कुछ समय बाद ही या यों कहे कि परिवर्तित बजट से निपटते निपटते सरकार के सामने स्थानीय निकायों व पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव का समय हो जाता है और उसके कारण लंबा समय इन चुनावों के कारण आचार संहिता के भेंट चढ़ जाता है।

इस बीच में कोई कोई ना कोई उपचुनाव आ जाते हैं तो उसका असर भी चुनी हुई सरकार को भुगतना पड़ता है। जैसे तैसे चौथा साल पूरा होने को होता है कि सरकार ताबड़तोड़ निर्णय करने लगती है और इनके क्रियान्वयन का समय आते आते चुनाव आचार संहिता लग जाती है। इस तरह से एक बात तो साफ हो जाती है कि पांच साल के लिए चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकार का कमोबेस करीब एक साल का समय तो चुनाव आचार संहिताओं के ही भेंट चढ़ जाता है। यह तो केवल लोकतांत्रिक जनता द्वारा चुनी हुई सरकार के कार्यों के प्रभावित होने का एक उदाहरण मात्र है।

अब अलग-अलग चुनाव होने से चुनाव पर होने वाले सरकारी और गैर सरकारी खर्चों पर भी ध्यान दिया जा सकता है। 1952 के पहले चुनाव में सरकारी व गैर सरकारी जिसमें राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वालों का खर्च भी शामिल है वह करीब 10 करोड़ के आसपास रहा। 2010 के आमचुनाव में 10 हजार करोड़ रु. का व्यय माना जा रहा है जो 2019 में 55 हजार करोड़ और 2024 के आमचुनावों में एक लाख करोड़ को छू गया है। इसमें चुनाव आयोग, प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ ही राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों द्वारा होने वाला खर्च शामिल है। हालांकि मोदी सरकार आने के बाद से ही 2014 से एक देश एक चुनाव पर चर्चा का सिलसिला चल निकला था। 2017 में नीति आयोग ने इसे उपयुक्त बताया और 2018 में संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इसे सही दिशा बताया। सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय कमेटी बनाई गई और 65 बैठकें कर 18626 पन्नों की रिपोर्ट इसी साल मार्च, 24 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पेश की गई। यदि इन सभी सिफारिशों को लागू किया जाता है तो 18 संसोधनों की आवश्यकता होगी। हालांकि सरकार ने अभी एक हिस्से यानी कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने की दिशा में कदम बढ़ाती लग रही है। और माना जा रहा है कि 2029 के चुनाव नई व्यवस्था यानी कि एक देश एक चुनाव वन नेशन वन इलेक्शन से हो। हालांकि इसके लिए चुनाव आयोग व सरकारों को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी पर यदि एक बार यह सिलसिला चल निकलेगा तो इसे लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत ही माना जाएगा।

राजनीतिक दलों द्वारा यह शंका व्यक्त की जा रही है कि इससे छोटे व स्थानीय दलों के अस्तित्व पर ही संकट आ जाएगा। इसके साथ ही वोटिंग पेटर्न प्रभावित होगा। चुनाव में कानून व्यवस्था बनाए रखने और चुनाव के लिए मशीनरी भी अधिक लगाने की बात की जाती है तो खर्चे व आधारभूत सुविधाओं यथा ईवीएम मशीन, वीवीपेट मशीन, उनके रखरखाव सहित अन्य आवश्यक संसाधनों की आवश्यकताओं को लेकर भी शंका व्यक्त की जा रही है।

हालांकि जिस तरह से चुनाव आयोग ने संसाधनों का आकलन कर अपनी आवश्यकताएं सरकार को बता दी है उससे लगता है कि चुनाव आयोग भी वन नेशन वन इलेक्शन के लिए मानसिक रुप से पूरी तरह से तैयार है। 2029 के चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा 7951 करोड़ रुपए का खर्च अनुमानित किया गया है। राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों सहित अन्य खर्च अलग होंगे। वन नेशन वन इलेक्शन के सकारात्मक पक्ष भी है और उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि एक साथ चुनाव होने से संसाधन तो एक बार जुटाने होंगे पर उसके बाद व्यवस्था सुनिश्चित हो जाएगी। आजादी के 75 साल से भी अधिक समय हो जाने के बाद जिस तरह से मतदाताओं की उदासीनता देखी जा रही है वह निश्चित रुप से कम होगी। राजनीतिक दल भले ही आज विरोध कर रहे हैं पर एक साथ चुनाव से उन्हें भी कम मशक्कत व एक बार ही मशक्कत करनी होगी। प्रचार सामग्री से लेकर प्रचार अभियान को आसानी से संचालित किया जा सकेगा। योजनाबद्ध प्रयासों से विधानसभा व लोकसभा प्रत्याशियों का एक साथ प्रचार अभियान संचालित हो सकेगा जिससे अलग अलग चुनाव होने से बार बार होने वाले व्यय में कुछ हद तक राजनीतिक दलों को भी कम खर्च करना पड़ेगा। चुनी हुई सरकारों को बार बार आचार संहिता के संकट से गुजरना नहीं पड़ेगा और सरकार को काम करने का अधिक समय मिल सकेगा। दोनों चुनाव एक साथ होने से भले ही पोलिंग बूथ अधिक बनाने पड़े, मशीनरी अधिक लगानी पड़े पर मतदाताओं और चुनाव कराने वाली मशीनरी के लिए भी सुविधाजनक होगा।

एक बात यह भी कि असामाजिक तत्वों की गतिविधियां भी काफी हद तक कम हो सकेगी। इससे सरकारी संसाधनों की बचत, मानव संसाधन को बार बार नियोजित करने से होने वाले सरकारी कार्य में बाधा में बचत और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से बार बार चुनाव के स्थान पर एक साथ चुनाव होने से खर्चों में भी कमी आएगी। देखा जाए तो वन नेशन वन इलेक्शन लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अतेवा सरपंच ने सैकड़ों हरे पेड़ों को कटवाया, ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों ने हरे पेड़ काट रहे ठेकेदार को रोका और बैठक आयोजित की

करौली, (निसं)। अतेवा ग्राम पंचायत के सरपंच अमरचंद जाटव ने आम जनता द्वारा अपने पूर्वजों की स्मृति में लगाये हरे वृक्षों एवं प्राकृतिक रूप से तालाब की पाल पर लगे हरे वृक्ष चोरी छिपे नीलाम कर कटवा डाले, जिससे ग्रामीणो में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया।

ग्रामीणों को इस कृत्य का पता चला तो सकल पंच आम बस्ती अतेवा एकत्रित होकर इसके खिलाफ कठोर कार्यवाही के लिए तैयार हुई। ग्रामीणों ने हरे पेड़ काट रहे ठेकेदार को रोका और आम बस्ती अतेवा की एक पंचायत आहूत की। ग्रामीणों की नाराजगी रोड जाम करने पर आमादा थी। सैकड़ों की संख्या में लोग सड़क पर पहुंच गए, जब इस बात की खबर सपोटरा विधायक हंसराज मीणा को लगी तो उन्होंने ग्रामीणों को समझाते हुए कठोर कार्यवाही का भरोसा दिलाया। विधायक के आदेश पर मौके पर पहुंचे वन विभाग के प्रेम चन्द, कैलादेवी थाने से एएसआई रामवीर सिंह मय जाप्ता, कैलादेवी पुलिस वृताधिकारी मीना मीणा, पटवारी राजाराम मीणा, गिरदवाल मौके पर पहुंचे और कटी हुई हरी लकड़ी जब्त की गई। ग्रामीणों की शिकायत पर कैलादेवी थाना, वन विभाग में कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

गांव के पंच बच्चू गुर्जर, भीम सिंह, रामसिंह गेहुंआ, लक्ष्मीकांत शर्मा, दामोदर, प्यारेलाल गुर्जर, रामनारायण माली, शेलेन्द्र नापित, पूरन गुर्जर, लक्ष्मीनारायण जोगी, अवधेश, भाजपा नेता गोपेश शर्मा, योगेश भारद्वाज, सीताराम सहित सैकड़ों लोगों ने बताया कि हमारे यहां हरे पेड़ की कटाई पिछले 10 साल से प्रतिबन्धित है। अंतिम संस्कार के लिये भी लकड़ी बाजार से लाई जाती है, फिर सरपंच का ये कृत्य सकल पंच समाज को अपमानित करने एव पर्यावरण के महत को खत्म करने वाला है। सरपंच द्वारा गांव में सरकारी मद से बने सामुदायिक भवन एव सार्वजनिक शौचालय को तोड़कर अपना निजी घर बना लिया गया है। पिछले पांच साल में ग्राम पंचायत में एक रुपये का विकास कार्य नहीं हुआ है।

लोगों ने बताया कि सरपंच द्वारा सैकड़ों बीघा जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है। अगर प्रशासन ने दो दिन के अंदर कठोर कार्यवाही नहीं की तो आम बस्ती अतेवा द्वारा कलेक्टर कार्यालय पर धरना दिया जाएगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 16 दिसम्बर, 2024

पौष मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2081, आर्दा नक्षत्र रात्रि 1:14 तक, शुक्ल योग रात्रि 11:22 तक, कौलव करण दिन 12:28 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रसिक माधुरी जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:30 तक, शुभ 9:48 से 2:05 तक, चर 1:40 से 2:57 तक, लाभ-अमृत 2:57 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:13, सूर्यास्त 5:32

मेष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। मनोबल बढ़ेगा।

कर्क

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संयम बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।

मीन

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 135 प्रभात जयपुर, सोमवार 16 दिसम्बर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Closed Minds can kill but not Forever

In his suicide note, he wrote, "I can't wait every day for a heart attack to kill me." -Dr. Mukhopadhyay

No more ear-ritation!

When Should Kids Get First Mobile

When deciding to give child a mobile phone, parents typically weigh many factors.

'पहले दिन ही पेपर लीक पर एस.आई.टी. का गठन किया'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार का एक वर्ष पूरा होने पर राष्ट्रदूत से विशेष वार्ता की

- मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार ने संकल्प पत्र के 50 फीसदी वादे पहले वर्ष में पूरे किये। पूर्वी राजस्थान के सूखे कंठों के लिये ई.आर.सी.पी. तथा शेखावाटी की जल आवश्यकताओं के लिये यमुना जल समझौता किया।
- भविष्य के लिये राज्य सरकार की, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना, किसानों को समृद्ध बनाना तथा महिलाओं को बराबरी के अवसर दिलाना, प्राथमिकता रहेगी।

जयपुर, 15 दिसम्बर। राजस्थान सरकार के कार्यकाल का पहला साल पूरा होने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रदूत से एक साल के अनुभव व अगले वर्षों की योजनाओं पर खुलकर बातचीत की। वार्तालाप के कुछ महत्वपूर्ण अंश पाठकों के लिये प्रस्तुत हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री के साथ बातचीत के कुछ अंश :-

प्रश्न- एक साल के कार्यकाल को किस तरह से देखते हैं ?

उत्तर- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी से राजस्थान में 15 दिसंबर, 2023 को हमारी डबल इंजन वाली सरकार ने शपथ ली। पहले ही दिन पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच के लिए एस.आई.टी. और कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए एन.टी. गैंगस्टर टास्क फॉर्स का गठन किया। इनके परिणाम सभी के सामने हैं। 450 रुपये में माता-बहनों को संकल्प पत्र के वादे के अनुसार गैस सिलेंडर दिया। आपणों अग्रणी राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के लिए समावेशी बजट पेश किया। दशकों से पूर्वी राजस्थान के सूखे कंठों की प्यास बुझाने के लिए ई.आर.सी.पी. योजना का एम.ओ.यू. किया। शेखावाटी की जल आवश्यकता के लिए यमुना जल समझौता किया। युवाओं को रोजगार देने के लिए 1 लाख से ज्यादा पदों पर निष्पक्ष भर्ती परीक्षा कलेण्डर के अनुसार आयोजित करवा रहे हैं। साथ ही, रोजगार उत्सव के जरिये युवाओं को नियुक्तियां भी दी हैं। किसानों का सम्मान बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि डीबीटी के जरिये दी गई है। किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने के लिए शुरूआती महिनों में ही 2.24 लाख करोड से अधिक के एमओयू साइन कर काम प्रारम्भ कर दिया। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के माध्यम से जरुरतमंद को सुलभ और सस्ता इलाज दे रहे हैं। श्री अन्नपूर्णा रसोई के माध्यम से 8 रुपये में भरपेट भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन किया। इसमें 35 लाख करोड रुपये से अधिक के एमओयू साइन किये हैं, जो कि अपने-आप में एक कीर्तिमान है। देखिये 1 साल का कार्यकाल बेमिसाल रहा है। प्रदेश में गरीब, किसान, महिला और युवाओं के कल्याण एवं विकास के लिए जो महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की है, उनसे उत्कर्ष परिणाम की प्राप्ति हुई है। हमारी सरकार ने संकल्प पत्र के 50 फीसदी से अधिक वादों को पहले वर्ष में ही पूरा कर दिया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन वाली भाजपा सरकार विकसित राजस्थान- 2047 के सपने को साकार करने के लिए दिन-रात कडी मेहनत कर रही है।

सवाल - इन्वेस्टमेंट समिट पर आपकी राय, क्या यह धरातल पर उतरेंगे?

जवाब - राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का 3 दिन आयोजन किया गया। यह इसलिए महत्वपूर्ण है कि हम पहले वर्ष में ही राज्य के विकास के लिए 35 लाख करोड रूपये से अधिक का निवेश लेकर आए हैं। अब आने वाले वर्षों में इन्हें धरातल पर उतारने के लिए पूरी टीम तैयार कर दी गई है।

सवाल- सरकार की प्राथमिकताएं क्या है ?

जवाब- युवा, किसान, महिलाएं और गरीब हमारी सरकार की प्राथमिकता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"आप" ने दिल्ली के सारे प्रत्याशी घोषित किये

नयी दिल्ली,15 दिसंबर। आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 38 उम्मीदवारों की चौथी और अंतिम सूची जारी की जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को नयी दिल्ली और मुख्यमंत्री आतिशी को कालकाजी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। आप ने 21 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच, यानी 25 दिनों में कुल 4 लिस्ट में 70 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। इस बार 26 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे गए हैं और 4 विधायकों की सीट बदली गई है। 'आप' के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक ने कहा, केजरीवाल को नयी दिल्ली,

- 26 मौजूदा विधायकों का टिकिट कटा तथा 4 विधायकों की सीट बदली।

आतिशी को कालकाजी और पूर्व मंत्री सत्येंद्र कुमार जैन को शकुर बस्ती विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि 'आप' की चौथी सूची में कस्तूरबा नगर के विधायक मदनलाल का टिकट कटा है और उनकी जगह आज ही पार्टी में शामिल हुए रमेश पहलवान को टिकट दिया गया है। गैंगस्टर से संबंधों के आरोप में जेल में बंद उत्तम नगर से विधायक नरेश बाल्यान की पत्नी पोश उर्फ पूजा नरेश बाल्यान को टिकट दिया गया है।

सोमवार को पेश नहीं होगा "वन नेशन वन इलेक्शन" बिल

सरकार ने बिल की कॉपी तो सांसदों को भेज दी, पर लोकसभा की संशोधित सूचि में लिस्टेड नहीं

- यह माना जा रहा है कि शीतकालीन सत्र 20 दिसम्बर तक ही है, इसलिये अब इस बिल पर चर्चा के आसार नहीं हैं।

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर असमंजस की स्थिति बन रही है। यह बिल पहले सोमवार 16 दिसंबर को लोकसभा में पेश होना था। बजाप्ता यह 16 तारीख में लिस्टेड भी था। लेकिन अब यह बिल सोमवार को लोकसभा में पेश नहीं होगा। क्योंकि लोकसभा की संशोधित सूची में यह बिल नहीं है। सरकार ने इस बिल की कॉपी सांसदों को भी भेज दी है ताकि वे इसका अध्ययन कर सकें। संसद का शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर को खत्म हो रहा है। अगर यह बिल 16 दिसंबर को पेश नहीं होता है तो फिर सरकार के पास चार दिन ही बाकी रहेंगे। ऐसे में इस बिल पर चर्चा होने के आसार कम ही नजर आ रहे हैं।

ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए संवैधानिक संशोधन विधेयक "वन नेशन वन इलेक्शन" को 12 दिसंबर को मंजूरी दी थी। कैबिनेट ने दो ड्राफ्ट कानूनों को मंजूरी दी थी, जिसमें से एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से संबंधित है, जबकि दूसरा विधेयक विधानसभाओं वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के एक साथ चुनाव से जुड़ा है। संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत, जबकि दूसरे विधेयक के लिए सदन में सामान्य बहुमत की आवश्यकता होगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में इस विचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई थी।

भरतपुर व बीकानेर विकास प्राधिकरण की अधिसूचना जारी

जयपुर, 15 दिसम्बर। शहरी विकास एवं आवासन विभाग ने रविवार को भरतपुर एवं बीकानेर में विकास प्राधिकरण के गठन की अधिसूचना जारी की है। ये अधिसूचनाएं भरतपुर विकास प्राधिकरण अध्यादेश-2024 एवं

- गत 30 नवम्बर को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भरतपुर और बीकानेर विकास प्राधिकरण के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी।

बीकानेर विकास प्राधिकरण अध्यादेश-2024 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के क्रम में राज्य सरकार द्वारा जारी की गई हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिसूचना जारी होने पर कहा कि भरतपुर व बीकानेर प्रमुख शहरों के रूप में उभर रहे हैं। इससे इन शहरों में आबादी का दबाव बढ़ा है। इन नगरीय क्षेत्रों में प्राधिकरणों का गठन होने से यहां विकास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चुनाव परिणाम स्वीकारें, ई.वी.एम. की शिकायत बंद करें'

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी को नसीहत दी

- उमर अब्दुल्ला ने कहा "परिवारवाद की राजनीति को लेकर भाजपा की आलोचना केवल राजनीतिक पाखंड है। उन्हें अपने सहयोगियों की परिवारवाद की राजनीति से कोई समस्या नहीं है।"

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कांग्रेस पार्टी को बड़ी नसीहत दे दी है। सी.एम. उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी से कहा कि वह ई.वी.एम. को लेकर अपनी शिकायतें करना बंद करे और चुनाव के परिणाम स्वीकार करे। ज्ञातव्य है कि हाल ही में हुए कई राज्यों के चुनावों में हार झेलने के बाद कांग्रेस पार्टी ने ई.वी.एम. में गड़बड़ी का दावा किया है।उमर अब्दुल्ला ने इसके साथ ही परिवारवाद के आरोपों समेत कई मुद्दों पर अपनी बात रखी है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा- "जब इसी ई.वी.एम. के इस्तेमाल से संसद में आपके सौ से अधिक सदस्य पहुंच जाते हैं और आप इसे अपनी पार्टी के लिए जीत का जश्न मनाते हैं, तो आप कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि हमें ये ई.वी.एम. पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव के परिणाम उस तरह नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं।" यदि किसी पार्टी को ई.वी.एम. पर भरोसा नहीं है, तो उसे चुनाव लड़ना ही नहीं चाहिए।

उमर अब्दुल्ला ने अपने बेटों की राजनीति में एंट्री को लेकर भी जवाब दिया है। उनके दोनों बेटे, जमीर और जहीर वकील हैं और उन्होंने हाल ही में हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दौरान अपने पिता के साथ जमकर चुनाव प्रचार में भाग लिया था। अब्दुल्ला से जब पूछा गया कि क्या उनके परिवार की चौथी पीढ़ी राजनीति में आएगी, तो उमर अब्दुल्ला ने कहा- "वे जो भी स्थान चाहते हैं उन्हें वह स्वयं तैयार करना होगा। उन्हें तश्तरी में रखकर कोई कुछ नहीं देगा।" ज्ञातव्य है कि उमर अब्दुल्ला के दादा शेख अब्दुल्ला और पिता फारूक अब्दुल्ला ने भी जम्मूकश्मीर की राजनीति में अहम रोल निभाया है।

उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर भी हमला किया। उन्होंने कहा, "परिवारवाद की राजनीति को लेकर भाजपा की आलोचना केवल राजनीतिक पाखंड है। भाजपा केवल अपनी सुविधा के मुताबिक परिवारवाद की राजनीति का विरोध करती है। उन्हें अपने सहयोगियों की परिवारवाद की राजनीति से कोई समस्या नहीं है।"

उमर ने केंद्र सरकार से अपना वादा निभाने की बात कही। उन्होंने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विश्व विख्यात तबला वादक और पद्म विभूषण उस्ताद ज़ाकिर हुसैन का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में निधन हो गया। वे 73 वर्ष के थे। अस्पताल से जुड़े सूत्रों ने उनके निधन की पुष्टी की है। ज़ाकिर हुसैन का जन्म नौ मार्च 1951 को मुंबई में हुआ था। उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था। जाकिर हुसैन को तीन ग्रैमी अवॉर्ड भी मिल चुके थे। उनके पिता का नाम उस्ताद अल्लाह रक्खा कुरैशी और मां का नाम बीवी बेगम था। जाकिर के पिता अल्लाह रक्खा भी तबला वादक थे। जाकिर हुसैन ने सिर्फ 11 साल की उम्र में अमेरिका में पहला कॉन्सर्ट किया था। वर्ष 1973 में उन्होंने अपना पहला एल्बम "लिविंग इन द मटीरियल वर्ल्ड" लॉन्च किया था। वर्ष 2016 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें "ऑल स्टार ग्लोबल कॉन्सर्ट" में भाग लेने के लिए वाइट हाउस में आमंत्रित किया था। जाकिर हुसैन पहले इंडियन म्यूजिशियन थे, जिन्हें यह इन्विटेशन मिला था। जाकिर हुसैन ने कुछ फिल्मों में एक्टिंग भी की है। उन्होंने 1983 की एक ब्रिटिश फिल्म हीट एंड डस्ट से डेब्यू किया था।

राजस्थान में शीतलहर 25 तक रहने की संभावना

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। उत्तराखंड की केदार घाटी और बद्रीनाथ क्षेत्र में भी अच्छी खासी बर्फबारी हुई है। नैनीताल समेत कुमाऊं क्षेत्र के कुछ इलाकों में भी हल्की

- दिल्ली और एन.सी.आर. में अगले दो - तीन दिन तापमान में और गिरावट आयेगी।

बर्फबारी हुई है। पहाड़ों में हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाकों में दिख रहा है।

पहाड़ों में बर्फबारी के चलते राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एन.सी.आर. में अभी और कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि अगले दो-तीन दिनों तक दिल्ली-एनसीआर में शीतलहर जारी रहेगी। इससे तापमान में गिरावट आएगी और कड़ाके की ठंड पड़ेगी।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले सप्ताह के लिए देश के कई हिस्सों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना ने कश्मीर में आतंकी ठिकाने व ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया

श्रीनगर, 15 दिसंबर। सेना ने जम्मू कश्मीर में दो अलग-अलग जगह कार्रवाई करते हुए आतंकी ठिकाने और ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। रियासी में जिस आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ हुआ है, वहां से बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। वहीं, सीमा के पास पकड़े गए पाकिस्तानी ड्रोन के साथ लगभग आधा किलो ड्रग्स बरामद हुए हैं। जानकारी के अनुसार, सेना ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक बड़े आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया और हथियारों और गोला-बारूद

- सेना ने रियासी जिले में आतंकी ठिकाने से हथियारों व गोला-बारुद का जखीरा बरामद किया। तलाशी अभियान अभी जारी है।

का बड़ा जखीरा बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने माहोर के वन क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान ठिकाने का भंडाफोड़ किया।

अधिकारियों के अनुसार, ठिकाने से बरामद की गई चीजों में एक एके असॉल्ट राइफल, 400 से अधिक राउंड वाली इसकी तीन मैगजीन, दो पिस्तौल, 14 राउंड वाली दो मैगजीन और चार हथगोले शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फड़नवीस सरकार के विस्तार में शिन्दे को 11 व पवार को 9 मंत्री मिले

पोर्टफोलियो का आवंटन दो दिन में, विधानसभा सत्र कल से

मुंबई,15 दिसंबर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद अब महायुति की सरकार भी बन गई है। रविवार को महायुति सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस कार्यक्रम का आयोजन नागपुर में किया गया। महायुति के मंत्रिपरिषद का रविवार को नागपुर में विस्तार किया गया, जिसमें 39 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही मंत्रिपरिषद में सदस्यों की संख्या 42 हो गई है। मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा को 19 मंत्री पद मिले, एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को 11 और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 9 मंत्री पद मिले। इनमें 4 महिलाएं और 1 मुस्लिम चेहरे को जगह मिली है। 33 विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि छह ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली।

कुछ प्रमुख लोगों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने सबसे पहले कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। वे नागपुर जिले के कामठी विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। बावनकुले के बाद राधाकृष्ण विखे पाटिल ने मंत्री पद की शपथ ली। वे शिरडी से विधायक के रूप में अपना आठवां कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। पाटिल पहले कांग्रेस, शिवसेना और अब भाजपा में थे। शिंदे सरकार में वे राजस्व मंत्री थे।

महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट विस्तार के बाद कैबिनेट की पहली बैठक भी संपन्न

- कैबिनेट विस्तार के बाद महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की पहली बैठक भी हुई। बाद में मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व अजित पवार ने प्रेस को संबोधित किया।

हुई। इस बैठक के बाद सीएम देवेंद्र फडणवीस और दोनों डिप्टी सीएम ने प्रेस को संबोधित किया। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पोर्टफोलियो-विभागों का आवंटन अगले दो दिन में होगा। कल से सत्र शुरू होगा, जिसमें हम 20 बिल पास करेंगे। विपक्ष ने जो पत्र भेजा है और सवाल पूछा है, उसका जवाब हम पहले भी दे चुके हैं। ई.वी.एम. का गलत नैरेटिव बनाने की कोशिश विपक्ष कर रहा है। हम जवाब देंगे।

डिप्टी सी.एम. एकनाथ शिंदे ने कहा कि कि पोर्टफोलियो का बंटवारा सीएम देवेंद्र फडणवीस करेंगे। वह तीसरी बार सीएम बने हैं, ऐसे में हम उनका अभिनंदन करते हैं।

शिंदे ने कहा कि फडणवीस ने कहा था कि फिर लौटूंगा, वह फिर आए और सी.एम. बने। हमने एक टीम की तरह काम किया।

कैबिनेट मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, पिछले कुछ दिनों से हम देख रहे थे कि किसे कितने विभाग मिल रहे हैं। यह सम्मेलन नागपुर में हो रहा है, मैं देवेंद्र जी को बधाई देता हूं। मैच नया है, विपक्ष वही है। हमने एक टीम के रूप में काम किया है। देवेंद्र जी और अजित दादा मेरे साथ हैं। मैंने पहले भी कहा था कि मैं 200 विधायक लेकर आऊंगा, अजित पवार का आना बोनस है।

शिंदे ने कहा कि स्थिति ऐसी है कि विपक्ष को विपक्ष का नेता तक नहीं मिला। जनता ने दिखा दिया है कि वे काम करने वालों के पीछे खड़ी है। हमने उन्हें (विपक्ष को) आमंत्रित किया था और मुझे लगा कि वे (शपथ ग्रहण समारोह में) आएंगे। जनता ने इन लोगों का बहिष्कार किया है। उन्होंने हमें 2.5 साल तक हल्के में लिया।

डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि एक दो दिन में सीएम पोर्टफोलियो का आवंटन करेंगे। विपक्ष चाय पार्टी का बहिष्कार करता है। अब चाय पार्टी रखने पर सोचना होगा। हमारी सरकार में हमारी संख्या ज्यादा है, लेकिन हम विपक्ष का सम्मान करेंगे। बहुमत के बल पर मनमानी काम नहीं करेंगे।

अजित पवार ने कहा कि महायुति सरकार 23 तारीख को आई और आज कैबिनेट ने शपथ ली। आज अंतिम रूप लिया गया और आने वाले दिनों में काम शुरू हो जाएगा। हम उन्हें (विपक्ष को) कभी नज़रअंदाज़ नहीं करेंगे क्योंकि उनकी संख्या कम है।

दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित 18 वर्ष तक के बच्चों के इलाज के लिए 50 लाख रु. देगी भजनलाल सरकार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आयुष्मान बाल संबल योजना का शुभारंभ करते हुए इसकी घोषणा की

- ऐसी बीमारियों से पीड़ित बच्चों की देखभाल के लिए 5 हजार रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता भी दी जाएगी।
- पहले चरण में जेके लोन अस्पताल और एम्स जोधपुर को इस योजना में इलाज के लिए अधिकृत किया गया है।
- मुख्यमंत्री ने 2 हजार दिव्यांगों को स्कूटी, महिला लाभार्थियों को कार्गा इलेक्ट्रिक साइकिल तथा 14 हजार दिव्यांगों को कृत्रिम अंग और उपकरण बांटे।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी सरकार के 1 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण करने पर प्रदेशवासियों को कई योजनाओं की सौगात दी। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, आयुष्मान बाल संबल और विश्वकर्मा पेंशन योजना का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित 18 वर्ष तक के बच्चों को 50 लाख रु. का उपचार आयुष्मान बाल संबल योजना में कराया जायेगा। इन बच्चों की देखभाल के लिए 5 हजार रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी जाएगी। पहले चरण में जेके लोन अस्पताल और एम्स जोधपुर को इस योजना में इलाज के लिए अधिकृत किया गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इस योजना के पोर्टल का अनावरण भी किया। इसके साथ ही 2 हजार दिव्यांगों को स्कूटी बांटी। मुख्यमंत्री ने सीईएसएल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पहल के तहत महिला लाभार्थियों को कार्गा इलेक्ट्रिक साइकिल भी प्रदान की। उन्होंने दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर व उपकरण वितरित किए। प्रदेशभर में 14 हजार दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग एवं उपकरण प्रदान किए।

उन्होंने प्रदेश में जरूरतमंदों के लिए मुख्यमंत्री सदभावना केन्द्र बनाने, 31 जनवरी तक आयुष्मान आरोग्य शिविर लगाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 2.15 लाख पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के खातों में विभिन्न योजनाओं की 247.76 करोड़ रुपए की राशि का प्रत्यक्ष हस्तांतरण भी किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 2 महिलाओं को 30-30 हजार रुपये के प्रतीकात्मक चैक भेंट कर 5,001 परिवारों को आवास निर्माण के लिए प्रथम किस्त जारी की। इस योजना में 20 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई।

भजनलाल शर्मा ने 'मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना' का रिमोट से शुभारंभ किया। इसके तहत राज्य के शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंद एवं असहाय परिवार के असंगठित श्रमिकों के साथ भवन निर्माण श्रमिक, हस्तशिल्प श्रमिक, गिग वर्कर, ट्रांसपोर्ट वर्कर, केयर वर्कर, सफाई श्रमिक, घरेलू श्रमिक आदि को विशेष अल्पावधि ऋण उपलब्ध करवाकर आर्थिक संबल दिया जाएगा। इस योजना में लाभार्थी को बैंक द्वारा बिना किसी गारंटी अथवा प्रक्रिया शुल्क के 80 हजार तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 2 लाभार्थियों को 50-50 हजार रुपये की ऋण राशि के चैक प्रदान किए। प्रदेशभर में आज 11 हजार 1 स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण वितरित किया गया।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना की शुरूआत की। इसके तहत लाभार्थी अंशदाताओं को मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन के अतिरिक्त 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 3 हजार रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों की स्थापना के कार्यों का भी आज से शुभारंभ किया। इन केन्द्रों पर नागरिक, संस्थान, वाणिज्यिक उद्यम आदि पहले उपयोग हो चुकी वस्तुएं जैसे कपडे, जूते, किताबें, खिलौने, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि जमा कर सकेंगे। जरूरतमंद व्यक्ति इन केंद्रों से अपनी आवश्यकतानुसार वांछित सामान प्राप्त कर सकेंगे। शर्मा ने कहा कि प्रदेशभर में आज से प्रारंभ कर 31 जनवरी, 2025 तक मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 813 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 50 जिला चिकित्सालयों में 3 चरणों में ये शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने इस अवसर पर आयुष्मान आरोग्य शिविर की बुकलेट का भी विमोचन किया।

समारोह में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा, सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, विधायक महेन्द्रपाल मीणा, रामवतार बैरवा, हमीर सिंह भायल, शत्रुघ्न गौतम, महापौर जयपुर नगर निगम ग्रेटर डॉ. सौम्या गुर्जर, महापौर जयपुर नगर निगम हैरिटेज कुसुम यादव, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका मौजूद थे।

शौर्य-शहादत को समर्पित गायत्री महायज्ञ में सैकड़ों लोगों ने अर्पित कीं आहुतियां

पूर्व सैनिकों के जोश को देखकर बच्चों ने लिया सेना में जाकर मातृभूमि की रक्षा का संकल्प

जयपुर। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के साथ धनु मलमास लग गया है। मलमास में गायत्री महामंत्र की साधना का संदेश देने के लिए झोटवाड़ा की सूर्य विहार विस्तार कॉलोनी के योग पार्क में रविवार को नि:शुल्क पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। श्रद्धामय वातावरण में 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने यज्ञ देवता को आहुतियां अर्पित की।

गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी से आए यज्ञाचार्य दिनेश कुमार ने कहा कि हर श्रेष्ठ कार्य ही यज्ञ है। यह पूरा संसार ही यज्ञशाला है। जो अपने ज्ञान, समय, साधन, धन का एक अंश श्रेष्ठ कार्यों में लगा रहा हैं वह वास्तव में यज्ञ ही कर रहा है। उन्होंने प्रारंभ में गुरु वंदना, मां गायत्री की स्तुति की। देशभक्ति पूर्ण प्रज्ञा गीतों ने माहौल में जोश भर दिया। शौर्य और शहादत को समर्पित महायज्ञ का शुभारंभ राष्ट्र गान के साथ हुआ। शहीद हिम्मत सिंह के पिता किशोर सिंह शेखावत, शहीद रणवीर सिंह की मां शरबती देवी और शहीद कैप्टन योगेश अग्रवाल के परिजनों ने दीप प्रज्वलित किया। वेद माता मां गायत्री, पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य, भगवती देवी शर्मा के पूजन के बाद देवी देवताओं का आव्हान कर पूजन किया गया।

युवा और बच्चों में सेना में जाकर मातृभूमि रक्षा करने का भाव जागृत करने के लिए देव पूजन के साथ शहीदों के चित्र और उन्हें मिले वीरता, शौर्य पदक का अक्षत और पुष्प से पूजन किया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार, उत्थान सेवा संस्थान, पतजंलि किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यज्ञ में कैप्टन शिशुपाल, कैप्टन धर्मपाल सिंह, शेखावत सूबेदार लाखन सिंह, सूबेदार इंद्रेश दुबे, सूबेदार आनंद प्रकाश स्वामी, सूबेदार नत्थूसिंह शेखावत, सूबेदार गोपालसिंह, कैप्टन उमेश शर्मा, सूबेदार जोधा सिंह, सूबेदार दीपक कौशिक सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में पुलिस कांस्टेबल की मौत

जयपुर। भांकरोटा थाना इलाके में ड्यूटी से घर लौट रहे कांस्टेबल की बाइक को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। हादसा शनिवार रात का है। ट्रेलर ओवरस्पीड में था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। रविवार दोपहर राजकीय सम्मान से उनका अंतिम संस्कार किया गया। थानाधिकारी मनीष गुप्ता ने बताया कि हादसे में रामस्वरूप (55) निवासी बेगस बगरू की मौत हो गई। वह सीएम सिक्योरिटी के आईबी में पुलिस कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात थे। ड्यूटी ऑफ होने के बाद रात करीब 9:15 बजे वह बाइक से घर लौट रहे थे। कमला नेहरू पुलिया से नीचे उतरते ही पीछे से आए ओवर स्पीड ट्रेलर ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। ट्रेलर लगते ही रामस्वरूप बाइक सहित रोड पर गिरकर गंभीर घायल हो गए।

एक्सीडेंट की सूचना पर भांकरोटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने गंभीर हालत में उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर ड्राइवर को डिटेन कर लिया है। पुलिस ने रविवार सुबह पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा में वांछित महिला गिरफ्तार

- फर्जी तरीके से बैक डेट में बीपीएड की डिग्री, अंकतालिका हासिल कर उसके आधार पर पीटीआई की नौकरी पाई थी

जयपुर। एसओजी ने कार्रवाई करते हुए शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2022 में फर्जी तरीके से बैक डेट में बीपीएड की डिग्री, अंकतालिका हासिल कर उसके आधार पर पीटीआई की नौकरी करने वाली वांछित महिला को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपित महिला से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एसओजी वीके सिंह ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग जयपुर द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षक भर्ती 2022 में फर्जी तरीके से बैक डेटमें बीपीएड की डिग्री, अंकतालिका हासिल कर उसके आधार पर पीटीआई की नौकरी प्राप्त करने के आरोप में वांछित सुमन भारी निवासी भादरा जिला हनुमानगढ हाल राजगढ जिला चूरू हाल तृतीय श्रैणी शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय सोनियाणा, ब्लॉक रेलमगरा जिला राजसमंद को राजसमन्द पुलिस के सहयोग से उदयपुर एसओजी टीम ने गिरफ्तार किया गया है। अब तक के जांच पडताल में आरोपित महिला द्वारा शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2022 में फर्जी तरीके से बैक डेट में बीपीएड की डिग्री ,अंकतालिका हासिल कर उसके आधार पर पीटीआई की नौकरी हासिल की हैं तथा इसके अलावा आरोपित महिला द्वारा फर्जी तरीके से ताईक्वाडों एवं टग ऑफ वार खेल के प्रमाण पत्र भी हासिल किये है। फर्जी ताईक्वाडो खेल प्रमाण पत्र के आधार पर उत्कृष्ट खिलाडी के खेल कोटे से आरोपित महिला समन तृतीय श्रैणी अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में भी चयनित हो चुकी है। जिसमें आरोपित महिला अपात्र कर दिया गया है। गिरफ्तार आरोपित महिला से गहन पूछताछ जारी है। इस प्रकरण में इससे पूर्व आरोपित महिला के पति शिक्षा निदेशालय बीकानेर के पूर्व कर्मचारी मन्दीप कुमार व उसके साथी कर्मचारी जगदीश सारण (सचिव, टग ऑफ वार फेडरेशन राजस्थान) को फर्जी डिग्री व फर्जी खेल प्रमाण-पत्रों के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है।जो वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे है।

किशोरी ने फांसी लगाकर जान दी

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में 14 साल की नाबालिग लड़की ने फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। किशोरी के पिता का आरोप है कि एक लड़के के परिवार ने घर आकर झूठा इल्जाम लगाकर अकेली मिली बेटी को धमकाया था। पुलिस ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। शिवदासपुरा थाने में नाबालिग पीड़िता के पिता ने एक लड़के व उसके परिवार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि अचलपुरा शिवदासपुरा निवासी 14 वर्षीय किशोरी ने सुसाइड किया है। मंगलवार दोपहर परिवार के सदस्य किसी काम से बाहर गए थे। वह घर पर अकेली थी। पीछे से उसने कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। उसकी चाची के घर लौटने पर वह फंदे से लटकी मिली। नाबालिग बेटी के सुसाइड की सूचना पर घर पहुंचे परिजनों ने शिवदासपुरा पुलिस को घटना की जानकारी दी। शिवदासपुरा थाना पुलिस ने मौका-मुआयना कर शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को महात्मा गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। शिवदासपुरा थाने में बच्ची के पिता ने एक लड़के व उसके परिवार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। पिता का आरोप है कि मंगलवार दोपहर को घर पर बेटी अकेली थी। इस दौरान आरोपी अपने परिवार के साथ घर आया था। घर आकर नाबालिग बेटी से मारपीट कर गाली-गलौज की। उनके बेटे के साथ रिलेशनशिप होने का झूठा इल्जाम लगाकर जान से मारने की धमकी दी। जिससे आहत होकर नाबालिग बेटी ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।

लॉरेंस विश्नोई के नाम से 5 करोड़ की रंगदारी मांगी

बदमाशों ने इंटरनेशनल नंबर से कई बार कॉल करके जयपुर के बिजनेसमैन को धमकाया

-कार्यालय संवाददाता-

- बजरी कारोबार से जुड़े होटल संचालक ने साइबर क्राइम थाने में इस संबंध में मामला दर्ज कराया है

जयपुर। जयपुर में व्यापारी और बिजनेजमैन को धमकी देकर रंगदारी मांगने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। कमिश्नरेट पुलिस इन मामलों पर लगाम लगाने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। इंटरनेशनल नम्बरों से कई कॉल एक बिजनेसमैन को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम से धमकी देकर 5 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। पीडित ने इस संबंध में साइबर थाने में मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि चित्रकूट नगर निवासी 32 वर्षीय बिजनेसमैन ने मामला दर्ज करवाया कि वह बजरी के कारोबार के साथ ही होटल भी चलाते है। उनके बिजनेस पार्टनर विकास बिश्नोई और उनके दोस्त भरत और लखविंदर का होटल मालिक भंवर यादव से होटल किराएदारी के बात को लेकर पिछले दिनों कहासुनी हो गई थी। कहासुनी से नाराज होने पर होटल मालिक भंवर यादव और उसके खिलाफ हो गए। आरोप है कि 14 दिसम्बर की रात करीब 2 बजे से उसके मोबाइल पर यूनाइटेड किंगडम के मोबाइल नंबर से कॉल आने शुरू हो गए। रात करीब 2:28 बजे कॉल उठाया। फोन उठाने पर धमकाया गया, "मैं लॉरेंस बिश्नोई गैंग का आशीष बिश्नोई बोल रहा हूं। तूने विकास, भरत और लखविंदर को जो नुकसान पहुंचाया है, उसकी कीमत तू चुकाएगा। अगर तू बचना चाहता है और अपने परिवार की सलामती चाहता है तो 5 करोड़ की व्यवस्था कर ले। सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर इन तीनों से माफी मांग ले। अगर तूने माफी नहीं मांगी और पैसे नहीं दिए तो हम कैसे काम करते है तू अच्छी तरह जानता है।" उसके बाद कॉल नहीं उठाने पर करीब 15 अलग-अलग इंटरनेशनल मोबाइल नंबरों से कॉल किया गया। जयपुर कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने में पीडित बिजनेसमैन ने रविवार शाम मामला दर्ज करवाया है।

उत्कर्ष कोचिंग सेंटर में सीवरेज की बदबू से 10 विद्यार्थी बेहोश हुए

क्लास रूम में पढ़ाई के दौरान छात्र-छात्राओं की तबियत बिगड़ने से हड़कंप मचा

-कार्यालय संवाददाता-

- कोचिंग प्रबंधकों ने बेहोश हुए छात्र-छात्राओं को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया
- घटना की सूचना मिलने के बाद छात्र नेता निर्मल चौधर भी अस्पताल के बाहर धरने पर बैठे
- पुलिस और छात्र नेताओं में देर शाम झड़प हुई, इसके बाद कुछ छात्र नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया
- ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने उत्कर्ष कोचिंग सेंटर में फायर सेफ्टी समेत तमाम सुरक्षा मापदंडों की जांच करवाने के लिए कहा

जयपुर। राजधानी जयपुर के उत्कर्ष कोचिंग सेंटर में रविवार देर शाम 10 स्टूडेंट्स की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गए। जानकारी के अनुसार, कोचिंग में दूसरी मंजिल पर क्लास चल रही थी। इसी दौरान सीवरेज लाइन से उठी बदबू से छात्र-छात्राओं में बेहोशी छाने लगी थी। इस पर उत्कर्ष कोचिंग क्लासेज के प्रबंधन ने 108 एंबुलेंस को बुलाया। इस दौरान अन्य छात्रों ने बेहोश छात्र-छात्राओं को कंधे पर उठाकर बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से नजदीकी प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी हालत में सुधार है। उधर, घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

उधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद सोमानी हॉस्पिटल के बाहर राजस्थान यूनिवर्सिटी के निवर्तमान छात्र संघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी समेत अन्य छात्र नेता इकट्ठे हो गए। निर्मल चौधरी ने लगातार कार्रवाई की मांग उठाई। इसी दौरान उनकी पुलिसकर्मियों से झड़प भी हो गई, जिस पर पुलिस ने कुछ छात्र नेताओं को हिरासत में ले लिया। इसके बाद मौके पर बिगड़े माहौल को देखते हुए देर रात पुलिस जाप्ता तैनात किया गया।

पुलिस ने बताया कि रिद्धि-सिद्धि तिराहे के पास एक बिल्डिंग में उत्कर्ष कोचिंग चलती है। रविवार शाम को कोचिंग में दूसरी मंजिल पर रूम नंबर 201 में क्लास चल रही थी। शाम करीब 6:45 बजे क्लास में पढ़ाई के दौरान एक अजीब बदबू आने के चलते क्लास में मौजूद करीब 10 छात्र-छात्राओं को बेहोशी छाने लगी। क्लास में हुई स्थिति को देखकर हड़कंप मच गया। उत्कर्ष कोचिंग क्लास के प्रबंधन ने एंबुलेंस बुलाकर बेहोशी की हालत में स्टूडेंट्स को नजदीकी प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। डॉक्टर्स का कहना है कि सभी की हालत में सुधार है। प्रारंभिक पूछताछ में बच्चों ने बताया कि अजीब बदबू आने के बाद वह बेहोश हो गए।

जैसे ही इस घटना की खबर चारों तरफ फैली तो ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने भी इस पर संज्ञान लेते हुए इस घटना की जांच करवाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि उत्कर्ष कोचिंग परिसर में फायर फाइटिंग सिस्टम सहित सभी मापदंडों को जांचा जाएगा। कोचिंग स्टूडेंट्स की सेफ्टी के हिसाब से पुख्ता इंतजाम हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा। बताया जा रहा है कि सोमानी अस्पताल में एडमिट 5 छात्राओं को सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में मेडिकल कराने के लिए ले जाया गया। उधर छात्र नेता निर्मल चौधरी समेत अन्य युवक सोमानी अस्पताल के बाहर सड़क पर ही धरने पर बैठ गए और उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाने लगे। डॉक्टरों का कहना है कि स्टूडेंट्स ने सिर-दर्द, सांस लेने में दिक्कत, उल्टी और आंखों में जलन की शिकायत की थी। बच्चों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी थी। खांसी और सिरदर्द की वजह से सांस नहीं ले पा रहे थे। अभी सोमानी हॉस्पिटल में 7 बच्चे एडमिट है, जिनकी हालत स्थिर है। बाकी 2 बच्चों को उनके परिजन निजी हॉस्पिटल में ले गए। हॉस्पिटल में लाए बच्चों की हालत अभी स्थिर है। कुछ बच्चों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी, जिसके बाद उन्हें ऑक्सीजन दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद सांसद मंजू शर्मा हॉस्पिटल पहुंचीं और बच्चों से मुलाकात कर जानकारी ली। सांसद मंजू शर्मा ने बताया- बच्चों की हालत स्थिर है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सार-समाचार

लगातार 30 घंटे "सिंगिंग" से जीता अवार्ड

जयपुर। 425 से ज्यादा नग्में और 400 से अधिक लोगों के प्रयास से लगातार 30 घंटे चले सिंगिंग मेडले ने गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकार्ड्स में जगह बनाई। ये नजारा था बॉलीवुड के शो-मैन राज कपूर के 100वें जन्मदिन के उपलक्ष में आयोजित हुई संगीतमय सुरमाला आवारा हूं के समापन समारोह कार्यक्रम का। रोटरी क्लब जयपुर क्राउन और रोटरी क्लब जयपुर उड़ान की ओर से कार्यक्रम का रविवार शाम भव्य समापन हुआ। जहां अल्बर्ट हॉल पर चले नॉन स्टॉप संगीत मैराथन के समापन में मुख्य अतिथि के तौर पर सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा, हाथौज धाम महंत व हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज, नॉर्थ वेस्ट रेलवे सीपीआरओ कप्तान शशि किरण, रोटरी क्लब के गणमान्य डीजी राखी गुप्ता और पीडीजी अजय काला ने शिरकत की। साथ ही इवेंट चेयरमैन विशाल गुप्ता और डायरेक्टर विनोद गर्ग ने सभी सम्मिलित गणमान्यों का भावभीनी धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी संगीतकारों को उनके सहयोग और लोगों के लिए आनंदमय समां बांधने के प्रयास के लिए सम्मान किया गया।

यज्ञोपवीत संस्कार 15 जनवरी को

जयपुर। ब्राह्मण समाज राजस्थान की ओर से आगामी 15 जनवरी को उपनयन यज्ञोपवीन संस्कार कार्यक्रम का आयोजन चौमूं में किया जाएगा। इसका निर्णय रविवार को ब्राह्मण समाज राजस्थान के सीकर रोड स्थित प्रधान कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक की अध्यक्षता में हुई कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। इसकी जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने कहा कि संगठन की ओर से समय समय पर उपनयन संस्कार शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है। इस कड़ी में यह सातवां शिविर है जो चौमूं के मोरीजा रोड स्थित कागल्या वाला बालाजी में होगा। प्रदेश अध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने बताया कि बैठक में कार्यक्रम के लिए जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी को संयोजक बनाया गया है। साथ ही पूरी जिला कार्यकारिणी को भी कार्य की जिम्मेदारी दी गई है। इस दौरान महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ. शारदा शर्मा ने कहा की उपनयन संस्कार के कार्यक्रम को अब राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित करने पर विचार किया जा रहा है।

सीएम के जन्मदिन पर 54 यूनिट रक्तदान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिवस पर सन एंड मून टावर प्रांगण विद्याधर नगर में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ जलदाय विभाग के अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा, राजस्थान सांस्कृतिक युवा मंच के अध्यक्ष एवं सन एन मून रियल स्टेट ग्रुप के मैनेजर भरत सिंह राजावत, एवं सन एन मून व्यापार मंडल के प्रमुख पदाधिकारी मुकेश बागड़ा, भगवान सहाय शर्मा, दशरथ सिंह राजावत, नरेंद्र सिंह शेखावत, महेंद्र सैनी, लोकेश जांगिड़, हरीश सुखदेव राजपुरोहित प्रकाश के तत्वावधान में आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर में 54 यूनिट रक्तदान एकत्रित किया गया। शिविर में रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में जागरूकता और परोपकार की भावना को बढ़ावा मिलता है। रक्तदान शिविर में नवोदय फ़ैमिली वर्ल्ड वाइड के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम नारनोलिया, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के मैनेजर प्रभाती लाल, तथा बाबूलाल शर्मा ब्रह्मदेव शर्मा सुरेश शर्मा गेगराज सैनी देवेन्द्र सिंह जलदाय विभाग एवं समाजसेवी जितेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।

दो बाइक टकराई, बुजुर्ग की मौत

जयपुर। आदर्श नगर थाना इलाके में दो बाइकों के बीच भिड़ंत में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक उमेश पालीवाल के बेटे पुनीत की रिपोर्ट पर आदर्श नगर थाना पुलिस ने बाइक सवार के खिलाफ शिकायत दर्ज की। दुर्घटना की जांच सड़क दुर्घटना इकाई पूर्व की टीम कर रही है। पीड़ित पुनीत पालीवाल निवासी सी 112 सेठी कॉलोनी आदर्श नगर ने मामला दर्ज करवाया कि 8 दिसम्बर रविवार को सुबह उनके पिता उमेश पालीवाल गोविंद देव जी के दर्शन करने के लिए घर से निकले थे। दर्शन कर घर वापस लौटने के दौरान भूरिया की प्याऊ के नजदीक गलत दिशा के आ रही बाइक ने उमेश पालीवाल की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद उमेश पालीवाल सड़क पर गिरे और लहूलुहान हो गए। जिसे देख कर बाइक सवार व्यक्ति मौके से भाग निकला। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर पुनीत पिता को घायल अवस्था में एसएमएस ट्रॉमा सेंटर लेकर गया, जहां उपचार शुरू किया। परंतु दोपहर करीब 1.50 बजे उमेश पालीवाल की उपचार के दौरान मौत हो गई।

मंदिर प्रांगण में 70 यूनिट रक्तदान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर ठिकाना मंदिर श्री गोविंददेवजी के तत्वावधान में संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल के सहयोग से मंदिर परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 70 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। मंदिर महंत श्री अंजन कुमार गोस्वामी ने मेडिकल टीम और रक्तदाताओं का दुपट्टा, प्रसाद और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

आम सुचना सर्वसाधारण एंव खास अनिल अग्रवाल पुत्र श्री श्यामबिहारी अग्रवाल नि. एस-31, टैगोर पथ केपी ऑटोमोबाईल के पीछे, मानसरोवर जयपुर को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य देवीलाल पुत्र भागीरथ गुर्जर नि. ग्राम चांदरमूल तह. मौजमाबाद जिला दूदू के नाम दर्ज खातेदारी कब्जेकाश्त स्वामित्व आधिपत्य की भूमि ख.न. 567/49 रकबा 0.16 है. एवं ख.न. 566/46 रकबा 0.28 है. हिस्सा 9/28 ग्राम चांदरमूल के बाबत आपको दिनांक 09.09.2024 को दिया गया मुख्त्यारनामा आम / अधिकार पत्र जो की दिनांक 09.09.2024 को रजिस्टर्ड उपपंजियक कार्यालय दूदू में पंजिबद्ध किया गया था। उक्त मुख्त्यारनामा / अधिकारपत्र को मेरे अभिभाष्य द्वारा विखण्डीत निरस्त एवं समाप्त दिनांक 04.12.2024 को किया जाकर उपपंजियक कार्यालय दूदू में पंजिबद्ध करवाया जा चुका है। उक्त भूमि के संदर्भ में आपको प्रदत्त समस्त अधिकार समाप्त मुख्त्यारनामा निरस्त किया जा चुका है। एवं आपको स्वतन्त्र कर दिया गया है। उक्त भूमि के संदर्भ में कोई भी संव्यवहार नहीं करे। मेरा अभिभाष्य आपके द्वारा तहरीर एवं तकमील किसी भी संव्यवहार से बाध्य नहीं होगा। सुचित रहे।
भैरूलाल शर्मा, एडवोकेट, दूदू जिला दूदू राज.
मो.-9829372772

SBI Life
अपने लिए, अपनों के लिए.
सूचना
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसबीआई लाइफ) एतद्वारा व्यवसायिक भवन, लीज आधार पर भूस्वामियों से निम्न व्यापक संभावनाओं की पूर्ति हेतु प्रस्ताव निविदाएं आमंत्रित करता है।
1. भवन सभी ऋण भार से स्वतंत्र एवं तुरंत कब्जे हेतु उपलब्ध होना चाहिए ।
2. भवन कामर्शियल इलेक्ट्रिक कनेक्शन की व्यवस्था सहित व्यावसायिक भवन होना चाहिए एवं अग्निशमक एनओसी, व्यवसायिक सर्टिफिकेट, भवन का बीमा जिसमें समुचित और बाधा रहित बिजली एवं जल वितरण, साइनेज का स्थान, पार्किंग एवं आधुनिक फायर फाईटिंग सिस्टम, कारों की पर्याप्त पार्किंग इत्यादि की सुविधा होनी चाहिए ।
3. परिसर अलवर के प्रमुख क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर होना चाहिए।
4. भवन का कॉरपेट एरिया लगभग 3245 वर्गफिट होना चाहिए।
इच्छुक निविदाकर्ता निविदा का प्रारूप को हमारी वेबसाइट www.sbilife.co.in (https://www.sbilife.co.in/en/services/download-centre- RFP forms) से प्रारूप डाउनलोड कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरा हुआ फार्म तकनीकी निविदा एवं प्राइस बिड अलग-अलग सील बंद लिफाफो में "दी रीजनल डायरेक्टर, जयपुर, एस.बी.आई. लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, द्वितीय तल, एआरजी कॉर्पोरेट पार्क, प्लॉट नंबर 8 एवं 9, गोपालबाडी, जयपुर, राजस्थान - पिन - 302001", फोन : 0141-4256600 दिनांक 30-12-2024 तक या पहले पहुँच जाने चाहिए।
एसबीआई लाइफ के पास किसी भी आवेदन को बिना कारण बताए स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार सुरक्षित है।
दिनांक:- 16-12-2024 स्थान- जयपुर
उक्त प्रदर्शित किया गया ट्रेड लोगों भारतीय स्टेट बैंक से संबंधित है तथा लाइसेंस के अंतर्गत एसबीआई लाइफ द्वारातपयोग किया जा रहा है। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड पंजीकृत एवं कारपोरेट कार्यालय: नटराज, एमवी रोड और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे जंक्शन, अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400069 आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 111, सीआईएन: L99999MH2000PLC129113 वेबसाइट: www.sbilife.co.in ई-मेल: info@sbilife.co.in टॉल फ्री नं.: 1800 267 9090 (ग्राहक सेवा समय : 24X7)

संक्षिप्त

मुख्यमंत्री का जन्मदिन मनाया

पावटा। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को एक साल पूरा होने व इसके साथ ही मुयमंत्री भजनलाल शर्मा का जन्मदिन भी है। जिसे लेकर तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा अध्यक्ष राजेश शर्मा के सानिंध्य में मुयमंत्री का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन मनाया गया। तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा अध्यक्ष राजेश शर्मा, दुर्गादत्त शर्मा, गजानंद टीलावत, एडवोकेट विष्णु कुमार पटेल, दिनेश शर्मा, धीरज वशिष्ठ, अशोक शर्मा, रवि शर्मा, योग गुरु पूरणमल यादव, सुरेश कुमार बजरंगपुरा, बद्री प्रसाद चौहान, पवन कुमावत, अमित शर्मा, हरिराम सैनी, योगेश शर्मा मांजुकोट ने केक काटकर जन्मदिन मनाया व खुशी जाहिर करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

ग्राम सेवा सहकारी समिति का उद्घाटन

मानपुरा माचेड़ी । बिलोची में ग्राम सेवा सहकारी समिति का शुभारंभ रविवार को मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत सरपंच मामराज गुर्जर के सानिध्य में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष बाबूलाल सेपट ने की। अध्यक्षता करते हुए सेपट ने कहा कि समिति के माध्यम से ग्रामीण किसानों को समय पर खाद बीज व फ़सल ऋण आदि मिल सकेगा। इस मौके पर चोप समिति के सेक्रेटरी मोहनलाल, पंचायत समिति सदस्य मुंशी राम गुर्जर, महेंद्र गठाला गठवाड़ा, पंचायत समिति सदस्य संतोष बोवस्या, कैलाश इंदौर,मुरलीधर गठाला, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सुरेश प्रजापत, सुनील मीणा, बनवारी कलावत सहित लोग मौजूद थे।

ऑपरेशन करवा लौटे मरीजों का किया सम्मान

श्रीमाधोपुर। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर द्वारा गुरुवार को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीमाधोपुर में आयोजित किए गए आंखों में मोतियाबिंद जांच एवं लैंश प्रत्यारोपण शिविर मे चयनित 7 मरीजों के ऑपरेशन के बाद जयपुर से वापस लौटने पर लायंस क्लब ने उनका हालचाल जाना । इस कार्य के लिए विशेष सहयोग दिया दुर्गा प्रसाद गोयल और ललिता गोयल, ऊंझा, गुजरात वालों ने इस मौके पर क्लब के सीताराम सैनी, राजेंद्र प्रसाद जांगिड़, अनिल कुमार मारवाल और कैलाश चंद्र पारीक उपस्थित रहे।

बाल संस्कार केंद्र का शुभारंभ

श्रीमाधोपुर। क्षेत्र में मां सावित्रीबाई फुले बाल संस्कार केंद्र कचियागढ़ स्टेडियम की गली में किया गया। इस अवसर पर माधव सेवा समिति दांतारामगढ़ के समाजसेवी बसंत कुमार कुमावत व सेवा भारती समिति राजस्थान सीकर के जिला संगठन मंत्री विनोद कुमार, जिला प्रसारक विश्वेंद्र, नगर प्रचारक मोहन सिंह, आयाम प्रमुख सत्य नारायण सेन एवं दया शंकर जी नगर उपस्थित रहे। केंद्र की संचालिका कोमल हरिजन ने बालकों को मंत्र, गीत आदि करवाये गये।यह जानकारी सेवा भारती के जिला अध्यक्ष डॉ महेश कुमार सोनी ने दी है।

अधिकारियों को दिए निर्देश

मनोहरपुर।शाहपुरा से कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने ग्राम बिलांदरपुर में अपने निवास पर क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुनकर उनके गुणवतापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया विधायक यादव ने कहा कि सभी अधिकारी कार्यालयों में आमजन से अच्छा व्यवहार करे और संवेदनशील होकर आमजन की समस्याओं का समाधान कर उन्हें राहत प्रदान करना सुनिश्चित करावे।

कुशाल सिंह अध्यक्ष बने

दुदु। अभिभाषक संघ दूदू के वार्षिक चुनाव की प्रक्रिया के बाद अध्यक्ष पद पर कुशाल सिंह राजावत को निर्वाचित घोषित किया गया चुनाव अधिकारी अधिवक्ता राजेंद्र गुर्जर सहायक चुनाव अधिकारी इमरान खान मंसूरी ने बताया कि 70 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया कुशराज सिंह राजावत को 37 मत और कृष्ण कुमार लखेरा को 33 मत प्राप्त हुए

कलशयात्रा आज

निवाई।जमना गार्डन में भागवत कथा का आयोजन आज से किया जाएगा। श्रद्धालु कन्हैलाल शर्मा ने बताया कि सोमवार को कलश यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन दोपहर 12 से 4 बजे तक कथा का आयोजन किया जाएगा।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुनी करने के लक्ष्य पर हो रहा है कार्य : बैढ़म

खैरथल। राज्य सरकार के एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रंखला में आयोजित राज्य स्तरीय अंत्योदय सेवा शिविर कार्यक्रम का लाइव प्रसारण रविवार को पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खैरथल में किया गया। कार्यक्रम में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बैढ़म, विधायक तिजारा महंत बालक नाथ योगी, पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव, जिला कलेक्टर किशोर कुमार, पुलिस अधीक्षक खैरथल मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी ज्येष्ठा मैत्रेयी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, नगर परिषद खैरथल सभापति हरीश रोघा, भाजपा जिला अध्यक्ष अलवर उत्तर उम्मेद सिंह भाया, पूर्व अध्यक्ष अशोक डाटा, अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष सहित अनेक जनप्रतिनिधि नागरिकगण दूर दराज से

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बैढम, विधायक महंत योगी बालक नाथ ने लाभार्थियों को चेक प्रदान किया।

आए सैकड़ो अंत्योदय लाभार्थी शामिल हुए।गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म एवं अतिथियों ने मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के चार दिव्यांगों को स्कूटी, 20 दिव्यांगों को ट्राई साइकिल, पांच दिव्यांगों को व्हीलचेयर, कालीबाई भील स्कूटी योजना के तहत पांच मेधावी छात्राओं को स्कूटी देकर वितरण की शुरुआत की इसके साथ ही पांच लाभार्थियों को सोलर इलेक्ट्रिक कुकिंग सिस्टम, तीन दिव्यांगों को मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना के तहत स्वीकृति पत्र, एक लाभार्थी को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत अनुदान राशि का चेक, पीएम विश्वकर्म योजना के 6, पीएम स्वनिधि योजना के तीन लाभार्थी, पीएम आवास योजना के तीन लाभार्थी को चेक दिए गए। कार्यक्रम के दौरान पुलिस साइबर सेल द्वारा बरामद 40 मोबाइल वापस किए गए।

■ **जिला विकास पुस्तिका का वीमोचन किया**

इस दौरान जिला स्तरीय विकास प्रदर्शनी का गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बैढ़म ने अवलोकन किया। उन्होंने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए जिले में हुए विकास कार्यों का जायजा लिया। सरकार के एक साल पूर्ण होने पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बैढम प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से मुखातिब होते हुए राज्य सरकार एवं जिले की उपलब्धियां बताई। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की अर्थव्यवस्था अब 15 लाख करोड़ रुपए की हो चुकी है, जिसे अब 30 लाख करोड़ यानी दोगुनी करने पर तेजी से काम किया जा रहा है। बैढ़म ने अपील करते हुए कहा कि नए राजस्थान के नवनिर्माण में सभी अपना योगदान देवें।

मंत्री बैढ़म ने पीएम सूर्य घर योजना का लाभ लेने की अपील करते हुए इसके बारे में विस्तार से बताया। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए कार्य कर रही है। पिछले एक वर्ष में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ग्रोथ रेट में पूरे देश में दूसरे स्थान पर पहुंच चुका है।

दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन

पावटा। खेलों के प्रति युवाओं में जागरूकता बढाने के लिए दौड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मैड कस्बे में आजाद भगत सिंह सेवा संस्थान की ओर से दौड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित दौड में उपखंड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से आए हुए धावकों ने हिस्सा लिया। दौड प्रतियोगिता के प्रथम चरण में 1600 मीटर दौड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राहुल सैनी थानागाजी रहे तथा 800 मीटर दौड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुनील सैनी थानागाजी विजेता रहे। कार्यक्रम में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर समानित किया गया। दौड प्रतियोगिता में राकेश सैनी एनसीसी, भूतपूर्व सैनिक जयसिंह धानका, आरएसएस विराटनगर के खंड संघ चालक हरिसिंह राव, विकास चंदोलिया, सुभाष गुर्जर, ओमप्रकाश यादव, राकेश, आकाश चौहान, मुकेश सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

विधायक ने आदर्श सीएचसी का फीता काटकर किया उद्घाटन

नारायणपुर। कस्बा स्थित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आदर्श सीएचसी में चयन होने पर रविवार को बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान आयोजनकर्ताओं ने मुख्य अतिथि विधायक देवीसिंह शेखावत, चेयरमैन मन्नी प्रहलाद सैनी सहित मौजूद अतिथियों का माला और साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया।

विधायक ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि आदर्श सीएचसी होने पर क्षेत्र के लोगों को अब पहले से ज्यादा सुविधा मिलेगी। जिससे लोगों को छोटी-छोटी बिमारियों के ईलाज के लिए कोटपुतली या अलवर नहीं जाना पड़ेगा। पिछले 1 साल में सड़क सहित अन्य विकास कार्य तेजी से हुए हैं। वही क्षेत्र में क्राइम में कमी आई हैं। उन्होंने बताया कि महीने में उपखंड पर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आदर्श सीएचसी में चयन होने पर बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

2 बार जनसुनवाई कि जायेगी ताकि लोगों कि समस्या का समाधान मौके पर हो सके।

वही आने वाले समय में पंचायत समिति चालू करवाना व सिविल न्यायालय खुलवाना प्राथमिकता रहेंगी। इस दौरान विधायक शेखावत ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों में धन कि कमी नहीं आने दी जायेंगी। इसके उपरांत उन्होंने आदर्श सीएचसी में आयोजित आयुष्मान आरोग्य शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान लोगों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लेकर शिविर का लाभ उठाया।

■ **मरीजों को मिलेगी बेहतर सुविधा**

इस मौके पर सीएमएचओ डॉ.आशीष सिंह शेखावत, एसडीएम अनुराग हरित, तहसीलदार अनिल कुमार, बीसीएमओ डॉ. पूरणमल मीणा, सीएचसी प्रभारी पूरणमल चौधरी, डॉ. सुरेश मीणा, डॉ. विक्रम गुर्जर, डॉ. मनीष बामनिया, उपप्रधान रामनिवास भादू, थानाधिकारी शिम्भूदयाल मीणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुल्तान राम सैनी, मुकेश गोठवाल, फूलचंद यादव, समाजसेवी राजू प्रजापत, भवानी शंकर सैनी, धुडाराम यादव, अशोक शेखावत, नत्थुराम प्रजापत, सुरेन्द्र शर्मा, जलेसिंह मीणा, मनीष प्रजापत सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

शिविर में 388 लोगों ने निःशुल्क परामर्श ली

फुलेरा । कस्बे के स्कूल खेल मैदान के निकट स्थित जैन भवन परिसर में रविवार को प्रात: 9 बजे श्री दिगम्बर जैन पंचायत फुलेरा के तत्वाधान में निशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया।

उपरोक्त जानकारी देते हुए श्री दिगम्बर जैन पंचायत फुलेरा के महामंत्री कमल वैद ने बताया कि शिविर

■ **श्री दिगम्बर जैन पंचायतके तत्वाधान में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन**

शिविर के दौरान जांच एवं परामर्श लेते हुए लाभार्थी ।

के दौरान डॉ. के.जी. कुमावत (कंसलटेंट फिजिशियन एवं नाक कान गला विशेषज्ञ), डॉ. गौरव चौधरी (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. दीपिका (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. संजय मल्होत्रा (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ. सीताराम यादव , डॉ. महेश कुमार (मूत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. सुनील (कंसलटेंट फिजिशियन) के द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान की गई। वहीं आगे बताया कि उपरोक्त सभी डॉक्टरों से शिविर में 388 लोगों ने निशुल्क परामर्श, जांच व दवाईयां प्राप्त की। इसी क्रम में आगे बताया कि शिविर में विभिन्न जांचें भी निशुल्क की गई, जिसमें ईसीजी, पीएफटी, बीएमडी, बीएमआई, न्यूरोपैथी, यूरोफ्लोमेट्री, इसके अलावा ब्लड टेस्ट भी किये गये जिसमें सीबीसी, ब्लड शुगर, एचबीए1सी, टीएसएच, यूरिक एसिड, पीएस मुख्य रही। वहीं जैन समाज के अध्यक्ष निलेश बड़जात्या ने बताया कि उक्त शिविर में स्थानीय व्यापार महासंघ, वरिष्ठ नागरिक परिषद, श्री रामद्वारा रामधन जौहरी ट्रस्ट, रेलवे पेंशनर सोसाइटी के पदाधिकारियों का भी पूरा सहयोग प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर जैन समाज से कैलाश बैनाड़ा, सुबोध छाबड़ा, सुरेश रावका, सुरेश बड़जात्या, महावीर बड़जात्या, महावीर बेनाड़ा, महावीर वेद, महेश रावका, विमल, राकेश जैन, संदीप लुहाड़िया, अंकित काला, राजकुमार रावका, अभिषेक, कमल रावका, संतोष छाबड़ा, लाभचन्द सौगानी, पवन लुहाड़िया, विजय बड़जात्या, प्रवीण बडजात्या, रक्षा बड़जात्या, आशा वैद, मंजू बैनाड़ा, इन्दु बड़जात्या, सीमा लुहाड़िया, अनीता बड़जात्या, राजु काला सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

वार्डों में गंदगी से अटी पड़ी नालियों व टूटी सड़कों से वार्डवासी परेशान

पावटा। पावटा प्रागपुरा नगर पालिका क्षेत्र के पावटा कस्बे के वार्डों के लोग प्रशासन की कथित लापरवाही के कारण नालियों में फैली गंदगी से खासे परेशान हैं। प्रशासन जहां एक ओर सरकार के स्वच्छता अभियान की सफलता का ढढोरा पीटते नही थकता वही पावटा कस्बे वार्डों में सरकार के स्वच्छता अभियान की धज्जियां उडती आसानी से देखी जा सकती हैं। वार्ड के लोगों ने प्रशासन से वार्डों की गंदगी से अटी नालियों के सफाई करवाने की मांग की है। वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रत्येक घर को स्वच्छ नल जल उपलब्ध कराने के सपनों को साकार करने के लिए-पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के पावटा कस्बे के वार्डों में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदा गये गड्ढे अब लोगों के लिए मुसीबत बन रहा है।

खोदे गए गड्ढे को समतल नहीं करने से बाइक सवार और पैदल चलने वाले लोग रात के अंधेरों में गिरकर जमी हो रहे हैं। पाइपलाइन बिछाने के लिए वार्डों मे बने सीसी रोड को बीचो-बीच जेसीबी से तोड कर खुदाई कराई गई। पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदे गये गड्ढों से अब वार्डवासियों एवं राहगीरो के लिए परेशानी का सबब बन गया है। रोड की हालत बिगड गई

■ **वार्ड के लोगों ने प्रशासन से वार्डो की गंदगी से अटी नालियों के सफाई करवाने की मांग की**

है रोड खोद कर पाइप डालने के बाद रोड को बिना समतल किये ठेकेदार के द्वारा ऐसे ही छोड दिया गया है। नतीजा गली के बीचो-बीच बडे-बडे पत्थर को छोड दिए गए हैं। बीचों-बीच पडे बडे-बडे पत्थर से और समतलीकरण नहीं किए जाने के चलते वार्डवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। वार्ड न 14 वार्ड पार्षद संजय सैन, लोकेश शर्मा ने बताया कि वार्ड की नालियां गंदगी से भरी पडी हैं तथा नपा प्रशासन ने कई महीनों से नालियां की सफाई नही की है।

इसके कारण नालियों में दुर्गंध आती रहती है और हमेशा बीमारी फैसले की आशंका बनी रहती है। नगरपालिका प्रशासन को कई बार वार्ड की सफाई के बारे में शिकायत दे चुके हैं। वार्ड के लोगों ने प्रशासन और सरकार से शहर की सफाई व्यवस्था व टूटी सडको को दुरुस्त करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

कोटपूतली। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के 57 वें जन्मदिवस पर रविवार को भाजपा नेता यादराम जांगल द्वारा राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय कोटपूतली में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर विधायक हंसराज पटेल, सांसद प्रतिनिधि देवायुष सिंह व जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने शिविर का शुभारम्भ किया। शिविर में रक्तदाताओं ने बढ़-चढकर उत्साह से भाग लिया। प्रातरू 10 से सायं 05 तक आयोजित शिविर में रक्तदाताओं का तांता लगा रहा।

शिविर में सायं 03.30 बजे तक कुल 378 यूनिट संग्रहित हो चुका था। विधायक पटेल ने युवाओं को रक्तदान के लिये प्रेरित करते हुये कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की डबल इंजन सरकार के फैसलों से सबका कल्याण होने की बात कही। सांसद प्रतिनिधि देवायुष सिंह ने युवाओं को संदेश देते हुये कहा कि

राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय कोटपूतली में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया ।

रक्तदान जीवनदान है। जिसमें युवाओं को अग्रणी होना चाहिये। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने भी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। भाजपा नेता यादराम जांगल ने कहा कि सनातन संस्कृति में वैदिक काल से ही जीवनदान को मानव का प्रथम कर्तव्य माना गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान तेजी से प्रगति कर रहा है। शीघ्र विकसित राज्यों की श्रेणी में राजस्थान खड़ा नजर आयेगा। इस मौके पर राजकीय जिला अस्पताल में मरीजों को फलों का वितरण भी किया गया।

इस दौरान पूर्व प्रधान विक्रम सिंह तंवर, पूर्व सरपंच जयराम सिंह गुर्जर, उप प्रधान प्रतिनिधि एड. राजेंद्र रहीसा, मण्डल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, एड. चेतराम रावत, पूर्व चौयरमैन एड. महेन्द्र सैनी, धर्मपाल डेलीगेट, सुरेश

■ **भाजपा नेता यादराम जांगल के नेतृत्व में आयोजित शिविर में कुल 378 यूनिट रक्त एकत्रित**

मोठुका, रघुवीर गोयल, राजपाल डेलीगेट, सरपंच अशोक शर्मा, लक्ष्मण सिंह, सरपंच नाहरसिंह, अरूण सैनी, राजेंद्र डेलीगेट, राजेंद्र भौनावास, महेश बामनवास, रमेश रावत, नितिन शेखावत, मुकेश चनेजा, राजाराम कसाना, छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, अशोक मान, दुलीचंद मान, सोनू चौधरी, निम्पु चौधरी, पार्षद मनोज गौड़, हेमंत राठौड़, कपिल शर्मा, देवेंद्र स्वामी, डॉ. महेश जांगल, कँवर सिंह समेत सैकड़ों रक्तदाता व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के जन्मदिवस पर कस्बे के बानसूर रोड़ स्थित श्री जयसिंह गौशाला में गौ सेवा कार्यो का आयोजन किया गया।

हड्डियों की जांच का निःशुल्क कैंप

देवली । यहां श्री दयाल हॉस्पिटल में हड्डियों की तकलीफ से परेशान लोगों की जांच निशुल्क की गई । रविवार को शहर के मोरला बाईपास स्थित श्री दयाल हॉस्पिटल में हड्डियों से जुड़ी बीमारियों एवं विटामिन और कैल्शियम की कमी की जांच और चेकअप हेतु निशुल्क कैंप लगाया गया ।जिसमें लगभग 100 से अधिक लोगों ने कैंप में पहुंचकर निशुल्क जांच का लाभ उठाया । यहां चिकित्सक आनंद प्रकाश मीणा ने जानकारी में बताया कि रविवार को श्री दयाल हॉस्पिटल में हड्डियों से जुड़ी बीमारी एवं विटामिन कैल्शियम की कमी की जांच के लिए निशुल्क कैंप लगाया गया। कैंप में लगभग 100 से अधिक लोगों के बोन मैरो डेंसिटी (बी एम डी) हड्डियों की जांच और चेकअप निशुल्क किया गया । यहां चिकित्सक के अनुसार कैंप में पहुंचे अधिकांश लोगों के बोन मैरो डेंसिटी की जांच में कैल्शियम और विटामिन डी 3 की कमी पाई गई । अधिकांश लोगों में मोरटेन माइंस एक पाया गया। हड्डियां कितनी मजबूत है। हड्डियों में कैल्शियम का घनत्व कितना है। हड्डियों में कैल्शियम कितना प्रतिशत है। इन सभी के बारे में लोगों को जानकारियां दी गई।

सार-समाचार

गोपालन निदेशक ने निरीक्षण किया

श्रीमाधोपुर। अजीतगढ़ श्री कृष्ण गोशाला का गोपालन निदेशालय निदेशक प्रहलाद सहाय नागा ने निरीक्षण किया तथा गोशाला प्रबंधन को अनेक दिशा निर्देश दिए वहीं गोशाला में भामाशाहों, गौभक्तों द्वारा करवाए जा रहे कार्यों, गौवंश के आवासों को देखकर सराहना की।जानकारी मुताबिक शनिवार को गोपालन निदेशक प्रहलाद सहाय नागा, पशुपालन विभाग अजीतगढ़ ब्लॉक पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.राजेन्द्र कृष्ण काला गोशाला पहुंचे तथा गोशाला प्रबंधन कार्यकारिणी के साथ गोशाला का भ्रमण किया तथा विभिन्न पहलुओं का निरीक्षण किया। निदेशक नागा ने गौआवास, साफ सफाई व्यवस्था, गोपालक आवास, चारा गोदाम, हरा चारा कटाई व्यवस्था, कृषि भूमि, चारा छानने की मशीन, दलिया बनाने की भट्टी समेत अनेक पहलुओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गोशाला प्रबंधन से गोशाला के विभिन्न रिकॉर्ड का अवलोकन किया तथा गोशाला प्रबंधन व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। निदेशक नागा ने गोशाला के स्थापना वर्ष 1945 से होने की जानकारी पर कहा कि यहां कम से कम 500 गौवंश होना चाहिए, इस पर प्रबंधन ने बताया कि गोशाला में निरंतर संसाधनों को विकसित करके गौवंश बढ़ाने पर कार्य की जानकारी दी। पशुपालन विभाग ब्लॉक अधिकारी डॉ.काला ने इसके अतिरिक्त गोपालन विभाग, सरकार को अनेक योजनाओं, जिनके तहत गौशालाओं को विकसित किया जाता है कि जानकारी दी। इस पर प्रबंधन कमेटी ने विगत एक वर्ष में गौभक्तों, भामाशाह, समाजसेवियों के सहयोग से किए गए गौसेवा कार्यों की जानकारी दी। निदेशक प्रहलाद सहाय नागा, डॉ.राजेंद्र कृष्ण काला समेत टीम ने गोशाला में भामाशाहों द्वारा सोलर पैनल लगाने, ट्रेक्टर, ट्राली आदि संसाधन, गौ ग्रास रथ आदि समेत गौवंश के अलग अलग गौ आवास बनाकर गौवंश रखने की सराहना की। इस दौरान गोशाला अध्यक्ष चैतन्य मीणा, सचिव मूलशंकर शर्मा, कोषाध्यक्ष मोहन लाल पारीक, सह व्यवस्थापक जगदीश प्रसाद स्वामी, गोशाला सदस्य अक्षय कुमावत, सुनील अग्रवाल, पशु चिकित्सा सहायक महेंद्र सिंह शेखावत, श्याम सुंदर सैनी, राजेश योगी, सुभाष चौधरी समेत अनेक लोग मौजूद थे।

पिच्छिका परिवर्तन समारोह सम्पन्न

निवाई। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का रविवार को भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष सुनील भाणजा एवं मीडिया प्रभारी विमल जौला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। गुरूमाँ के चरणों में कमंडल भेंट करने का सौभाग्य सुशील कुमार, जयप्रकाश व गिरिश जैन आरामशीन वालों ने प्राप्त किया। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य सुभाष लक्ष्मी बगडा जयपुर एवं वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्रकाशचंद सौगानी नरेना वाले मांग्यावास जयपुर वालों ने प्राप्त किया। सभी गुरुभक्तों ने भक्ति भावों के साथ गुरूमां की अष्टद्रव्यमयी पूजन किया। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र में नवनिर्मित व्रती आश्रम में लिफ्ट का उद्घाटन श्रेष्ठी हरकचंद व डॉ सतीश वैद्य लालकोठी जयपुर सपरिवार ने किया। चेतन निमोडिया, नरेंद्र जैन कासलीवाल मालपुरा एवं इन्द्रा बडजात्या जयपुर ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल ने गुरूमाँ का मंगल आशीर्वाद लिया। गुरुमाँ की पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य अमित वानपुरा व पूनम दिल्ली ने किया। इस अवसर पर सुकुमार झण्डा, पारसमल सीमेंट, नरेश बनेठा, राजाबाबू गोधा व महावीर प्रसाद नेनवां सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

भाजपाईयों की बैठक आयोजित

फुलेरा । कस्बे की जोबनेर सड़क स्थित फैक्ट्री एरिया विधायक आवास पर रविवार को दोपहर 11 बजे विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय मंत्री निर्मल कुमावत तथा संभाग सह प्रभारी संजीव भारद्वाज के सानिध्य में स्थानीय विधानसभा क्षेत्र के समस्त मण्डल अध्यक्षों पदाधिकारियों, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जयपुर ग्रामीण दक्षिण जिला महामंत्री अजयपाल सिंह नाथावत, मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र डांगरा, नटव पारीक, प्रणव कयाल, लक्ष्मीकान्त तोतला, बाबूलाल यादव, नन्दसिंह मनोहर, देवकरण गुर्जर, हृदय सुमन शर्मा, बालकिशन जांगिड़, वर्धमान काला, संजय पारीक, बद्री नारायण शर्मा, महावीर जैन, गजेन्द्र सिंह शेखावत, सुरेश मिश्रा, रतन राजोरा, सुरेश कुमार सैनी, हरीश कुमावत, राजेन्द्र कुमावत, यतेन्द्र झाकड़ा, मदन गढ़वाल, पूजा भाटी, जितेन्द्र वर्मा, श्रवण वर्मा, त्रिलोक चन्द भाटी, धर्मेन्द्र सैनी, राजकुमार सैनी, संजय वार्ष्णेय, मनीष गगरानी, कमल शर्मा, मुकेश जी गेनोलिया सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेट्रोल एवं डीजल का स्टॉक रिजर्व रखने के निर्देश दिए

टोंक। जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ग्राम दादिया वाटिका जयपुर में राज्य स्तरीय समारोह में भाग लेने वाले आमजन एवं लाभार्थियों को लेकर जाने वाले नियोजित वाहनों के ईंधन के लिए जिले के पेट्रोल पंप संचालकों को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत पेट्रोल एवं डीजल का स्टॉक 16 से 18 दिसंबर तक रिजर्व रखने के निर्देश दिए है। जिला कलेक्टर ने आदेश दिए है कि समस्त पेट्रोल पंप संचालक 1 हजार लीटर पेट्रोल, 2500 लीटर डीजल एवं 200 लीटर ऑयल का स्टॉक (डेड स्टॉक के अतिरिक्त) रिजर्व रखेंगे। साथ ही, समारोह में लगे वाहनों में परिवहन विभाग द्वारा जारी पीओएल कूपनों के अनुसार आपूर्ति देना सुनिश्चित करेंगे। आदेश की अवहेलना करने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3७ के तहत अपराध माना जावेगा।

रक्तदान शिविर का आयोजन

दुदु। जिला मुख्यालय के नरेना रोड स्थित स्वास्तिक हॉस्पिटल परिसर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिवस पर स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाकर 40 युनिट रक्त एकत्रित किया गया शिविर के दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बेरवा ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजनारायण शर्मा बिरदी चन्द अहलावत प्रकाश जैन दातार सिंह उप प्रधान कैलाश जाट उपसभापति अमित जोशी संजय सिंह स्वास्तिक हॉस्पिटल के निर्देशक गौरी शंकर शर्मा सहित रक्तदान करने वाले भामाशाह मौजूद रहे रक्तदान करने वाले सभी भामाशाहों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया

पटेल की पुण्यतिथि पर दी श्रृद्धाजंली

टोंक। जिला कांग्रेस कमेठी टोंक द्वारा स्वतंत्रता सेनानी व देश के प्रथम गृहमंत्री, सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा सहित कांग्रेस पदाधिकारी ने माल्यार्पण, 2 मिनट का मौन धारण कर सुमन अर्पित किया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बैरवा ने सरदार पटेल को नमन करते हुए कहा कि उनके विचार हमेशा हमारे आदर्श रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए सदैव प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष मिर्जा इरशाद बेग जिला उपाध्यक्ष फोजू राम मीणा, शलेंदे शर्मा, मनीदेर बैरवा, इरशाद सेवादल, जर्रार खान,राजू रैगर, ईमरान पहलवान, आदिल खान कैलाशी देवी मीणा, नवीन बैरवा आदि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेसजनो ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

108 कुंडात्मक यज्ञ का ध्वजारोहण

मानपुरा माचैडी । ग्राम रूंडल स्थित भगवान परशुराम की तपोस्थली जमदग्नि ऋषि आश्रम में रविवार को संत श्री 108 रविदास महाराज के सानिध्य में होने वाले श्री परशुराम महायज्ञ का झंडा रोपण का कार्यक्रम हुआ। यज्ञ आचार्य चिरंजी लाल शास्त्री विमलपुरा ने सन् 2025 अक्षय तृतीया आखातीज पर होने वाले यज्ञ का वेद आचार्य पंडितों द्वारा रविवार को अभिजीत मुहूर्त में वेद मंत्रों के साथ विधि विधान से भूमि यज्ञ शाला पूजन व ध्वजा पूजा अर्चना कर श्री परशुराम महायज्ञ के झंडे का रोपण कार्य किया गया। दौरान श्रीमंत सुरेश दास जी महाराज श्रीमाधोपुर धाम के कई मठों व अखाड़े के संत महंत मौजूद रहे। रामगोपाल शर्मा, श्यामलाल तिवाडी, ललित पारीक, सचिन जोशी, मुक्तिलाल तिवाडी, रामकुमार बाडीगर, लल्लूराम काकोड़िया, गोपाल सिंह, दिलीप सिंह, जगत सिंह, महावीर सिंह, श्रीपाल सिंह, सूरजभान डाबड ,मुक्तिलाल दगड़ आदि मौजूद रहे।

पार्क व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

बौंली-बामनवास। सवाई माधोपुर के रणथंभौर टाइगर नेशनल पार्क का रविवार को एनटीसीए(नेशनल टाइगर कंजर्वेशन ऑफ़ इंडिया) के सचिव गोविंद सागर भारद्वाज ने बाघ संरक्षण सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर जायजा लिया निरीक्षण के दौरान सचिव गोविंद सागर भारद्वाज ने वन अधिकारियों से चर्चा कर वन्य जीव प्रबंधन को भी देखा इस दौरान गाइड एसोसिएशन प्रतिनिधि मंडल ने सचिव का स्वागत किया।

ARBiT
it happens here...

Wright Brothers Day

One important day that changed the world was the day when a man was able to fly through the air in the style of a bird! Not only was this unprecedented, but it set the stage for a whole host of other ideas and inventions that have contributed to the advancement of technology as well as the adventure into space. The airplane has certainly made the globe a much smaller, more accessible place for humans. And right at the beginning of it all were two brothers from the US state of Ohio, Orville and Wilbur Wright.

राष्ट्रदूत
MONDAY
16 December 2024
A-B

#AIR-TRAVEL

No more ear-ritation!

If you feel a strange sensation in your ear as soon as your flight takes off, you might be dealing with airplane ear. While it can be uncomfortable, it can be relieved with some simple tricks.

Does the excitement of your much-awaited trip suddenly fade the moment your flight takes off? Thanks to a sharp, annoying pain in your ears! And worse, it doesn't just disappear mid-flight, it lingers even after you land. Even if you haven't experienced this yourself, chances are you know someone who can't stop complaining about the discomfort during their flight. This issue is real, and it can be more than just the constant popping of ears. Airplane ear can be downright painful.

So, why does it happen?

Airplane ear, also called barotrauma, occurs when the pressure in the middle ear doesn't equalise with the air pressure outside. This may cause ear pain, uneasiness, and even lead to hearing impairment. As an airplane takes off or lands, the air pressure in the cabin changes. Normally, the Eustachian tube, a small canal connecting the middle ear to the back of the nasal cavity, equalises the pressure. However, sometimes, this tube can get blocked, preventing pressure equalisation.

Like sinus congestion, colds, or allergies can also affect the function of the Eustachian tube, making it more difficult for the ear to adjust to changes in pressure.

It's quite common

Airplane ear is a common phenomenon, particularly during flights. Almost everyone experiences some level of ear discomfort when flying, but some are more susceptible. People with sinus issues, colds, nasal congestion, or allergies are at higher risk because these conditions can interfere with the Eustachian tube's function. Additionally, infants and young children are more likely to struggle with airplane ear because their Eustachian tubes are smaller and may not work as effectively. Those with a history of ear infections or certain anatomical issues may also experience more severe symptoms.

Know the symptoms

The most common symptom of airplane ear is a feeling of fullness or blockage in the ear. One may also experience ringing in the ears or temporary hearing loss. In more severe cases, it can lead to ear pain, and rarely, there may be a perforation of the eardrum.

Save your ears

- To help prevent or relieve the discomfort of airplane ear, try yawning or swallowing frequently, as this helps open the Eustachian tubes and equalise pressure.
- Chewing gum or sucking on candy can encourage swallowing, which also balances pressure in the ear.
- If you're dealing with sinus congestion or a cold, using a decongestant or nasal spray before your flight may reduce the risk of discomfort.
- *Valsalva maneuver*, gently blowing your nose with your mouth closed, can also help open the Eustachian tubes.
- It's best to avoid flying when you're sick, especially if you have a cold, allergies, or sinus infections, and if possible, delay your trip until you're symptom-free.
- During the flight, try not to sleep during take-off or landing, as staying alert can help you manage pressure changes.
- Keep chewing gum or munching sugar candies to encourage swallowing. You can also gently pop your ears by blowing your nose while pinching your nostrils closed.

When to seek professional help?

In most cases, airplane ear resolves on its own after the flight, without the need for medical treatment. However, if the symptoms persist, worsen, or cause significant discomfort, it is advisable to consult a healthcare professional. If there is an infection or a ruptured eardrum, medical treatment such as antibiotics, pain relief, or ear drops may be required. In extreme cases, a doctor may recommend a procedure to help equalise the pressure in the ear.

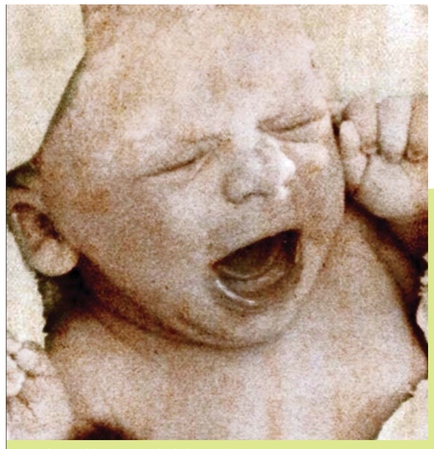

The World's 1st test tube baby: Louise Brown.

Closed Minds can kill but not Forever

The prejudice was so strong that the Director Health Services, West Bengal, barred him from presenting his work at any conference and refused permission to apply for a passport to attend international conferences to which Subhash was invited. The Left Front government in West Bengal set up a four-member inquiry committee, under the chairmanship of Dr. Mrinal K Dasgupta, a Radio-Astronomer, in which neither he nor other members had the required expertise to evaluate the work. It was probably an intentional effort to denigrate the research!

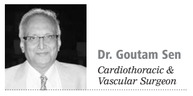

Dr. Goutam Sen
Cardiothoracic & Vascular Surgeon

#TRIALS AND TRAVAILS OF IVF

Medical research has rarely had a smooth path. The hit and miss syndrome is accepted norm, but occasionally, the society has also got a major say in the product.

I had the pleasure of viewing a film entitled '*Joy*' recently. It was based on the trials and travails of three people, who were attempting the first IVF (In Vitro Fertilisation) way back in the 1970's in United Kingdom. Robert Edwards, Jean Purdy and Patrick Steptoe pioneered the project in most abysmal circumstances. They were socially boycotted and mocked by religious groups and society in general for attempting to change divine destiny. When God had ordained that certain women remain barren, who were these people to go against the grain and create a baby in a test tube? In case of Edward, his whole endeavour can be summarised in one sentence he made, "If you have one success in twenty years of research, you have achieved your aim." Think of all the failed attempts.

It was 6748th attempt of fertilising the ovum in a petri dish that successfully reached full term in the womb. Jean Purdy came from a devout Christian family, and her mother was totally against Jean's participation in the programme. She was disinherited and was not allowed into her parental home for nearly ten years. Patrick Steptoe was the pillar of strength in the team and was always supportive despite the failures. His belief in the project was so strong that he created space in an abandoned area in his hospital in Oldham against many protests and constant ridicule. His ability to harvest the ovum with a laparoscope was one of the key factors in the success of IVF. As the story progressed, many reasons behind the project were unveiled. Edwards was concerned about the millions of women who could not conceive because of mechanical obstruction of the Fallopian tubes and pelvic inflammation or abnormalities. He was a proud parent of two girls and wished all couples the same joy. In case of Jean, she was primarily interested in the project because of the immense benefit it would give to a large number of childless couples. She herself was also aware that because of *endometriosis* (a disorder in which tissue that normally lines the uterus grows outside it), she would never be able to be a mother. It could have been a driving force for her.

The story also revealed how meticulous the research has to be and how many pitfalls there were on the way. In fact, first successful implantation had taken place earlier but had to be abandoned because the pregnancy was *ectopic* (pregnancy taking place in other locations except the uterine cavity). In another instant, a huge batch of successful fertilisations in the petri dish suddenly stopped growing because of a toxic sample of Liquid paraffin. Lack of financial support was the cause of the project being abandoned for nearly two years. It was only with great effort that Jean could convince Edwards to begin his research again. (He had abandoned the attempt and was trying to be elected as an MP for Cambridge.) It was a matter of chance that Lesley Brown, a working class woman from a deprived area of Bristol, became the first woman in the world to have successful IVF treatment. Even then, the acceptance of the process was not instant. Religious groups objected. Even the medical fraternity was doubtful fearing abnormalities. Although in the end, the number of such events was fewer than in normal pregnancy!

Dr. Subhash Mukhopadhyay

The year 1978, separated by just 67 days, saw the birth of two miracle babies, Louise Brown and Durga (Kanupriya Agarwal). Both were the first babies produced using in vitro fertilisation (IVF), commonly known as 'test tube babies.' Though the description of similar methods has been in ancient Indian textbooks, the birth of both the babies was a break-through in the modern medical sciences, that has become a boon for infertile couples globally.

Two great doctors working independently at the same time, 8,000 kilometers apart, achieved this feat. Prof. Robert G Edwards, as mentioned earlier, was the doctor behind the birth of Louise Brown. He became famous for his path-breaking work and was awarded the *Nobel Prize in Medicine* in 2010. (By that time, Jean had passed away due to cancer at the age of forty and Dr. Steptoe was quite old and did not survive long.) To overcome barrenness, Prof. Robert G Edwards, Jean Purdy and Dr. Patrick Steptoe at Cambridge, started working on harvesting eggs and sperm, fertilising them outside the human body and then transferring the zygote back to the uterus. At the same time, Prof. Subhash Mukhopadhyay, who was a Professor of Physiology at Bankura Sammilani Medical College, formed a team with Prof. Sunit Mukherjee, a Professor of Food Technology and Biochemical Engineering at Jadavpur University, and Dr. Saroj Kranti Bhattacharya, Associate Professor of Gynecology and Obstetrics at Calcutta Medical College to develop a method for successful in vitro (Latin word meaning 'in glass') fertilisation. The methodology of the two research teams differed, but in the end, both achieved the same result.

The harvesting process by minimally invasive trans-vaginal approach for aspirating oocytes (eggs from the ovary) and cryopreservation (freezing) of embryos were the three major ingredients of IVF developed by Prof. Mukhopadhyay. They are currently the standard practice used by IVF clinics across the globe.

The path-breaking work of Prof. Subhash Mukhopadhyay, resulting in the birth of the first Indian IVF baby, was derided by the Indian medical fraternity. At a meeting organised by the Indian Medical Association (IMA) and the Bengal Obstetrics and Gynaecological Society (BOGS) at Chittaranjan Cancer Institute, he presented pictures of in vitro embryos, but the people were credulous, unimpressed and scoffed at him.

The prejudice was so strong that the Director Health Services, West Bengal, barred him from presenting his work at any conference and refused permission to apply for a passport to attend international conferences to which Subhash was invited. The Left Front government in West Bengal set up a four-member inquiry committee, under the chairmanship of Dr. Mrinal K Dasgupta, a Radio-Astronomer, in which neither he nor other members had the required expertise to evaluate the work. It was probably an intentional effort to denigrate the research!

The committee not only doubted every aspect of his work, but also put up ridiculous farrago of infuriating stupid questions to humiliate him. He said to the committee, "It is fine. Don't believe me, I will do it again. That is how science works." Fearing the same behaviour, the parents of Durga refused to participate in the inquiry or undergo any medical checkup. The committee, in its four-page report concluded the work to be bogus and unfeasible.

Dr. Mukhopadhyay suffered a heart attack due to stress in 1980. Facing ignominy, he committed suicide by hanging on 19 June, 1981. In his suicide note, he wrote, "I can't wait every day for a heart attack to kill me." A brilliant scientist, who could have contributed immensely to the field of Reproductive Biology with his cutting-edge research and brought laurels to India, left the world, dejected and unrecognised.

Although his wife, Namita Mukhopadhyay, and colleague, Prof. Sunit Mukherjee continued their relentless efforts to get him due recognition, he and his work slowly faded into oblivion.

It was only in 2002 that the ICMR recognised Prof. Subhash Mukhopadhyay as the pioneer of IVF in India, and later started an award in his memory in 2012. At an event organised in memory of Prof. Mukhopadhyay in 2003, Durga also came forward and narrated the story behind her birth. In 2007, Prof. Mukhopadhyay was included in the Dictionary of Medical Biography, UK. After Ronald Ross and U.N. Brahmachari, he became the third scientist from Kolkata to be included in the list. The Department of Reproductive Physiology at Nil Ratan Sircar Medical College, Kolkata was later renamed after him. Dr. Subhash Mukherjee Memorial Reproductive Biology Research Centre at Behala, Calcutta was established in 1985 by the Jadavpur University, Indian Cryogenics Council at Behala and a Brahmachari Hospital. In 2018, his life-sized statue was unveiled at his birthplace, Hazaribagh.

As of today, an unprecedented number of more than twenty million babies are born by IVF, world over. The experience with IVF proves that medical research has immense pitfalls. It is not just the arduous research, but also approbation of society that has to be faced. There are other instances of such distressful treatment to great researchers. Here are a few examples of medical research that faced initial criticism but ultimately proved successful.

Vaccines: Edward Jenner's smallpox vaccine in the late 1700s was met with skepticism and fear. Many believed that it was unsafe and unnatural. However, over time, the effectiveness of vaccines in preventing deadly diseases became evident, leading to their widespread acceptance. Today, it has been able to wipe the disease from the face of this world.

Antiseptic handwashing: Ignaz Semmelweis, a Hungarian doctor in the 19th century, advocated for handwashing to prevent the spread of pregnancy and delivery infection in hospitals. His colleagues ridiculed him, but his practice significantly reduced mortality rates, eventually leading to the acceptance of antiseptic techniques. They even tried incarcerating him in a mental asylum. He died a disappointed man.

Penicillin: When Alexander Fleming discovered Penicillin in 1928, it was initially dismissed as too unstable for practical use. However, further research and development led to the creation of stable Penicillin, revolutionising treatment of bacterial infections.

Organ transplantation: Early organ transplants were met with skepticism and ethical concerns. However, advancements in surgical techniques and immunosuppressive drugs made organ transplantation a life-saving procedure for many.

Gene therapy: Gene therapy, which involves modifying genes to treat diseases, was once considered a futuristic concept. While still in its early stages, gene therapy has shown promising results in treating certain genetic disorders, offering hope for patients with previously incurable conditions.

These examples highlight the importance of perseverance and open-mindedness in scientific research. Even when faced with criticism, groundbreaking ideas can ultimately transform medicine and improve human health. Relentless efforts, despite all pitfalls, is the true path in research.

rajeshsharma1049@gmail.com

Now honoured by a statue.

India's first test test-tube baby. Kanupriya Agarwal.

Louise Brown, World's First IVF Baby.

He created history when working with Sunit Mukherji, a cryo biologist, and gynecologist Dr. Saroj Kanti Bhattacharya.

#PARENTING

When Should Kids Get First Mobile

When deciding to give child a mobile phone, parents typically weigh many factors.

A new study finds no meaningful association between the age at which children receive their first phones and their well-being, as measured by grades, sleep habits, and depression symptoms.

The study is unusual because it followed a group of more than 250 children for five years, during which most of them acquired their first cell phones. Instead of comparing phone-using kids with those who don't have phones at a single point in time, the scientists tracked the participants' well-being as they transitioned to phone ownership.

"We found that whether or not the children in the study had a mobile phone, and when they had their first mobile phone, did not seem to have meaningful links to their well-being and adjustment outcomes," says lead author, Xiaoran Sun, who was a postdoctoral scholar at Stanford Medicine and Stanford Data Science when the study was conducted.

For parents wondering when to get their child a phone, she says, "There doesn't seem to be a golden rule about waiting until grade or a certain age."

Early (Or Late) Acquisition

For the study, published in *Child Development*, the researchers followed a group of low-income Latino children in Northern California as part of a larger project aimed to prevent childhood obesity. Little prior research has focused on technology acquisition in non-white or low-income populations, as the researchers say.

The average age at which children received their first phones was 11.6 years old, with phone acquisition climbing steeply between 10.7 and 12.5 years of age. According to the researchers, the results may suggest that each family timed the decision to what they thought was best for their child.

"One possible explanation for these results is that parents are doing a good job matching their decisions to give their kids phones to their child's and family's needs," says senior author, Thomas Robinson, a professor of Child Health, of Paediatrics, and of Medicine. "These results should be seen as empowering parents to do what they think is right for their family." Early phone acquisition was not linked to problems, he notes, but neither was late phone acquisition, and "if parents want to delay, we didn't see negative effects of that, either."

What Age Is Best?

When deciding to give a child a mobile phone, parents typically weigh many factors, such as whether the child needs a phone to let parents know their whereabouts, access the internet or maintain social connections, how much the phone may distract the child from sleep, homework, or other activities, and whether the child is mature enough to handle risks such as exposure to social media, cyber bullying, or violent online content. Prior research about the effects of children's mobile phone ownership had mixed results, with some studies suggesting that phones impair sleep or grades and others showing no effect. Previous studies were limited because most of them collected data at only one or two time points.

In the new study, children were 7 to 11 years old when the study began, and 11 to 15 by the conclusion of the research. Each child and one of their parents participated in assessments at baseline and annually afterward, for a total of five assessments per participant.

At each assessment, the researchers asked parents whether their child owned a mobile phone and whether it was a smartphone. The midpoint in time between the last visit when the child did not own a phone and the first visit when he or she did own a phone was computed as the acquisition age.

At each visit, children completed a standardized questionnaire to assess symptoms of depression. Parents reported the child's most recent school grades and the child's typical bedtime and waking time for school and non-school nights. They also answered a questionnaire about their child's sleepiness during the day.

After each visit, children wore accelerometers on their right hip for a week, and the data was used as an objective measure of sleep onset and sleep duration each night.

The researchers controlled the analysis for several possible confounding factors.

About 25% of children received phones by age 10.7, and 75% by age 12.6. Nearly all children had phones by age 15 years. Among children who owned phones, 99% had smartphones by the end of the study. The timing of children's phone acquisition was similar to what has been recorded in cross-sectional US samples.

THE WALL

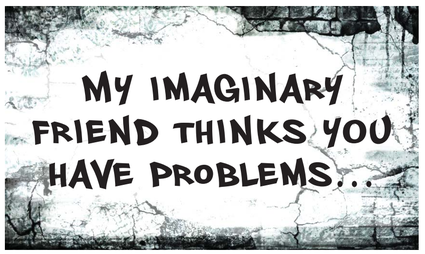

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

सीएम भजनलाल शर्मा के जन्मदिवस पर 1450 लोगों ने रक्तदान किया

भरतपुर, (निसं)। राज्य सरकार के एक वर्ष कार्यकाल पूर्ण होने एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्म दिवस के अवसर पर रविवार को जिला प्रशासन द्वारा जिले में विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में सामाजिक संस्थाओं, अधिकारियों, कर्मचारियों, युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लेते हुये रक्तदान किया।

जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने यूआईटी ऑडिटोरियम में आयोजित रक्तदान शिविर का अवलोकन कर रक्तदान करने वालों की हौसला अफजाई की, साथ ही अन्य लोगों को रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महादान है जिससे आप किसी जरूरतमंद की सहायता कर उनकी जान बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ युवा को तीन से चार महीनों में रक्तदान करते रहना चाहिए, इससे किसी जरूरतमंद को तो सहायता मिलती है, साथ ही रक्तदान करने वाला भी स्वस्थ रहता है व विभिन्न बीमारियां दूर रहती है। युवाओं को भ्रान्तियों से दूर रहते हुये समय समय पर रक्तदान करना चाहिए। आईएएस ऋषभ मण्डल, आईएएस राहुल श्रीवास्तव ने भी रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया।

सरकार की वर्षगांठ एवं मुख्यमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ।

भरतपुर में 938 एवं डीग में 512 यूनिट रक्तदान :-मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौरव कपूर ने बताया कि भरतपुर एवं डीग जिले में 12 जगह स्वेच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें 1450 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ। उन्होंने बताया कि यूआईटी ऑडिटोरियम शिविर में 246, नगर निगम में 131, सीएचसी बयाना 251, एसडीएच नदबई 56, सीएचसी रूपवास 91, सीएचसी भुसावर 81, एसडीएच वैर 41, सीएचसी उच्चौन 41, सीएचसी कामां 60, एसडीएच नगर 241, सीएचसी पूंछरी 170 एवं ग्राम पंचायत अटारी के अटल सेवा केन्द्र में 35 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ।

नगर निगम आयुक्त श्रवण कुमार बिश्नोई ने बताया कि नगर निगम में लगाये गये कैम्प में शहरवासियों व युवाओं ने रक्तदान की महता समझते हुए बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। पीएमओ नगेन्द्र भदौरिया ने बताया कि शिविर में रक्तदान करने वालों को बिस्किट पैकिट, फ्रूटी एवं दूध का वितरण किया गया। साथ ही उनके आराम करने के लिए बिस्तर आदि की व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि रक्तदाताओं को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की तरफ से प्रमाण पत्र प्रदान किए साथ ही रक्तदाताओं ने शिविर में सेल्फी पॉइंट पर फोटो खिंचवाये। शिविर के दौरान आरएसी, एनसीसी, स्काउट, भजन फाउण्डेशन, जिला क्रिकेट संघ, हरिदत्त डिग्री कॉलेज विद्यार्थी, अल्प संख्यक समाज के महिला-पुरूष सहित बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों एवं स्वतंत्र रूप से नागरिकों ने रक्तदान किया। ,

शिविर में शैलेश कौशिक, बृजेश अग्रवाल, जगत गुर्जर, लखन पहलवान, वीरेन्द्र पचौरी, दीपू पंडित, गिरधारी गुप्ता, चन्द्रवीर जघीना, विरेन्द्र गुर्जर, आकाश, अभयवीर सोलंकी, सत्येन्द्र गोयल ने रक्तदान कर अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर यूआईटी सचिव ऋषभ मण्डल, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा, अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

ट्रेलर में पीछे से दूसरा ट्रेलर टकराया, चालक की मौत

दोनों ट्रेलर के टकराने पर हाइवे पुलिस और परिवहन टीम में भगदड़ मच गई

नदबई, (निसं)। हलैना-जयपुर नेशनल हाइवे स्थित नदबई उपखण्ड क्षेत्र के गांव हंतरा-डहरा मोड़ के मध्य एक होटल के पास वाहनों की चैकिंग कर रहे हाइवे पुलिस और परिवहन टीम की लापरवाही के कारण जयपुर से भरतपुर की ओर जा रहे एक ट्रेलर में पीछे से दूसरा ट्रेलर टकरा गया।

- गांव हंतरा-डहरा मोड़ के मध्य वाहनों की चैकिंग कर रही थी हाइवे पुलिस व परिवहन टीम

हादसे में पिछले ट्रेलर के चालक की मौत हो गई। दोनों ट्रेलर के टकराने पर हाइवे पुलिस और परिवहन टीम में भगदड़ मच गई, जो हादसे में मृतक चालक और क्षतिग्रस्त वाहनों को नजर अंदाज कर हाइवे को एक तरफा अवरूद्ध होने के बाद भी हादसा स्थल से भाग निकले। सूचना पर डहरा मोड़ पुलिस चौकी प्रभारी मुकेश कुमार मय जाप्ता के आए और ट्रेलर में फंसे चालक के शव को निकाला तथा क्षतिग्रस्त वाहनों को फोरलेन से हटवाकर यातायात चालू कराया। वाहन चालक व राहगीरों ने नेशनल हाइवे पर यात्री, चालक व वाहनों की सुरक्षा के नाम पर सुविधा शुल्क वसूलने और हादसे स्थल से मदद न कर भाग जाने पर हाइवे पुलिस एवं परिवहन टीम के प्रति नाराजी प्रकट की।

डहरा मोड़ पुलिस चौकी प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि जयपुर नेशनल हाइवे-21 स्थित लखनपुर थाना क्षेत्र के गांव हंतरा-डहरा मोड़ के मध्य अंजली होटल के निकट दो ट्रेलर के टकराने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के बाद मय जाप्ता के घटना स्थल पहुंचे, जहां पिछले ट्रेलर में उसका चालक फंसा हुआ था और ट्रेलर की केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त थी। ट्रेलर से चालक के शव को निकाला गया और उसे कस्बा नदबई के उप जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने चालक को मृत घोषित कर दिया।

मृतक की सायं छह बजे तक शिनाख्त नहीं हुई। उसके ट्रेलर पर अजमेर जिले के नम्बर इन्द्राज है। इससे पता चलता है कि मृतक अजमेर जिले का निवासी हो सकता है। मृतक चालक के ट्रेलर में सोयाबीन भरी हुई थी। आगे चल रहे ट्रेलर का चालक भी भाग गया, लेकिन उसका ट्रेलर भी क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस के हादसे स्थल पर पहुंचने पर वहां पर मौजूद लोगों के बताया कि ये हादसा हाइवे पुलिस या परिवहन टीम के कारण हुआ है, जो वाहनों की चौकिंग कर रहे थे। आगे वाला ट्रेलर उन्होंने रोका तो पिछले वाला ट्रेलर उससे टकरा गया। उन्होंने बताया कि ये हम नहीं कह सकते कि हादस कैसे हुआ, जो जांच का विषय है।

धमाके की आवाज सुन भाग निकले :- जयपुर नेशनल हाइवे पर गांव हंतरा और डहरा मोड़ के मध्य हाइवे पुलिस एवं परिवहन टीम वाहनों की चौंकिग कर रहे थे। जिससे फोरलेन पर वाहनों की कतार लग जाती है। कई वाहन चालक व यात्रियों ने इसका विरोध भी जताया, लेकिन उनका कहना था कि आज मुख्यमंत्री का डीग-भरतपुर जिले के पूंछरी का लोठा आगमन है। इस लिए वाहनों की चैकिंग जारी है। इस दौरान जैसे ही दो ट्रेलर टकराए और उनके टकराने से हुई आवाज को सुनकर हाइवे पुलिस एवं परिवहन टीम के होश उड़ गए और भाग निकले, जो क्षेत्र के लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

पोष पूर्णिमा पर डिग्गी में उमड़ा आस्था का सैलाब

डिग्गी में दर्शनों के लिए पहुंचे कल्याण भक्तों की मंदिर के बाहर लगी लंबी कतारें।

मालपुरा, (निसं)। रविवार को पोष पूर्णिमा पर कल्याणजी के दर्शनों के लिए डिग्गी में आस्था का सैलाब उमड़ा। प्रात: काल मंगला आरती के समय से ही कल्याण भक्तों का डिग्गी पहुंचने का क्रम शुरू हुआ जो की धीरे-धीरे परवान चढ़ता गया। प्रदेशभर से डिग्गी पहुंचे करीब 50 हजार से अधिक कल्याण भक्तों ने लंबी कतारों में लगकर दो घंटे के इंतजार के बाद मंदिर पहुंच कल्याण जी महाराज की मनमोहक झांकी के दर्शन कर अपनी हाजिरी लगाई।

- दो घंटे तक कतारों में लगकर करीब 50 हजार भक्तों ने कल्याण धणी के दर्शन किये

सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस जाप्ता तैनात रहा। भारी भीड़ में शामिल शरारती तत्वों एवं जेब कतरों पर सीसीटीवी कैमरा से निगरानी की गई। कोडी भवन से मंदिर तक लंबी कतारों में लगे कल्याण भक्त जय श्री कल्याण के जयकारे लगाते मंदिर की ओर बढ़ते रहे। लंबी कतारों में लग दो घंटे के लंबे इंतजार के बाद भक्तों को कल्याण जी महाराज के दर्शनों का सौभाग्य मिला। पुजारी परिवार की ओर से भी इस बार दर्शनों के लिए विशेष व्यवस्था की गई तो वहीं मनमोहक झांकी सजाई गई।

पूर्णिमा पर कल्याणजी महाराज के दर्शनों का विशेष महत्व होने के चलते रविवार को प्रदेश पर से बड़ी संख्या में कल्याण भक्त डिग्गी पहुंचे। कल्याण धणी के जयकारों से धर्म नगरी डिग्गी गूंज उठी। यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस व प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा हालांकि मंदिर में दर्शनों के पश्चात कल्याण भक्तों की निकासी के लिए बनाए गए मार्ग में रैंप पर इस बार मंदिर ट्रस्ट की ओर से ग्रीन मेटिंग की बिछायत नहीं करने से कई कल्याण भक्त परेशान रहे। मंदिर में लाखों की संख्या में चढ़ावा राशि आने के बावजूद मंदिर ट्रस्ट द्वारा कल्याण भक्तों की सुविधा के लिए बरती जा रही कोताही को लेकर कल्याण भक्तों में खासी नाराजगी देखी गई।

हजारों की संख्या में कल्याण भक्तों ने राज्य सरकार से तीर्थ स्थल डिग्गी को पर्यटन का रूप देने के लिए तथा कल्याण भक्तों की सुविधा के लिए धोली दरवाजे से मंदिर तक बाजार चौड़ा करवाने तथा महिला एवं पुरुष भक्तों की अलग-अलग दर्शनों की व्यवस्था के लिए रेलिंग लगवाने के साथ-साथ कनक दंडवत करने वाले भक्तों के लिए अलग से मार्ग बनाने की मांग की है।

राज्यपाल ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली

जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने प्रगति को देखा

राजसमंद, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने रविवार को जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ विधायक दीप्ति माहेश्वरी और जिला प्रमुख रतनीदेवी जाट मौजूद रहे।

राज्यपाल की बैठक में जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा ने सर्वप्रथम उनका स्वागत कर जिले का सामान्य परिचय प्रस्तुत किया। जल जीवन मिशन की समीक्षा करत हुए राज्यपाल ने अब तक हुई प्रगति को देखा। जिला कलेक्टर ने बताया कि जिले में 65 हजार 942 परिवारों को इस योजना में लाभान्वित किया जा चुका है जो लक्ष्य का 64.75 प्रतिशत है। इस पर राज्यपाल ने शेष कार्य भी समयबद्ध ढंग से पूर्ण करते हुए शत प्रतिशत लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत वृहद पेयजल योजनाओं का प्रस्तुतीकरण दिया। इसके बाद राज्यपाल ने केन्द्रीय सड़क निधि योजना के तहत जारी निर्माण कार्यों सहित अन्य कार्यों की समीक्षा कर शेष कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने अटल भूजल योजना के तहत स्वीकृत विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की पर्याप्त पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना में जिले के विभिन्न इलाकों में जारी निर्माण कार्यों की समीक्षा की। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजनाओं पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने जननी सुरक्षा योजना, आयुष्मान भारत/ प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा की। सहकारिता के उप रजिस्ट्रार ने बताया कि जिले में 1 लाख 97 हजार 88० किसानों को अब तक 422.64 करोड़ रुपए की सहायता दी जा चुकी है। इसके साथ ही राज्यपाल ने अन्न भंडारण योजना, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र आदि को लेकर भी विस्तार से जानकारी ली। जिला कलक्टर ने राज्यपाल को महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर को लेकर जानकारी दी। बैठक का शुभारंभ एवं समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने जनजाति बालिका छात्रावास पलेवा मगरी का निरीक्षण किया। यहाँ राज्यपाल ने विभिन्न कक्षों में जाकर व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने स्मार्ट क्लास

- राज्यपाल ने शेष कार्य भी समयबद्ध ढंग से पूर्ण करते हुए लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए

सहित विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया। बालिकाओं से संवाद करते हुए राज्यपाल ने विभिन्न विषयों पर बात की। राज्यपाल को अपने बीच पाकर छात्राएं भी उत्साहित दिखी। निरीक्षण के दौरान छात्रावास की समस्त सामान्य व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

वहीं राज्यपाल बागडे ने नाथद्वारा में प्रभु श्रीनाथजी के सांयकालीन भोग आरती के दर्शन किए। मंदिर मण्डल अधिकारी सुधाकर शास्त्री ने समाधान पद्धति से राज्यपाल का स्वागत किया। वहीं राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने रविवार को पीपलांत्री में पद्मश्री श्यामसुंदर पालीवाल एवं सरपंच अनिता पालीवाल के नेतृत्व में किए गए पर्यावरण संरक्षण के कार्यों का अवलोकन किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। राज्यपाल ने यहां अटल भूजल योजना के तहत स्वीकृत विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। साथ ही बेटी, पानी, पेड, गोंछ भूमि और वन्यजीवों को संरक्षण प्रदान करते हुए ग्रामीण पर्यटन के विकास को बढ़ावा देने के समस्त प्रयासों को सराहा।

नौकरानी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। गुल्लक से नकदी चोरी करने के मामले में मकान में काम करने वाली नौकरानी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 13 दिसंबर चिराग चौधरी पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। उसने बताया कि मेरे घर में एक मिट्टी का गुल्लक रखा हुआ था। उसमें प्रतिदिन में अपने दुकान से कलेक्शन से पैसे बचाकर दो हजार रूपये प्रतिदिन गुल्लक मे डालता था। सांय दुकान से घर लौट कर कमरे में आया तो गुल्लक एवं मेरा पर्स नहीं था। गुल्लक में करीब सात लाख रूपये अज्ञात चोर चुरा ले गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर कामल सालवी पत्नी नरेन्द्र सालवी को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से चोरी किए गए सात लाख रूपये बरामद किये।

प्रस्तावित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

हिंडौन सिटी, (निसं)। मंडावरा कैलाश नगर गांव की सीमा पर प्रस्तावित हुए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए रविवार को प्रदर्शन किया। इसी के साथ लपावली मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन करने लगे। जाम की सूचना पर नई मंडी थाना प्रभारी रामकिशन यादव जाब्ते के साथ मौक़े पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों की मांग को लेकर तहसीलदार से बात कराई। प्रशासन द्वारा आश्वासन मिलने पर ग्रामीणों ने जाम हटाया।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन के खिलाफ भी नाराजगी जताई। कैलाश नगर में एसटीपी प्लांट की योजना प्रस्तावित है। प्लांट संचालन होने पर ग्रामीणों को काफी परेशानी होगी। ग्रामीण ओमवीर सिंह ने बताया कि एसटीपी प्लांट को अन्यत्र स्थापित किया जाए। उन्होंने बताया कि उक्त क्षेत्र में शहर से काफी लोग मॉर्निंग वॉक के लिए पहुंचते हैं। एसटीपी प्लांट बनने के बाद क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव होगा, जिसे लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। लोगों ने एसडीएम के नाम एक ज्ञापन नई मंडी थाना प्रभारी को दिया। ग्रामीणों की तहसीलदार से हुई वार्ता के बाद ग्रामीण सहमत हुए।

सीएम के जन्मदिन पर 200 यूनिट रक्तदान

जयपुर (कासं)। भाजपा सरकार के एक साल पूर्ण होने और मुख्यमंत्री भजनलाल के जन्मदिन के अवसर पर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में ब्लड डोनेशन कैंप आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड और पूर्व सांसद रामचरण बोहरा रहे। रक्तदान शिविर में शाम 3 बजे तक कुल 200 यूनिट से अधिक रक्त संग्रह किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाया और कहा कि कई छात्रों ने पहली बार रक्तदान किया और इस अनुभव को लेकर उत्साहित नजर आ रहे है।

सर्वजातिय सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित

भरतपुर, (निसं)। श्री बांके बिहारी सेवा समिति द्वारा तेरहवां सर्वजातिय ग्यारह बेटियों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया। जिसमें भरतपुर के अलावा राजस्थान व उत्तरप्रदेश से भी जोड़े तैयार होकर आए। सर्वप्रथम लक्ष्मण मंदिर से सामूहिक बारात बैण्ड बाजों के साथ निकाली गई। इसके पश्चात् वर माला का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथिगणों का समिति के संस्थापक अध्यक्ष जयप्रकाश गोयनका ने स्वागत किया व समिति द्वारा आयोजित अन्य कार्यक्रमों के बारे में प्रकाश डाला तथा सभी अतिथियों का माला, पटका व भगवान रामलला की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। उसके पश्चात फेरों का कार्यक्रम हुआ तथा कार्यक्रम के अन्त में सभी वर-वधुओं को समिति के सभी सदस्यों व महिला मण्डल ने पैर छूकर व भाव विभोर होकर विदा किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अतिथि व दानदाता कृष्ण कुमार अग्रवाल, रामकुमार गुप्ता, योगेश बागपतिया, योगेश अग्रवाल, नृपेश अग्रवाल, अलका बंसल, भगवान दास अग्रवाल आगरा, सुनील मित्तल, देवेन्द्र चामड़, नीरज गोयल, के.के. सिंघल सी.ए, विशाल तिवारी, प्रमोद अग्रवाल, डॉ. मनोज सिंह, अनिल लोहिया, सतीश मित्तल, संजीव गुप्ता, डॉ. के.एम. बंसल, योगेश जैन, अंजना जैन आदि उपस्थित थे, जिन्होंने सभी वर-वधुओं को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के अन्त में समिति अध्यक्ष श्यामा गोयनका ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन समिति के उपाध्यक्ष व प्रवक्ता हरिगोविन्द मिश्रा ने किया।

श्री बांके बिहारी सेवा समिति द्वारा विवाह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

स्मैक सहित दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में नशे के विरोध अभियान के तहत थाना कोतवाली क्षेत्र में थाना पुलिस एवं डीएसटी की संयुक्त कार्रवाई में दो युवकों को स्मैक सहित गिरफ्तार किया। साथ ही प्रयोग में ली गई मोटरसाइकिल को भी जप्त किया है।

कोतवाली थाना अधिकारी भवरलाल वैष्णव ने बताया कि नशे के खिलाफ कार्रवाई में थाना पुलिस एवं डीएसटी ने बीते दिन कोतवाली थाना क्षेत्र के बस स्टेण्ड रोड कृषि मण्डी के पास से दो आरोपियों को नौ ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार किया। कार्रवाई में आरोपी अजीम पुत्र मोहम्मद अतीक निवासी अरब साहब का बाग रजबन एवं मोहम्मद जफर पुत्र नाहिद निवासी बछेरों का घेर काली पलटन टोक को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी हैं।

पुलिस एवं डीएसटी टीम ने दो युवकों को स्मैक सहित गिरफ्तार किया।

उदयपुर में बिकने आई पश्मीना की ढाई लाख रूपए की शॉल

शॉल की विशेषता यह है कि इस पर राजा के दरबार का चित्रण किया गया है

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के टाउनहॉल में इन दिनों पश्मीना की ढाई लाख रूपए की शॉल चर्चा का विषय बनी हुई है। इस शॉल को तैयार करने में 10 से 12 माह का समय लगा। शॉल की विशेषता यह है कि इस पर राजा के दरबार का चित्रण किया गया है।

कश्मीर से आए दानिश व आमिर ने बताया कि अमूमन पश्मीना की शॉल 15 हजार से 50 हजार रूपए कीमत की रहती है लेकिन यह शॉल जो एंटीक शॉल के रूप में बनाई जाती है जिस पर बड़ी बारीकी से काम किया जाता है। आमिर ने बताया कि शॉल पर पहले कलमकारी से चित्रण का काम किया जाता है। आज के युवा इस बारीकी से इस काम को नहीं कर सकते हैं ऐसे में यह शॉल बुजुर्ग व तजुर्बा रखने वाले लोग ही बना सकते हैं। उनके पास मौजूद इस शॉल की कीमत ढाई लाख रूपए है जिस पर राजा का दरबार की पूरी कहानी को दर्शाया गया है, जिसमें राजा, दरबार, दरबारी, महल में मौजूद कई प्रकार के जानवरों को चित्र के माध्यम से बताया गया है। अमूमन शॉल दो गज की होती है लेकिन यह शॉल ढाई गज की बनी हुई है। इसे अर्ब्दुरशीद जो 55 साल हैं उन्होंने अपने बेटे की मदद से बनाई है।

उदयपुर में इन दिनों पश्मीना शॉल चर्चा का विषय बनी हुई है।

- यह शॉल ढाई गज की बनी हुई है, इसे अर्ब्दुरशीद जो 55 साल है, उन्होंने अपने बेटे की मदद से बनाई है
- पश्मीना कश्मीर में पाई जाने वाली एक विशेष बकरी से प्राप्त होता है, जिसका धागा इंसानी बाल से छह गुना पतला होता है
- इसे बनाने के दौरान इस पर बहुत बारीक काम होने से कई बार आंखों की रोशनी भी कम हो जाती है

इसे बनाने के दौरान इस पर बहुत बारीक काम होने से कई बार आंखों की रोशनी भी कम हो जाती है। आमिर ने बताया कि वे नेशनल सिल्क एक्स्पो जो दिल्ली, मुंबई, चैन्नई, गुड़गांव आदि स्थानों पर लगता है वहां हिस्सा लेते हैं, जहां हाई प्रोफाइल व एनआरआई लोग जो पश्मीना व उसकी कलाकारी को समझते हैं, खरीदते हैं। छोटे शहरों में केवल पश्मीना पर किए गए काम व कला को प्रदर्शित करने व लोगों को बताने के लिए वे इसे यहां लेकर आते हैं। पश्मीना कश्मीर में पाई जाने वाली एक विशेष बकरी से प्राप्त होता है जिसका धागा इंसानी बाल से छह गुना पतला होता है। पश्मीना इतना महंगा इसलिए होता है क्योंकि इसे तैयार करने के लिए कंघी, कताई, बुनाई, रंगाई व कढ़ाई जैसे कई चरण होते हैं वहीं पश्मीना से बनी शॉल व चादर 40 से 45 साल तक चलती है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने देसूरी की नाल का निरीक्षण किया

उपमुख्यमंत्री ने यहां स्थित खतरनाक मोड़ों, तीव्र ढलानों और संकरी सड़कों को देखकर संबंधित विभागों को तत्काल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

राजसमंद/पाली, (नि.सं.)। पाली और राजसमंद (मारवाड़ और मेवाड़) को जोड़ने वाली देसूरी की नाल पर पर हो रहे सड़क हादसों के चलते उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को घाट क्षेत्र का गहन निरीक्षण किया। उपमुख्यमंत्री ने यहां स्थित खतरनाक मोडों, तीव्र ढलानों और संकरी सड़कों को देखकर संबंधित विभागों (आरएसआरडीसी, पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई) को तत्काल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

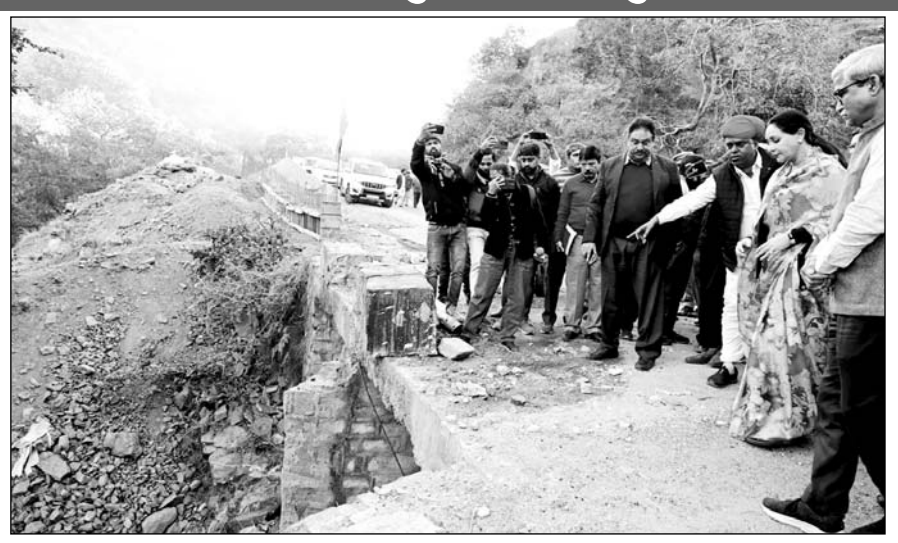

राजसमंद में देसूरी की नाल में ब्लेक स्पॉट का उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निरीक्षण किया।

- अधिकारियों को सड़क के चौड़ाईकरण, क्रॉस बैरियर, रंबल स्ट्रिप लगाने और एलिवेटेड रोड की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनवाने के निर्देश

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर देसूरी की नाल में मौके पर जगह को देखा और विभिन्न एक्सीडेंट स्पॉट्स का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इसका स्थायी समाधान का प्रयास करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से इस बारे में चर्चा की। इस अवसर पर दिया कुमारी कहा कि यहां देसूरी की नाल में बहुत एक्सीडेंट होते हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि मानव जीवन जो अमूल्य है उसकी क्षति को रोका जाए और मानव जीवन को बचाया जाये। उन्होंने दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयास के लिए कहा। साथ ही उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर, राजसमंद, पाली से अधिकारी आये हुए हैं, जो इसके समाधान के बारे मे उपाय खोज कर कार्य कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यहां ऐसे दो चार स्पॉट्स है वहां पर रोक के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि आगे ऐसा न हो। उन्होंने बताया कि यहां वॉल भी बनाएंगे और रोड को भी चौड़ा करेंगे। उन्होंने कहा कि इसे आरसारडीसी जल्द से जल्द हैंडओवर करेगी। साथ ही कहा कि इसमें समय सीमा निर्धारण कर कार्य करें जिससे कि कम से कम ये रोड सेफ तो हो जाये। उन्होंने बताया कि इसके लिए 1 महीने का समय दिया है और वे स्वयं इसे जयपुर से भी फॉलोअप करेंगी। उन्होंने कहा कि यहां बहुत से इश्यू है जिनमें फारेस्ट, एनएच आदि तो इसके लिए केंद्र और राज्य मिलकर कार्य करेंगे, ताकि इसका स्थायी हल निकाला जाए। इस अवसर पर अधिकारियों को सड़क के चौड़ाईकरण, क्रॉस बैरियर, रंबल स्ट्रिप लगाने और एलिवेटेड रोड की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनवाने के निर्देश दिए। इन सुधारात्मक उपायों से इस मार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम संभव हो सकेगी और यात्रियों को यात्रा में सुरक्षा मिल सकेगी। इस अवसर पर कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़, पाली जिला कलेक्टर एलएन मंत्री, पाली एसपी चूनाराम जाट सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान जयपुर, उदयपुर, राजसमंद और पाली से इन विभागों के अधिकारी जैसे राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम (आरएसआरडीसी) के प्रबंध निदेशक सुनील जयसिंह, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सचिव डीआर मेघवाल, एनएच (पीडब्ल्यूडी) के मुख्य अभियंता सतीश चंद्र अग्रवाल, पीडब्ल्यूडी अतिरिक्त मुख्य अभियंता अशोक कुमार शर्मा, राजसमंद पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता मगनीराम रैगर आदि मौजूद रहे।

उदयपुर सर्दी का "टॉर्चर" बरकरार, पारा चार डिग्री रिकॉर्ड

दिन के तापमान में दो डिग्री से अधिक तो रात के तापमान में आधा डिग्री का इजाफा

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में रविवार को बर्फीली हवाएं कुछ थमी से दिखाई दी, हालांकि सर्दी का 'टॉर्चर' बरकरार है और न्यूनतम तापमान अब भी पांच डिग्री से नीचे ही है। सीटीएई कैम्पस के मैदानी इलाकों में तो तापमान माइनस 0.5 रिकॉर्ड किया गया। वहीं शहर का तापमान चार डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

उदयपुर शहर में बर्फीली हवाएं जिसने ठंड को चमका रखा था आज उसका असर कम देखा गया और दिन चढ़ने के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी होती गई। हालांकि न्यूनतम तापमान अब भी पांच डिग्री से नीचे ही है। मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार उदयपुर शहर का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री व न्यूनतम तापमान 4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। दिन के तापमान में दो डिग्री से अधिक तो रात के तापमान में आधा डिग्री का इजाफा हुआ है। शनिवार को यह तापमान क्रमशः 23 डिगी व 3.4 रिकॉर्ड किया गया। इधर, लगातार ठंड ने मैदानी इलाकों को अत्यधिक ठंडा कर दिया है और वहां सामान्य तापमान से दो से तीन डिग्री कम रिकॉर्ड किया गया। सीटीएई कैम्पस में स्थित मैदानी इलाकों की फसलों पर दो दिन से तापमान माइनस में रिकॉर्ड किया जा रहा है।

रविवार को यह तापमान (-0.5) डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सर्दी बढ़ने व छुट्टी का दिन होने से शहर के बाजारों में ऊनी वस्त्रों की खरीददारी ने भी जोर पकड़ लिया। कई जगह ऊनी वस्त्रों की दुकानों पर लोग जैकेट, स्वेटर व शॉल खरीदते दिखाई दिए। वहीं लगातार सर्दी से प्रभावित जनजीवन ने दिनचर्या को बदल दिया और हीटर व अलावा के सहारे लोग सर्दी से निजात की जुगत में लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार जब-जब हवाएं जोर पकड़ेगी सर्दी बढ़ेगी। ऐसे में सर्द हवाएं कम होने से दो-तीन दिन तापमान में हल्की बढ़ोतरी के साथ सर्दी से हल्की राहत मिल सकती है।

उदयपुर में तेज सर्दी से फसलों पर जमी बर्फ की परत।

कार से तैतीस लाख पचास हजार रुपये जब्त

बोलेरो गाड़ी में सवार तीन व्यक्तियों से बरामद की गई राशि

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह आई.पी.एस. के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा व वृत्ताधिकारी राजेश कसाना के निकट सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी जवाजा ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए एक बोलेरो गाड़ी में सवार तीन व्यक्तियों से अवैध नगदी तैंतीस लाख पचास हजार रूपये बरामद किये हैं।

पुलिस ने नगद राशि सहित तीन जनों को गिरफ्तार किया।

- किसी प्रकार के दस्तावेज पेश नहीं कर पाये कार सवार

जानकारी के अनुसार शनिवार शाम को थानाधिकारी महादेव प्रसाद उप निरीक्षक को मुखबिर से सूचना मिली कि ब्यावर से भीम की तरफ एक बिना नंबरी सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी आ रही है, जिसमें अवैध नगद रुपये हो सकते हैं। जिस पर थानाधिकारी महादेव प्रसाद उनि. मय टीम द्वारा कलातखेड़ा तिराहे पर पहुंचकर नाकाबन्दी शुरु की गई। इसी दौरान एक सफेद रंग की बिना नंबरी बोलेरो गाड़ी आती दिखाई दी जिसको रुकवाया गया व उक्त गाड़ी में बैठे व्यक्ति लक्ष्मण सिंह पुत्र किशन सिंह रावत निवासी ग्राम बरार पुलिस थाना भीम जिला राजसमन्द व उम्मेद सिंह पुत्र जसवन्त सिंह रावत निवासी ग्राम मायला खेत बरार पुलिस थाना भीम जिला राजसमन्द के कब्जे में मिले बैग में रुपये भरे मिले। जिस पर तीनों व्यक्तियों से उक्त रुपयों के संबंध में वैध बिल या कागजात मांगे तो नहीं होना बताया।

जिस पर उक्त तीनों व्यक्तियों की उपस्थिति में बैग ने भरे नोटों को निकालकर मशीन से गिना तो तैंतीस लाख पचास हजार रुपये हुए। जिस पर उक्त तीनों द्वारा मौके पर उक्त रुपयों के संबंध कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं करने पर व संदिग्ध होने पर एवं उक्त रुपयों का संज्ञेय अपराध में प्रयुक्त होने की पूर्ण संभावना होने पर उक्त नगद रुपयों को जब्त किया गया। पुलिस टीम में महादेव प्रसाद उप निरीक्षक पुलिस थानाधिकारी पुलिस थाना जवाजा, जितेन्द्र सिंह हैड कानि., रणजीत सिंह हैड कानि. और कांस्टेबल भवानी सिंह, रिछपाल, राजुराम, सुरेन्द्र, नगेन्द्र सिंह, अशोक कुमार, रविन्द्र, मुकेश आदि थे।

सी.एम. के कार्यक्रम से लौट रहे वीडिओ की सड़क हादसे में मौत

बेकाबू कार साबरमती नदी से सटे सुलाव तालाब में गिरने से हादसा हुआ

उदयपुर, (कासं)। भजनलाल सरकार के एक साल पूरा होने के कार्यक्रम में ड्यूटी से लौट रहे ग्राम विकास अधिकारी (वीडियो) की कार बेकाबू होकर तालाब में गिर गई। हादसे में डूबने से वीडियो की मौत हो गई। तालाब में कार गिरने की आवाज सुनकर ग्रामीण पहुंचे।

- फूड पैकेट्स के वितरण में ग्राम विकास अधिकारी (वीडिओ) की ड्यूटी लगी थी

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार में वीडियो के साथ एक अन्य युवक भी था, जो फौरन निकलकर भाग गया। तालाब के किनारे कोई रेलिंग नहीं थी। मामला उदयपुर से 115 किमी दूर कोटड़ा के मांडवा थाना इलाके में शनिवार रात नौ बजे हुआ। थाना अधिकारी राजीव शर्मा ने बताया कि शनिवार रात 9:15 बजे महाड़ी सरपंच का कॉल आया। उन्होंने बताया कि गांव के पास साबरमती नदी से सटे सुलाव तालाब में एक कार गिर गई है। टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तब तक सरपंच और ग्रामीणों ने जेसीबी मंगवा कर कार को सीधा करवा दिया था। हादसे में सलूंबर जिले के सराड़ा क्षेत्र निवासी वीडीओ वालाराम मीणा (40) पुत्र नानजी मीणा की मौत हो गई।

थानाधिकारी ने बताया मौके पर मौजूद ग्रामीणों के अनुसार जब वे यहां पहुंचे तो कार पानी में उल्टी पड़ी थी। छत पानी में और टायर ऊपर की ओर थे। कार में एक अन्य युवक भी था, जो तैरकर बाहर निकला और भीड़ के बीच वहां से भाग गया। बताया जा रहा है कि वह वीडीओ के साथ राजीविका स्वयं सहायता समूह में काम करने वाला सदस्य था। हालांकि इस मामले में जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मौके पर डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ को बुलाया गया। आधे घंटे तक सीपीआर दी गई लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। वालाराम कोटड़ा पंचायत समिति की महाडी ग्राम पंचायत में वीडिया के पद पर कार्यरत थे।

कोटड़ा उपखंड अधिकारी हंसमुख कुमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार उदयपुर के गांधी ग्राउंड में शनिवार को सरकार के एक साल पूरे होने पर महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमें सीएम भजनलाल शर्मा भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम में लाभार्थियों को फूड पैकेट वितरण करने के लिए उदयपुर के अरबन स्क्वायर मॉल के पास फूड चेकपोस्ट बनाया था। इस फूड चेकपोस्ट पर वीडियो वालाराम की ड्यूटी लगाई थी। उनको जिम्मेदारी दी थी कि कोटड़ा ब्लॉक से आने वाले लाभार्थियों को फूड पैकेट और पानी की बॉटल वितरित करेंगे। लाभार्थियों को जाते समय भी फूड पैकेट वितरित करेंगे। यहां उनके साथ टीम लीडर मेरपुर नायब तहसीलदार ककुआराम मीणा, भू-अभिलेख निरीक्षक कल्याणकारी भूत और पटवारी पवन पंवार भी ड्यूटी पर थे।

दुकान पर चोरों ने धावा बोला

अनूपगढ़, (निसं)। शहीद उधम सिंह चौक पर देर रात को दो बदमाशों ने एक दुकान पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान के ताले तोड़कर गले में रखे का लगभग 85 हजार रुपए लेकर फरार हो गए। दुकान के मालिक गुरजंट सिंह को सुबह पड़ोसियों की सूचना पर वारदात का पता चला। सूचना मिलने पर एएसआई राजेंद्र कुमार टीम के साथ मौके पहुंचे। पुलिस के द्वारा मामले में अनुसंधान किया जा रहा है। एएसआई राजेंद्र कुमार ने बताया कि चोरी की वारदात पास की एक दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी दुकान से चोरी करने के बाद सम्भवत: दुकान के पिछले दरवाजे से फरार हुए हैं।

जानलेवा हमले के फरार तीन आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में दर्ज रिपोर्ट पर कार्यवाही करते हुए फरार तीन हमलावरों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि 5 दिसंबर को रेलवे कॉलोनी इलाके के लक्ष्मी विहार में एक व्यक्ति पर हुए जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर फरियादी आकाश पर हुए जानलेवा हमले के तीन आरोपी वारिस अली, आसिफ उर्फ कल्लू और सलीम उर्फ नोलिया को गिरफ्तार किया। पकड़े गये हमलावरों से अनुसंधान जारी है।

जानलेवा हमले के फरार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि रंगतलाब निवासी फरियादी आकाश ने 6 दिसंबर को पर्चा बयान दिया था। बयान में कहा कि 5 दिसंबर की रात्रि साढ़े नौ बजे करीब घर से स्कूटी लेकर पुरोहितजी की टापरी आया, जहां उसे उसका मित्र विकास उर्फ मिर्चा मिला। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि हम दोनों मित्र स्कूटी से घूम रहे थे और लक्ष्मी विहार गली नम्बर एक मे खड़े थे, तभी रंग तालाब निवासी कल्लू, जैली और अन्ची स्कूटी लेकर आये और उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी और तीनों वहां से चले गये। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि थोड़ी देर में तीनों हाथों में पाईप, डंडे लेकर आये और पुरानी रंजिश को लेकर जान से मारने की नियत से उसके पैरों पर सरिये से हमला किया और पैर तोड़ दिये। हमलावर मेरे मित्र विकास के पीछे भी भागे लेकिन वह वहां से भाग गया।

थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी के पर्चा बयान पर मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू की गई। थानाधिकारी ने बताया कि हमलावरों की तलाश के लिये गठित टीम ने कार्यवाही करते हुए छावनी निवासी वारिस अली (19), रंग तालाब निवासी कल्लू उर्फ आसिफ (25) और महात्मा गांधी कॉलोनी निवासी सलीम उर्फ नोलिया (22) को गिरफ्तार कर लिया।

युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के भुपालपुरा थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई तथा दूसरा घायल हो गया। शनिवार रात में भुपालपुरा थाना क्षेत्र में एक होटल के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार राजगढ चूरू हॉल यूनिवर्सीटी कैंपस निवासी हरेन्द्र पुत्र राजुराम मीणा की मौत हो गई तथा साथी कपील गंभीर घायल हो गया। हरेन्द्र विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अपने भाई के साथ रहते हुए कंपीटिशन की तैयारी कर रहा था। रात में वह बाइक पर अपने साथी कपील के साथा खाना खाने के लिए निकला था, जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। इसकी सूचना मिलने पर दोनों को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। जहां हरेन्द्र को मृत घोषित कर दिया।

'वन नेशन-वन इलेक्शन देश की आवश्यकता'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने वन नेशन-वन इलेक्शन को देश की आवश्यकता बताया है। उन्होंने कहा कि देश में एक साथ एक ही समय में चुनाव हों, मतदाता और चुनाव में काम करने वाले सभी लोग यह वर्षों से इस बात की अपेक्षा देश की सरकार से कर रहे हैं। रविवार को अपने गृह जोधपुर पहुंचे शेखावत ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। वन नेशन-वन इलेक्शन पर विपक्ष की आपत्तियों से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी तक किसी ने इसे लेकर कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी है। अभी ये कैबिनेट ने पास किया है। एक बार पार्लियामेंट में आएगा। पार्लियामेंट में चर्चा के समय देखेंगे।

- केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जोधपुर पहुंचे, एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह देश की आवश्यकता है, जिस तरह से चुनाव खर्चीले हो रहे हैं। चुनाव के कारण से समय का अपव्यय हो रहा है। चुनाव के कारण से विकास कार्यों में बाधा लग रही है। बार-बार चुनाव होने के कारण से इस तरह की परिस्थितियों बनती हैं। देश में एक साथ एक ही समय में चुनाव हों, यह निश्चित रूप से वर्षों से देश के मतदाता और देश के चुनाव में काम करने वाले सभी लोग इस बात की अपेक्षा देश की सरकार से कर रहे हैं।

महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा निश्चित रूप से हम सब लोगों के लिए प्राथमिकता है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान बढ़ाने के साथ-साथ में मोदीजी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तीकरण से आगे बढ़कर वीमेन लेड डेवलपमेंट की दिशा में जा रहे हैं। भारत ने जी-20 की अध्यक्षता के समय नेरेटिव विश्व के सामने रखा था, इस पर भारत ने गति के साथ में काम किया और विश्व भी इस दृष्टिकोण से भारत के साथ है।

जवाहर बाई तालाब में परिंदों को देखकर पक्षी प्रेमी रोमांचित

कोटा, (निसं)। भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक निधि इंटेक ने कहा है कि थर्मल पॉवर प्लांट की राख से खाली हुए ऐतिहासिक जवाहर बाई तालाब को पुनरुद्धार कर बहाल किया जाए। रविवार को नांता स्थित सगस धाम पर आयोजित पक्षी दर्शन कार्यक्रम में शामिल प्रकृति प्रेमी इंटेक सदस्यों, कोटा विश्वविद्यालय के लाइफ साइंस के विद्यार्थियों, प्रबुजनों ने अपने विचार व्यक्त किए।

इंटेक के को-कन्वीनर बहादुर सिंह हाड़ा ने बताया कि प्राकृतिक विरासत विभाग के प्रभारी बृजेश विजयवर्गीय एवं अनिल शर्मा के संयोजन में आयोजित पक्षी दर्शन कार्यक्रम में पक्षीविज्ञ ए.एच. जैदी, बायोलोजिस्ट डॉ. कृष्णेन्द्र सिंह, डॉ. किरण चौधरी, वन विभाग के बुद्धाराम जाट के अलावा राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त डॉ. आरसी साहनी, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी यतीश विजयवर्गीय, डॉ. आरके जैन, प्रोफेसर राजेंद्र राजावत, अरूणाचल प्रदेश की छात्रा मैरी, कश्मीर के क्रांति, अशी सुमन आदि ने पक्षियों की अठखेलियां कैमरे में कैद की। कृष्णेन्द्र सिंह ने बताया कि तालाब में छोटी मुर्गावी, गुगरल बतख, स्लेटी अनजान, श्वेत किलकिला, छोटी सिलही, जांघिल, सुर्खाव, गजपाव, पन कव्वा के अलावा मगरमच्छ और नील गायों को भी विचरण करते देखा।

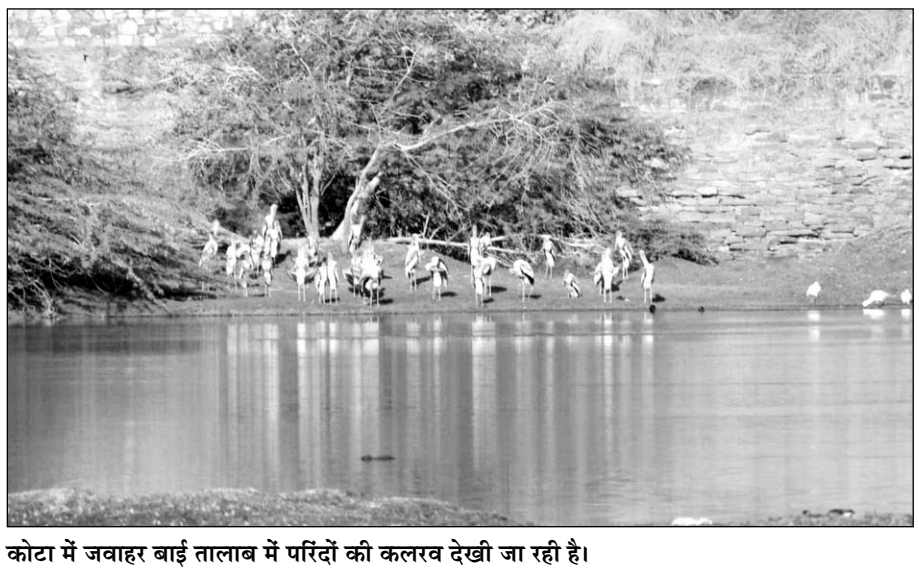

कोटा में जवाहर बाई तालाब में परिंदों की कलरव देखी जा रही है।

- 'थर्मल की राख से खाली हुए तालाब की पुनर्बहाली जरूरी'
- नान्ता के प्राचीन तालाब में इंटेक का पक्षी दर्शन कार्यक्रम आयोजित

जैदी ने कहा कि प्रदूषण के कारण इस बार कम संख्या में परिंदे यहां पर आए। गत वर्ष यहां पांच हजार की संख्या में पक्षी देखे गए थे। इस बार दो हजार ही रह गए। पक्षी प्रेमियों ने कहा कि इस अगस्त तालाब के आसपास के वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए नगर निगम के ट्रैंचिंग ग्राउंड का निस्तारण बहुत आवश्यक है। थर्मल से उड़ती राख के कारण भी यहां का वातावरण प्रदूषित है उसको नियंत्रित करना बहुत जरूरी है। को-कन्वीनर बहादुरसिंह हाड़ा ने कहा कि इंटेक ऊर्जा मंत्री हीरालाल नगर से भेंट कर इस तालाब की पुनर्बहाली की मांग करेगी। पर्यावरणविद् बृजेश विजयवर्गीय ने सुझाव दिया कि वन विभाग भी अपनी झील संरक्षण योजना के तहत को संरक्षित कर सकता है। इसके लिए मुख्य वन संरक्षक को ज्ञापन दिया जाएगा।

सगस मंदिर के परंपरागत केवट परिवार के संचालक कन्हैया लाल केवट, लोकेश केवट ने कहा कि उक्त स्थान अभेद बायोलॉजिकल पार्क के निकट है। यहां पर अभेड़ा पर्यटन सर्किट विकसित हो सकता है। संयोजक अनिल शर्मा ने बताया कि ऐतिहासिक और अनुपम सौंदर्य के साथ-साथ कई मायनों में पुरजोर महत्व रखने वाले जवाहर बाई तालाब के पुनर्निर्माण हेतु, भारतीय राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं कला निधि (इंटेक), पिछले लंबे समय से प्रयास कर रही है। कोटा थर्मल द्वारा, 80-90 के दशकों में इस तालाब के मूल स्वरूप को तहस-नहस करते हुए इसे मुंडेर तक राख से भर दिया था। कालांतर में राख की बढ़ती महत्तता के बाद इसे खाली करके बदहाल स्थिति मे छोड़ दिया गया है।

लगभग दो किलोमीटर की परिधि और 25 फीट भराव क्षमता वाले इस विशालकाय तालाब के जीर्ण-शिर्ण तटबंधों और इसके दक्षिण-पश्चिमी क्षोर पर बनाए गए डायवर्जन चैनल के चलते इसमें सिर्फ 5-10 फीट वर्षा जल का ही संग्रहण हो पाता है। इसके बावजूद, सुदूर देशों से विभिन्न प्रजातियों के दुर्लभ परिंदे, प्रजनन और उत्तर जीविका के लिए शीतकालीन अल्प प्रवास के लिए यहां बसेरा करते हैं। उपयुक्त जलाशयों के अभाव में दूर-दूर के वन्यजीव इसी तालाब में आकर अपनी प्यास बुझाते हैं। फरवरी-मार्च में इसका पानी रीत जाने के बाद तालाब से सटे सगसजी आश्रम के कर्मचारी इसमें अपने कुएं का पानी डालकर दूर-दूर से आने वाले वन्यजीवों प्यास बुझाते हैं।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (सोलर)
कॉर्पोरेट आइडेन्टीफिकेशन नम्बर (सी.आई.न)-यू40109आरजे2000एसजीसी016482
विद्युत भवन, पंचशील नगर माकड़वाली रोड़ अजमेर-305004
ई-मेल sesolaravvnl@gmail.com, वेबसाइट -www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl

ई-निविदा सूचना एन.आई.बी. :- AVV2425A0126

टी. एन. डी.एस.एम.- 18 से 37 के तहत् निम्न कार्यों के लिए सामग्री/उपकरण की आपूर्ति, निर्माण, स्थापना, परीक्षण व कमिशनिंग के लिए अजमेर डिस्कॉम के 17 वृत्तों (सीकर, चित्तौडगढ, झुंझुनु, भीलवाडा, नीम का थाना, उदयपुर, डीडवाना-कुचामन, अजमेर, डुंगरपुर, बांसवाडा, प्रतापगढ, शाहपुरा, नागौर, सलूम्बर, केकडी, ब्यावर, राजसमंद) मे टर्नकी आधार पर योग्य ठेकेदारो से दो भागों में मोहरबन्द ई-निविदा (तकनीकी-वाणिज्यिक एवं मूल्य निविदा) आमंत्रित की जाती है:-

क.) पुर्नात्थान वितरण क्षेत्र सुधार योजना (आर.डी.एस.एस.) के अन्तर्गत 11 केवी मिश्रित फीडरों के पृथक्करण के लिए वितरण बुनियादी सुविधाओं के विकास हेतु।

ख.) हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (एचएएम) पर 33/11 केवी सब-स्टेशन के आस-पास विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयत्र का विकास, जिसमें 10 वर्षो के लिए ओएंडएम में सौर संयंत्र और कनेक्टिंग लाइन शामिल हैं।

ग.) 10 वर्षो के लिए 33/11 केवी सब-स्टेशन और डाउनस्ट्रीम नेटवर्क का प्रबंधन।

निविदा से सम्बंधित सभी विवरण निगम की वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। भविष्य मे निविदा मे किसी भी प्रकार के संशोधन/तिथि बढाने, आदि की जानकारी केवल वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध कराई जाएगी।

राज.संवाद/सी/24/9114 अधीक्षण अभियन्ता (सोलर)

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

राजस्थान सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर

राज्य स्तरीय समारोह

प्रदेशवासियों को 1 लाख करोड़ रुपये से
अधिक राशि के विकास कार्यों की सौगात

मुख्य अतिथि

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

17 दिसम्बर, 2024 | प्रात: 11:00 बजे

स्थान- ग्राम दादिया, वाटिका रोड, जयपुर

आप सादर आमंत्रित है।

निभाई जिम्मेदारी
हर घर खुशहाली

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

सिराज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के 'पंडितों' से कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसी प्रतिक्रिया वहीं दे रहे जिन्हें मैदान पर इस तरह के व्यवहार के लिए जाना जाता है।

- सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सिराज की आलोचना को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बाइचुंग भूटिया

15 दिसंबर को भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया अपना 48वां जन्मदिन मना रहे हैं। इसी वजह से बाइचुंग भूटिया को सिक्किमी स्निपर के नाम से भी जाना जाता है। भूटिया को भारतीय फुटबॉल के लिए भगवान का उपहार की उपाधि मिली है। 1992 में भूटिया ने बेस्ट प्लेयर का अवॉर्ड अपने नाम कर अपना ध्यान खींचा। भूटिया ने साल 1999 में इंग्लिश क्लब बरी के साथ करार किया और वह यूरोप क्लब के साथ करार करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनें। उनकी कप्तानी में भारत ने तीन बार सैफ कप जीता और 2 बार नेहरू कप जीता।

क्या आप जानते हैं ?... न्यूजीलैण्ड की तरफ से खेलते हुए ब्रुस टेलर ने अपने टैस्ट मैच की पदार्पण पारी में 86 रन देकर 5 विकेट लिए।

जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास, कपिल देव का महारिकॉर्ड तोड़ मचाई हलचल

ब्रिसबेन, 15 दिसम्बर। भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इतिहास रच दिया है। बुमराह ने ब्रिसबेन टेस्ट की पहली पारी में 5 विकेट हॉल करने का कमाल कर दिखाया है। जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट हॉल करने का कमाल कर दिखाया है। एक बार फिर बुमराह ने अपनी घातक गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के होश उड़ा दिए हैं।

बुमराह ने 5 विकेट हॉल करके एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बुमराह अब देशों में भारत की ओर से सबसे ज्यादा पांच विकेट हॉल करने वाले गेंदबाज बन गए हैं। ऐसा कर बुमराह ने कपिल देव के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। बुमराह के नाम आठवीं बार सेना देशों में (देशों का मतलब है - साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड, और ऑस्ट्रेलिया) 5 विकेट हॉल करने का रिकॉर्ड

दर्ज हो गया है। वहीं, कपिल देव ने अपने टेस्ट करियर में 7 बार पांच विकेट हॉल देशों में करने में सफल रहे थे। वहीं, जहीर खान ने 6 बार ऐसा कारनामा अपने टेस्ट करियर में किया था।

8 बार -जसप्रीत बुमराह, 7 बार - कपिल देव, 6 बार - ज़हीर खान, 6 बार - बी चंद्रशेखर।

इस टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट मैच में भी बुमराह ने 5 विकेट हॉल करने में सफलता हासिल की थी। वहीं, अब तीसरे टेस्ट मैच में बुमराह ने 5 विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। बुमराह का टेस्ट में 12वां 5 विकेट हॉल है। और साथ ही भारत के बाहर टेस्ट में बुमराह ने 10वीं बार 5 विकेट हॉल करने में कामयाबी पाई है। ऐसा कर बुमराह ने अनिल कुंबले की बराबरी कर ली है। विदेशी धरती पर कुंबले ने भी टेस्ट में 10 बार 5 विकेट हॉल किए थे।

सिराज ने बेल्स बदलीं, अगले ओवर में लाबुशेन आउट

ब्रिसबेन, 15 दिसम्बर। ऑस्ट्रेलियाई पारी के 33वें ओवर में मजेदार वाकया हुआ। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने ओवर की दूसरी बॉल डालने के बाद स्ट्राइक विकेट के बेल्स बदल दिए।

उनके लौटते ही स्ट्राइक बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने बेल्स को पहले जैसा कर दिया। इसके बाद नीतीश रेड्डी के अगले ही ओवर में लाबुशेन कोहली को कैच दे बैठे। उन्होंने 12 रन बनाए।

ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया को संकट से उबारा

ब्रिसबेन, 15 दिसंबर। तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन सुबह के सत्र में लड़खड़ाई ऑस्ट्रेलियाई टीम को ट्रैविस हेड (नाबाद 103) स्टीव स्मिथ (नाबाद 65) ने संकट से उबारकर चायकाल तक तीन विकेट पर 234 के स्कोर बनाकर अपनी टीम की मैच पर पकड़ मजबूत कर ली हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने कल के 28 रन के स्कोर से आज आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में तीन रन जुड़े थे कि जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख़्वाजा (21) को विकेट के पीछे रिषभ पंत के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पहली सफलता दिलाई। 19वें ओवर में बुमराह ने नेथन मैकस्वीनी (नौ) का भी शिकार कर डाला। 33वें ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी ने मार्नस लाबुशेन (12) को आउट किया। भोजनकाल तक 104 पर तीन विकेट गंवाकर ऑस्ट्रेलियाई टीम संकट में फंस गई थी। ऐसे संकट के समय में बल्लेबाजी करने आये स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। चायकल तक ट्रैविस हेड ने अपना शतक पूरा कर लिया है। यह उनका टेस्ट क्रिकेट का चौथा शतक है। उन्होंने 118 गेंदों में 13 चौके लगाते हुए (नाबाद 103) रन बना लिये है। वहीं उसके साथी स्टीव स्मिथ 149 गेंदों में छह चौके लगाते हुए (नाबाद 65) रन बनाकर क्रीज पर है। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट लिये अब तक 168 रनों की साझेदारी हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया ने चायकाल तक तीन विकेट पर 234 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। भारत की ओर जसप्रीत बुमरा ने दो और नीतीश कुमार रेड्डी ने एक विकेट लिया।

41 अंतरराष्ट्रीय टीमें खो-खो विश्वकप में लेंगी भाग

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर। भारत में जनवरी में होने वाले पहले खो खो विश्व कप में अमेरिका,इंग्लैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, नीदरलैंड, पोलैंड सहित 41 अंतरराष्ट्रीय टीमें भाग लेंगी।

खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और खो खो विश्वकप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया कि 13 से 19 जनवरी 2025 तक इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम और नोएडा इंडोर स्टेडियम में होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में विश्व भर के छह महाद्वीपों यूरोप,अफ्रीका, ओशिनिया, एशिया ,दक्षिण अमेरिका, उतरी अमेरिका के 24 देशों ने अपनी हिस्सेदारी की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि इस विश्वकप में अमेरिका पुरुष टीम भेजेगा जबकि जर्मनी, नीदरलैंड पोलैंड और इंग्लैंड, पुरुष और महिला दोनों वर्गों में हिस्सेदारी लेंगे। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ओशिनिया की टीमें होंगी। ऑस्ट्रेलिया महिला और पुरुष दोनों वर्गों में तथा न्यूजीलैंड केवल महिला वर्ग में ही प्रतिभागी होगा।

विमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन

9.05 करोड़ में बिकीं 19 प्लेयर्स:4 करोड़पति बनीं

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर। विमेंस प्रीमियर लीग 2025 के लिए मिनी ऑक्शन बेंगलुरु में रविवार को करीब ढाई घंटे चला। 5 टीमों ने 9.05 करोड़ रुपए खर्च कर 19 प्लेयर्स को खरीदा, जिनमें से 4 करोड़पति बनीं। 5 विदेशी प्लेयर्स पर 2.70 करोड़ रुपए खर्च हुए। सिमरन शेख सबसे महंगी प्लेयर रहीं, उन्हें 1.90 करोड़ रुपए में गुजरात ने खरीदा।

अनकैप्ड विकेटकीपर बैटर जी कमलिनी ने सभी को चौंकाया, उन्हें बेस प्राइस से 16 गुना ज्यादा कीमत देकर मुंबई इंडियंस ने 1.60 करोड़ रुपए में खरीदा। वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन सबसे महंगी विदेशी प्लेयर रहीं, उन्हें 1.90 करोड़ रुपए में गुजरात ने खरीदा। स्नेह राणा, हीथर नाइट और लौरेन बेल जैसी बड़ी प्लेयर्स अनसोल्ड हो गईं। फाइनल राउंड में 7 प्लेयर्स को खरीदार मिले, सभी बेस प्राइस में ही बिक गईं। ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर एलाना किंग को यूपी और इंग्लैंड की बॉलर डैनिले गिबसन को गुजरात ने 30-30 लाख रुपए में खरीदा। अंकिता माहेश्वरी 20 लाख रुपए में मुंबई का हिस्सा बनीं। दिल्ली ने निकी प्रसाद, गुजरात ने प्रकाशिका नायक, बेंगलुरु ने जाठावी पवार और राघवी बिष्ट को खरीदा।

राजस्थान वुशू टीम ने दोनों वर्गों में चैम्पियन बन रचा इतिहास

जयपुर, 15 दिसम्बर। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में दिनांक 09 से 15 दिसम्बर 2024 तक दिल्ली में आयोजित हुई 68वी राष्ट्रीय विद्यालयी वुशू (बालक/बालिका 19 वर्ष आयु वर्ग) प्रतियोगिता में राजस्थान स्कूल वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुये 6 स्वर्ण, 4 रजत तथा 6 कांस्य पदक कुल 16 पदक प्राप्त कर राजस्थान प्रदेश का नाम रोशन किया।

हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि राष्ट्रीय विद्यालयी वूशु प्रतियोगिता के राजस्थान टीम बालक वर्ग में 3 स्वर्ण, 2 रजत व 3 कांस्य पदक व बालिका वर्ग में 3 स्वर्ण, 2 रजत व 3 कांस्य पदको के साथ दोनों ही वर्ग में चैम्पियन बन रचा

इतिहास:- **स्वर्ण पदक :-** विहान राज 40 , कार्तिक पुनिया 52 , नवदीप वर्मा 75 , दिव्या सोनी 40 , सुहालिया मंसूरी 56 , छवि चौधरी 75, **रजत पदक :-** कर्मवीर 48 , आदित्य भारती 65 , नेहा सुथार 36, किरण पारीक 45, **कांस्य पदक :-** ऋषभ जोशी 60 , जतिन यादव 70 , सुमित 80, अन्नू फोगाट 48 , गुनगुन सोनी 60 , अक्षी पंचोली 65 । टीम प्रशिक्षक ललित कुमार, बिन्दु बाला, टीम मैनेजर महावीर मीणा, मीनू सोनी तथा टीम के साथ निदेशालय बीकानेर के प्रतिनिधि एवं चीफ डे मिशन भरता राम दल प्रबंधक विशाल पारीक व रामावतार साथ में थे।

भारतीय महिला टीम ने इंडीज को दिया 196 रनों का लक्ष्य

मुंबई, 15 दिसंबर। स्मृति मंधाना (54) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (73) रनों की तूफानी पारियों की मदद से भारतीय महिला टीम ने रविवार को पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज की महिला टीम को जीत लिए 196 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां टॉस जीतकर वेस्टइंडीज की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम की उमा छेत्री और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने

अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिय (50) रन जोड़े। सातवें ओवर में करिश्मा रामहैरक ने उमा छेत्री (24) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 14वें ओवर में रामहैरक ने स्मृति मंधाना (54) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। हालांकि इस दौरान जेमिमाह रॉड्रिग्स एक छोर थामे खड़ी तेजी से साथ रन बटोरती रही। ऋचा घोष (20) रन बनाकर आउट हुई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (13) रन बनाकर नाबाद रही।

मुम्बई ने जीता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब

बेंगलुरु, 15 दिसंबर। सूर्यकुमार यादव (48) अजिंक्य रहाणे (37) और सूर्यांश शेगड़े (नाबाद 36) रनों की शानदार पारियों की बदौलत मुम्बई ने रविवार को फाइनल मुकाबले में मध्यप्रदेश को पांच विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 का खिताब अपने नाम किया। आतिशी बल्लेबाजी करने वाले सूर्यांश शेगड़े को 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा टूर्नामेंट में 469 रन बनाने वाले अजिंक्य रहाणे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया।

जतिन की अर्धशतकीय पारी

जयपुर, 15 दिसम्बर। राजस्थान - उत्तर प्रदेश अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी में राजस्थान के जतिन की अर्धशतकीय पारी। उत्तर प्रदेश पहली पारी 258 आल आउट, टीम के लिए अमन 70, एस राय 35, भव्य गोयल 35, कार्तिकेय सिंह 32 व भावी शर्मा 26 रनोका योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज तोषितभाटिया 36/4 , जतिन 51/3, आभास श्रीमाली 48/2, यश यादव 63/1 विकेट प्राप्त किये। आज मैच के दूसरे दिन राजस्थान ने अर्धशतक लगाया साथ ही कप्तान कार्तिक, अनितराज, चेतन, आभास ने उनका भरपूर सहयोग दिया पर से खुद को मिली अच्छी शुरुरात को बड़ी पारी में नही बदल पाए।

रघु सिन्हा आईटीएफ 200 टेनिस टूर्नामेंट 2024 का समापन

पवन जैन ने दोहरे खिताब जीते

जयपुर, 15 दिसंबर। जयपुर क्लब में आयोजित छह दिवसीय रघु सिन्हा आईटीएफ 200 टेनिस टूर्नामेंट 2024 में पुरुष सिंगल्स 60 श्रेणी के फाइनल में प्रथम वरियता प्राप्त पवन जैन ने अनिल निगम को 6-1,6-2 व पुरुष डबल्स में दीपांकर चक्रवर्ती के साथ मिलकर मनोज कुमार खेमू और अनिल निगम की जोड़ी को 6-4,6-2 के स्कोर से हराकर दोहरे खिताबों पर कब्जा जमाया। वहीं पुरुष सिंगल्स 65 श्रेणी में प्रथम वरियता प्राप्त योगेश शाह ने अजीत भारद्वाज को 7-6(4), 6-1 से और पुरुष सिंगल्स 75 श्रेणी में नरेंद्र जनवेजा ने अनन टोगनट्टा को 6-0,6-0 से हराकर खिताब जीता।

इसी प्रकार, पुरुष डबल्स 65 श्रेणी में अजीत भारद्वाज और राकेश कोहली की जोड़ी ने योगेश शाह और ललित शर्मा की जोड़ी को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 4-6, 7-6(4), 10-6 से व पुरुष डबल्स 75 श्रेणी में जयपुर के सुरेश के. बाजोरिया और नरेंद्र जनवेजा ने दर्शन लाल मारिया और अनन टोगनट्टा की जोड़ी को 6-1, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। गौरतलब है कि टूर्नामेंट का आयोजन रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटी ट्रस्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय टेनिस फेडरेशन (आईटीएफ) के तत्वावधान में किया गया था। टूर्नामेंट रविवार को शानदार पुरस्कार समारोह के साथ संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि जयपुर क्लब के अध्यक्ष, मनोज बिड़ला रहे एवं समारोह की अध्यक्षता ट्रस्ट के चेयरमैन सुरेंद्र गोलछा ने की। मुख्य अतिथि और अध्यक्ष ने सभी टूर्नामेंट के विजेताओं और उप विजेताओं को ट्रॉफी, नगद पुरस्कार और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

राजधानी

भजनलाल सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर ''एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष'' प्रदर्शनी लगाई

जवाहर कला केन्द्र में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ कर स्टॉल्स का अवलोकन किया

जयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर जवाहर कला केन्द्र में आयोजित राज्य स्तरीय विकास प्रदर्शनी ''एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष'' का उद्घाटन किया। उन्होंने कृषि, पशुपालन, सहकारिता, चिकित्सा, उद्योग, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर जाकर विभागों द्वारा करवाए गए विकास कार्यों, उपलब्धियों एवं नवाचारों का अवलोकन किया। शर्मा ने सभी विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाकर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने फीता काटकर और दीप प्रज्जवलित कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। उन्होंने ''निभाई जिम्मेदारी-हर घर खुशहाली'' का संदेश देती विकास प्रदर्शनी में राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में विभिन्न क्षेत्रों में करवाए गए विकास कार्यों एवं योजनाओं के फोटो, स्कैच, मॉडल्स एवं प्रकाशन सहित अन्य सामग्री को देखा। उन्होंने सरकार के 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को दर्शाती प्रदर्शनी की सराहना की।

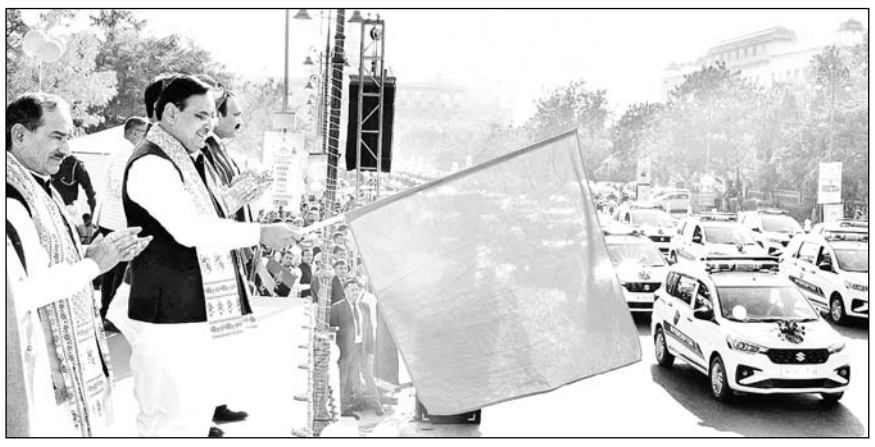

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के लिए पुलिस के विभिन्न वाहनों को अमर जवान ज्योति से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जे.डी.ए. की तीन नई आवासीय योजनाओं का शुभारंभ किया

मुख्यमंत्री ने नगरीय विकास एवं आवासन मंडल की स्टॉल पर जयपुर विकास प्राधिकरण की तीन नई आवासीय योजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने अटल विहार, गोविन्द विहार तथा पटेल नगर आवासीय योजना का शुभारंभ करने के साथ ही तीनों आवासीय योजनाओं की बुकलेट का विमोचन किया। इस दौरान शर्मा ने जेडीए में ई-साइन के माध्यम से पेपर-लैस नाम हस्तानान्तरण की प्रक्रिया का भी शुभारंभ किया।

शर्मा ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई इस प्रदर्शनी में कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, सहकारिता विभाग, आरसीडीएफ (डेयरी), गौपालन विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, श्रम एवं नियोजन, सार्वजनिक निर्माण, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, आयोजना, राजस्थान आवासन मण्डल, नगरीय विकास विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, स्वायत्त शासन, सूचना एवं जनसम्पर्क, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, उद्योग, ऊर्जा, गृह, वन, पर्यटन सहित अन्य विभागों द्वारा एक साल में लिए गए फैसलों, विकास कार्यों, योजनाओं एवं उपलब्धियों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी से आमजन को सरकार के कल्याणकारी फैसलों, कार्यक्रमों, नीतियों और योजनाओं की जानकारी मिल सकेगी।

राज सखी (सरस) राष्ट्रीय मेले का अवलोकन किया

मुख्यमंत्री ने जवाहर कला केन्द्र में राज सखी (सरस) राष्ट्रीय मेला- 2024 का द्वीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। उन्होंने राजसमन्द की मीनाकारी, जयपुर की ब्लूपॉटरी, जम्मू की पश्मीना शॉल सहित विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने मेले में जीआई टैग के उत्पादों को देखकर इनकी संख्या में बढ़ोतरी के निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती श्रेया गुहा ने मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय मेले में लगाई गई विभिन्न स्टॉलों के बारे में जानकारी दी।

एम्बुलेंस, इन्टरसेप्टर व पेट्रोलिंग वाहनों को दिखाई हरी झंडी

भजनलाल शर्मा ने सवाई मानसिंह स्टेडियम से 'सुरक्षा एवं सुगमता का संकल्प' समारोह में 101 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस, 25 पुलिस पेट्रोलिंग वाहन, 22 पुलिस इंटरसेप्टर वाहन एवं 750 मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने महिला सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए 150 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान शर्मा ने प्रदेश में सुरक्षा एवं शांति के प्रतीक स्वरूप आसमान में गुब्बारें छोड़े।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, नगरीय विकास राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा, सांसद मदन राठौड़, जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, प्रमुख शासन सचिव सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग आलोक गुप्ता, आयुक्त सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग विजय पाल सिंह समेत कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

भाजपा का दामन थामा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर उनके नेतृत्व में राष्ट्रिनर्माण के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का संकल्प लेते हुए और भजनलाल सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर आज भाजपा प्रदेश कार्यालय पर सुजानगढ़ से आए कांग्रेस के नेताओं और पदाधिकारियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर कांग्रेस के पार्षद प्रेदश सियोता, रेवतमल पंवार, सुरज तेजस्वी, ललील तेजस्वी, संजय तेजस्वी, हंसराज सियोता, पृथ्वी राज लाखन समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

नागौर में कैलम ने दिया 'लखपति बेटी' को जन्म

■ **मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर में प्रसव पूर्व जांच करवाने आई दो गर्भवती महिलाओं का हुआ संस्थागत प्रसव**

जयपुर/ नागौर, (कासं)। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से राज्यभर में रविवार को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों की शुरुआत की गई। नागौर जिले में शुरू किए गए मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर के आयोजन की सफलता पहले दिन ही सिद्ध हुई। जिले के खींवसर ब्लॉक के बिरलोका गांव स्थित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लगाए गए। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर में प्रसव पूर्व जांच करवाने आई दो गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव करवाए गए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नागौर डॉक्टर जुगल किशोर सैनी ने बताया कि जिले के खींवसर ब्लॉक के राजकीय पीएचसी बिरलोका में लगाए गए मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर के दौरान प्रसव पूर्व जांच करवाने आई दो महिलाओं का संस्थागत प्रसव भी करवाया गया। शिविर में पहुंची खोड़वा गांव की ओमनाथ की पत्नी कैलम तथा पचारों की ढाणी के निवासी भोमाराम की पत्नी निरमा की एएनसी रिपोर्ट में प्रसव का समय नजदीक आने तथा दर्द होने पर उन्हें लेबर रूम में ले जाया गया, जहां उनका सामान्य प्रसव हो गया।

बीसीएमओ डॉक्टर रामजीत टाक ने बताया कि कैलम ने पुत्री और निरमा ने पुत्र को जन्म दिया। दोनों जच्चा व बच्चा स्वस्थ हैं। कैलम की नवजात बेटी को राज्य सरकार की लाडो प्रोत्साहन योजना का लाभ भी मिलेगा, जिसके तहत उसे 7 अलग-अलग किश्तों में स्नातक तक की पढ़ाई पूर्ण करने तक कुल एक लाख रूपए की राशि ऑनलाइन दी जाएगी। कैलम की लखपति नवजात बेटी को पहली किश्त के रूप में ढाई हजार रूपए की राशि का भुगतान बैंक खाते में ऑनलाइन किया जाएगा।

'प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए पूरे राजस्थान से पधार रहे हैं लाभार्थी व कार्यकर्त्ता'

■ **प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा प्रदेश पदाधिकारी और व्यवस्था संयोजकों की बैठक हुई**

जयपुर, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय पर बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन के पदाधिकारी और संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत हेतु राजस्थान के कोने-कोने से लाभार्थी और कार्यकर्त्ता पधार रहे है। कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान करने के लिये अलग-अलग कार्यो की जिम्मेदारी अलग-अलग पदाधिकारियों को दी गई है। पिछले कई दिनों से कार्यकर्त्ता उत्साहित होकर तैयारियों में लगे हुए है। हमारे लिये यह गर्व की बात है कि भाजपा सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजस्थानवासियों को विभिन्न सौगातें मिलेगी।

कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र राठौड़ ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन कार्यक्रम की तैयारियों के निमित संगठन के पदाधिकारी और व्यवस्था के निमित लगाये गये पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में आगामी रूप रेखा निश्चित कर से सुझाव मांगे गये और व्यवस्था टोलियो को कार्यो का विभाजन कर मार्गदर्शित किया।

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि भाजपा सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पधारना राजस्थान वासियों के लिए गौरव की बात है। देश के प्रधानमंत्री राजस्थान के लिए कई सौगातों की घोषणा भी करेंगे। प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी के स्वागत का कार्यक्रम भव्य होना चाहिए और राजस्थान के कोने-कोने से पधार रहे लाभार्थियों और आमजन को किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े इस हेतु सभी पहलुओं का ध्यान रखते हुए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है । इस निमित पांडल व्यवस्था, जल व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था,वाहन व्यवस्था, भोजन व्यवस्था आदि की जिम्मेदारी सम्भाल रहे पदाधिकारियों से सुझाव लिए और कार्य योजना बनाकर अपनी जिम्मेदारीपूर्ण पूरी करने के किए मार्गदर्शित किया । बैठक में प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला, मिथलेश गौतम कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को डीग में पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना के पहले ज़ोन का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा, यह विकास कार्य इस पावन धाम की आध्यात्मिक खूबसूरती में इज़ाफा करते हुए श्रद्धालुओं को सुविधाएं प्रदान करेगा।

3 घंटे में हार्ट, किडनी, लिवर झालावाड़ से जयपुर -जोधपुर पहुंचे

पहली बार राजस्थान में ऑर्गन ट्रांसफर करने के लिये हेलीकॉप्टर का उपयोग हुआ

झालावाड़/जोधपुर/जयपुर, 15 दिसंबर। राजस्थान की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं ने एक नया इतिहास रचा है। पहली बार ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। तीन घंटे के भीतर झालावाड़ से जयपुर और जोधपुर में हार्ट, किडनी और लिवर पहुंचाए गए।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने झालावाड़ निवासी मृतक विष्णु के परिजनों को जीवनदान देने के इस कार्य के लिए आभार व्यक्त किया है। साथ ही राजे ने झालावाड़ के चिकित्सकों और प्रशासन की टीम को भी धन्यवाद दिया है, जिसने यह कार्य संभव कर दिखाया। उल्लेखनीय है कि 33 वर्षीय भानपुरा (झालावाड़) निवासी विष्णु एस.आर.जी. हॉस्पिटल में भर्ती थे। गत

- **भानपुरा (झालावाड़) निवासी मृतक विष्णु का हार्ट व किडनी जयपुर में दो मरीजों को तथा लिवर जोधपुर के मरीज को लगाया गया।**

13 दिसंबर को सिर की चोट के कारण विष्णु को डॉक्टरों ने ब्रेनडैड घोषित कर दिया था।

प्रशासन और मेडिकल टीम से प्रेरित होकर परिजन विष्णु के अंगों को दान करने के लिए तैयार हो गए। उसके बाद 13 और 14 दिसंबर को झालावाड़ मेडिकल कॉलेज में विष्णु के हार्ट, किडनी, लिवर और लंग्स निकाले गए। फिर 15 दिसंबर को सुबह साढ़े 10 बजे हेलीकॉप्टर से ये ऑर्गन जयपुर के एस.एम.एस. हॉस्पिटल पहुंचे। हार्ट और किडनी जयपुर में दो मरीजों को ट्रांसप्लांट किए गए। उसी हेलिकॉप्टर से दोपहर डेढ़ बजे जोधपुर एम्स में दो अंग पहुंचाए गए। जोधपुर में एक मरीज को लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। अंगों को सुरक्षित और समय पर पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टर का उपयोग किया गया। जयपुर और जोधपुर में हेलिकॉप्टर की लैंडिंग अस्पताल से एक किलोमीटर के दायरे में की गई।

विष्णु के परिजनों ने कहा, हमारे बेटे की जिंदगी नहीं बच सकी, लेकिन उसके अंग दूसरों की जान बचाने के काम आए। चिकित्सकों ने कहा, यह कदम राज्य के लिए ऐतिहासिक है और भविष्य में ऐसे ट्रांसप्लांट को और तेज़ बनाएगा। यह पहली बार है जब राजस्थान में ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए हेलिकॉप्टर का उपयोग हुआ।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में शीत लहर का पूर्वानुमान जताया है। आईएमडी ने बताया कि आने वाले कुछ दिनों में राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में 19 दिसंबर से 25 दिसंबर तक शीत लहर चलने की संभावना है।आईएमडी के अनुसार, राजस्थान के अलग-अलग स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस या उससे भी कम हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना का शिलान्यास किया

भजनलाल ने कहा, परिक्रमा पथ की विकास परियोजना चार ज़ोन में बांटी गयी है

भरतपुर, 15 दिसम्बर। रविवार को डीग में पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में एक तरफ हमारे तीर्थों का विकास हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण भी हो रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूंछरी का लौठा और गोवर्धन परिक्रमा का विकास कार्य इस पावन धाम की आध्यात्मिक खूबसूरती में इजाफा करते हुए श्रद्धालुओं को सुविधाएं प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिराज जी की परिक्रमा करने के लिए यहां देश-विदेश से हर साल करीब 2 करोड़ श्रद्धालु आते हैं। गिरिराज जी की परिक्रमा में 1.2 किलोमीटर का राजस्थान में पड़ने वाला हिस्सा परिक्रमा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें श्रीनाथजी, पूंछरी का लौठा आदि प्रमुख मंदिर और अप्सरा एवं नवल कुंड जैसे कई पवित्र स्थल हैं। उन्होंने कहा कि

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिराज जी परिक्रमा के लिये हर वर्ष देश-विदेश से 2 करोड़ श्रद्धालु आते हैं। इस परिक्रमा का 1.2 किलोमीटर हिस्सा राजस्थान में पड़ता है।**

पूंछरी में शीघ्र ही पूरे देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं मिल सकेंगी। गिरिराज जी परिक्रमा पथ के विकास को चार ज़ोन में बांटकर विकसित करने की योजना बनाई है। आज पहले ज़ोन का शिलान्यास हुआ है जिसमें श्रीनाथ जी मंदिर, पूंछरी का लौठा मंदिर, दाऊजी का मंदिर, गंगा मंदिर, नरसिंह जी मंदिर, मुखारबिंद, अप्सरा कुंड एवं नवल कुंड, फाउंटेन, राधा वाटिका, बोटेनिकल गार्डन, लोटस पौंड, मयूर वाटिका, विष्णु अवतार गार्डन का विकास करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दूसरे ज़ोन में भव्य प्रवेश एवं निकास द्वार, फूड जॉइंट एवं स्टॉल, भगवान श्री कृष्ण से संबंधित मूर्तियां, गैलरियों का निर्माण जैसे कार्य करवाए जाएंगे। परिक्रमा पथ के तीसरे ज़ोन में परिक्रमा मार्ग के बाहर एंट्री प्लाज़ा, कैनाल वाटरफ्रंट, पार्किंग, गोठ स्थल, भजन एवं कीर्तन स्थल, पौराणिक आर्ट गैलरी, गिरिराज जी म्यूज़ियम, सांस्कृतिक केंद्र, आध्यात्मिक केन्द्र, आर्ट विलेज आदि का विकास किया जाएगा। वहीं, चौथे जोन में बनने वाली 250 फुट ऊंची मूर्ति श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होगी। इस परियोजना में वित्त पोषण और अटूट समर्थन के लिए मुख्यमंत्री ने वेदांता समूह को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार खाटूश्यामजी को भव्यता प्रदान करने के लिए 100 करोड़ रुपये राशि के कार्य करवा रही है। प्रदेश में दीपावली, होली, शिवरात्रि एवं रामनवमी जैसे त्योहारों पर लगभग 600 मंदिरों में विशेष साज-सज्जा व आरती के लिए बजट का प्रावधान किया गया है। कैलादेवी मंदिर (झील का बाडा) और गंगा मंदिर सहित प्रदेश में अनेक मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पूंछरी का लौठा में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का अवलोकन किया। वेदांता रिसोर्सेज़ लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि गिरिराज जी के कण-कण में भगवान बसते हैं। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, राज्य धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, विधायक डॉ. शैलेष सिंह, बहादुर सिंह कोली, नौक्षम चौधरी, डॉ. ऋतु बनावत सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

'पहले दिन ही ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में हैं। सरकार ने 2000 रुपए की राशि प्रत्येक किसान के खाते में जमा करवाई है। महिलाओं के लिए हमारी सरकार ने महिला निधि बैंक द्वारा स्वयं सहायता समूहों को 100 करोड रुपए का ऋण उपलब्ध कराया है। 45 लाख स्वयं सहायता समूहों को राजसखी पोर्टल से जोड़ा गया है। 10 हजार इलेक्ट्रिक कुकिंग सिस्टम का वितरण भी किया गया है।

सवाल - भविष्य की क्या योजना है ?

जवाब - राजस्थान के युवा को रोजगार मिले। इसके लिए हमारी सरकार ने संकल्प लिया है। अगले चार साल में युवाओं को सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराना ही हमारा लक्ष्य होगा।

सवाल- उप चुनाव के नतीजों को किस तरह से लेते हैं ?

जवाब - जनता का हमें आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। हमारी पार्टी ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा। हमारे काम को जनता ने स्वीकार किया। जनता ने विपक्ष के नकारात्मक प्रचार का जवाब दिया और हमें खुल कर काम करने का संदेश दिया।

'चुनाव परिणाम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर के स्पेशल स्टेटस को खत्म कर दिया था। इस दौरान इसे दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद दो अधिकारी डल्लेवाल से मिले

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 26 नवम्बर से अनशन कर रहे हैं

चंडीगढ़ , 15 दिसंबर। पंजाब के डी.जी.पी. ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ रविवार, को अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मुलाकात की। डीजीपी गौरव यादव और गृह मंत्रालय में निदेशक मयंक मिश्रा ने 26 नवंबर से पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर अनशन पर बैठे जगजीत सिंह डल्लेवाल से उनकी मांगों को सुना। बता दें कि ये मुलाकात सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र तथा पंजाब सरकार के प्रतिनिधियों को डल्लेवाल से तुरंत मुलाकात के लिए निर्देश देने के दो दिन बाद हुई है।

- **पंजाब व डी.जी.पी. यादव तथा केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निदेशक मयंक मिश्रा ने मुलाकात के बाद कहा, हम उनकी बात सुनने और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनुपालना करने यहाँ आये हैं।**

मुलाकात के बाद डी.जी.पी. गौरव यादव ने कहा, "हम डल्लेवाल के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने आए थे।" उन्होंने कहा, "मेरे साथ भारत सरकार के प्रतिनिधि मयंक मिश्रा थे, जिन्हें विशेष रूप से यहां भेजा गया है।" मयंक मिश्रा ने कहा, "हमने उनकी मांगें भी सुनी हैं।" एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, "किसी तरह का कोई प्रस्ताव नहीं था। मैं यहां उनकी बात सुनने और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुपालना करने के लिए आया हूं।" डीजीपी ने कहा, "हमने डल्लेवाल से अपील की है कि जिस तरह से वे शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं उसकी हर जगह सराहना हो रही है। सरकार ने भी इसका संज्ञान लिया है।"

डीजीपी ने कहा, "हम लगातार किसान नेताओं से बात कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि हम सकारात्मक नतीजे पर पहुंचेंगे।" एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का रुख स्पष्ट है और वह किसानों की मांगों को जायज मानती है और इसका समर्थन भी करती है। उन्होंने कहा, "हमने कोशिश की है कि उन्हें सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। पंजाब सरकार का प्रयास है कि किसानों की मांगों को पूरा किया जाए।" यादव ने कहा कि डल्लेवाल के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है।

अधिकारियों और डल्लेवाल की मुलाकात के संबंध में किसान नेता अभिमन्यू कोहाड़ ने बताया कि डल्लेवाल ने अनशन खत्म करने के लिए इन्कार कर दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि उनकी चिंता करने के बजाय बातचीत करके किसानों की मांगों को हल करवाएं। सिर्फ यही तरीका है उनका आमरण अनशन खत्म करवाने का।

रविवार को पटियाला से सांसद डा. धर्मवीर गांधी और महिला पहलवान व कांग्रेस की विधायक विनेश फोगाट भी खनौरी बॉर्डर पर डल्लेवाल से मिलनेपहुंचे। उन्होंने भी केंद्र सरकार से किसानों की मांगों को जल्द हल करने की मांग की।

भरतपुर व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नए आयाम स्थापित होंगे तथा आमजन के लिए आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ ही चहुंमुखी विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

उल्लेखनीय है कि 30 नवम्बर 2024 को मंत्रिमंडल की बैठक में भरतपुर एवं बीकानेर में विकास प्राधिकरण के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई थी। बीकानेर विकास प्राधिकरण में नगर विकास न्यास बीकानेर के वर्तमान क्षेत्र के अलावा नापासर व देशनोक तथा आस-पास के 185 गांव एवं भरतपुर विकास प्राधिकरण में नगर विकास न्यास भरतपुर के वर्तमान क्षेत्र के साथ-साथ 209 गांव शामिल किए जाएंगे।

अब विदेश नीति में आर्थिक कूटनीति पर जोर है- जयशंकर

- **विदेश मंत्री ने कहा, विदेश नीति में बदलाव की शुरुआत नरसिम्हा राव ने की थी।**
- **उन्होंने कहा, जब परिदृश्य बदल गये, विदेश नीति के उपकरण बदल गये, तो विदेश नीति वैसी ही कैसे रह सकती है।**

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि विदेश नीति में बदलाव को राजनीतिक हमले के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नरसिम्हा राव ने इन बदलावों की शुरुआत की थी, न कि नरेंद्र मोदी ने। जयशंकर ने विदेश नीति में बदलाव के चार प्रमुख कारण भी बताए। उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक भूमिका बढ़ रही है और दुनिया से गहरे जुड़ाव की जरूरत है। जयशंकर ने माना कि विदेश नीति में पुराने और नए का मिश्रण है। उन्होंने पिछले एक दशक में आर्थिक कूटनीति पर जोर देने की बात भी कही।

एस जयशंकर ने कहा कि चार बड़े कारण हैं जिनकी वजह से हमें खुद से पूछना चाहिए कि विदेश नीति में कौन से बदलाव जरूरी हैं।

एक कारण कई सालों तक हमारे पास नेहरू विकास मॉडल था। इस मॉडल से नेहरूवादी विदेश नीति बनी। यह सिर्फ हमारे देश में हो रही घटनाओं के बारे में नहीं था। 1940, 50, 60 और 70 के दशक का अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य द्विध्रुवी था। इसके बाद एकध्रुवीय परिदृश्य आया। दूसरा कारण- पिछले 25 सालों में हमने बहुत तेज वैश्वीकरण देखा है। तीसरा कारण- देशों के बीच एक मजबूत परस्पर निर्भरता देखी है। इसलिए, देशों के आपसी संबंध और व्यवहार भी बदल गए हैं।

चौथा कारण - अगर हम तकनीक के प्रभाव को देखें, विदेश नीति पर तकनीक का प्रभाव, राष्ट्र की क्षमता पर तकनीक का प्रभाव और हमारे दैनिक जीवन पर तकनीक का प्रभाव, वह भी बदल गया है। इसलिए, अगर घरेलू मॉडल बदल गया है, परिदृश्य बदल गया है, राज्यों के व्यवहार के तरीके बदल गए हैं, और अगर विदेश नीति के उपकरण बदल गए हैं, तो विदेश नीति कैसे वही रह सकती है?

भारत की बदलती वैश्विक भूमिका के बारे में जयशंकर ने कहा, आज भारत एक ऐसा देश है जिससे बड़ी उम्मीदें हैं, एक ऐसा देश जिसकी जिम्मेदारियां ज्यादा हैं। भारत एक फर्स्ट रेस्पोंडर के तौर पर ज्यादा बार देखा जाएगा।

बोकारो सड़क हादसे में 6 की मौत

बोकारो, 15 दिसंबर। बोकारो रामगढ़ एन.एच. 23 पर शुक्रवार रात को हुए भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की जान चली गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल में दो बच्चे और एक महिला भी शामिल है। यह हादसा बोकारो रामगढ़ एनएच 23 के कसमार थाना क्षेत्र के चटनियां रोड के पास हुआ। बताया जा रहा है कि फोरलेन सड़क निर्माण कार्य करने वाली हाइवा की टक्कर पहले ट्रैक्टर से हुई। टक्कर के बाद ट्रैक्टर का ड्राइवर दूर जाकर गिरा।

हाइवा, ट्रैक और ट्रैक्टर की टक्कर के बाद नेशनल हाईवे 23 पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम के दौरान सीमेंट लदा एक ट्रक चटनियां रोड पर खड़ा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही बोकारो की ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। बोलेरो में सवार आठ लोगो में से पांच लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि तीन गंभीर रूप से घायल गए। बोलेरो में सवार मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं।

बसपा ने "एक देश एक चुनाव" विधेयक का समर्थन किया

मायावती ने कहा, संविधान पर चर्चा में "हम से ज्यादा तुम दोषी" की संकीर्ण राजनीति हावी है

लखनऊ, 15 दिसंबर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी "एक देश, एक चुनाव" को लेकर वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा एक-दो दिनों में लाये जाने वाले विधेयक का स्वागत करेगी। मायावती ने कहा कि बसपा गरीब व मजलूमों की ही पार्टी है और इस पार्टी के संगठन व चुनाव आदि भी इन्ही के ही बलबूते चलाये व लड़े जाते हैं। बसपा इसके लिए कांग्रेस, भाजपा व अन्य दलों की तरह यहाँ बड़े-बड़े पूँजीपतियों व धन्नासेठों आदि से कोई भी आर्थिक मदद नहीं लेती है। ऐसे में एक साथ चुनाव होने से फिर हमारी पार्टी पर इन सब मामलों में खर्चे का बहुत कम बोझ पड़ेगा। साथ ही इससे जल्दी-जल्दी चुनाव आचार संहिता ना लगने की वजह से भी जनहित के कार्य ज्यादा नहीं रूकेंगे।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर द्वारा निर्मित भारतीय संविधान की 75 वर्षों की गौरव यात्रा पर इस वर्ष भी संसद में काफी गरम चर्चा चल रही है मगर सच्चाई यह है कि देश पर अब तक राज करने वाली पार्टियों ने संविधान पर सही से अमल करने के मामले में अपनी सच्ची निष्ठा, ईमानदारी व देशभक्ति अगर निभाई होती तो फिर अपने देश का हाल आज इतना बदहाल नहीं होता कि यहाँ लगभग 80 करोड़ लोगों को रोजगार के अभाव में अपनी भूख मिटाने के लिए थोड़े से सरकारी अनाज के लिए मोहताज होकर जीवन गुजारने को मजबूर नही होना पड़ता।

मायावती ने कहा कि संसद में संविधान को लेकर विशेष चर्चा में कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप तथा "हम से ज़्यादा तुम दोषी" जैसी संकीर्ण राजनीति का स्वार्थ ज्यादा हावी नज़र आता है।

जातिवादी व संकीर्ण मानसिकता रखने वाली पार्टियों से भी अब कोई ज्यादा उम्मीद नहीं रखनी चाहिये। दलित और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को लुभाने के लिए कांग्रेस व समाजवादी पार्टी ने आरक्षण को लेकर काफी कुछ हवा-हवाई बातें कही हैं, जिसमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है।

सेना ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विस्तृत जानकारी का इंतजार है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास करीब आधा किलोग्राम उच्च श्रेणी का मादक पदार्थ ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को जब्त किया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन सीमा पार से भारत में घुसा था और शनिवार देर रात अरनिया सेक्टर में चिनाज सीमा चौकी क्षेत्र से इसे जब्त किया गया।

25 लाख के पांच इनामी नक्सलियों का आत्मसमर्पण

सुकमा, 15 दिसंबर। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में रविवार को सुकमा पुलिस को बड़ी सफलता मिली जब 25 लाख के पांच इनामी हार्डकोर नक्सलियों ने एसपी के सामने समर्पण कर दिया। सुकमा जिला क्षेत्र में नक्सल संगठन में सक्रिय एक नक्सल दम्पति सहित कुल पांच हार्डकोर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पित एक महिला, एक पुरूष नक्सली पर आठ-आठ लाख, एक पुरूष नक्सली पर पांच लाख एवं दो महिला नक्सलियों पर दो-दो लाख रुपये, यानी कुल 25 लाख रुपये के ईनाम घोषित हैं। छत्तीसगढ़ शासन की "छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति" एवं "नियद नेल्ला नार" योजना से प्रभावित होकर इन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।

अमित शाह ने छत्तीसगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति निशान सौंपा

यह सम्मान छत्तीसगढ़ पुलिस को 24 वर्ष की असाधारण सेवाओं, बहादुरी व कर्त्तव्य परायणता के लिये दिया गया

रायपुर, 15 दिसंबर। छत्तीसगढ़ और राज्य पुलिस के लिए रविवार का दिन ऐतिहासिक था। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की पुलिस को राष्ट्रपति निशान (पुलिस कलर्स अवॉर्ड-2024) सौंपा। यह देश के सशस्त्र बलों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। विगत 24 वर्षों में छत्तीसगढ़ पुलिस की असाधारण सेवाओं, बहादुरी और कर्तव्यपरायणता के लिए राज्य को यह सम्मान मिला है। छत्तीसगढ़ यह सम्मान हासिल करने वाला देश का सबसे युवा राज्य है, जिसने अपने गठन के मात्र 24 वर्षों में ही यह उपलब्धि हासिल की है।

शाह ने राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपति का पुलिस कलर्स अवॉर्ड केवल एक सम्मान नहीं है, यह सेवा और कर्तव्य का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ पुलिस ने नक्सलवाद, संगठित अपराध और मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में जो साहस और प्रतिबद्धता दिखाई है, वह अभूतपूर्व है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस देश के सर्वश्रेष्ठ और बहादुर पुलिस बलों में से एक बनकर उभरा है। केंद्र और राज्य सरकार छत्तीसगढ़ और देश को नक्सलमुक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आगामी 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ और देश से नक्सलवाद का पूर्णत: खात्मा हो जाएगा।

शाह ने छत्तीसगढ़ पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि इसने न केवल कानून और व्यवस्था को बनाए रखा है, बल्कि जनता के विश्वास को भी मजबूत किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति का पुलिस कलर्स अवॉर्ड पुलिस बल के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा, उनका हौसला और मनोबल बढ़ाएगा।

शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जांबाज़ पुलिस को राष्ट्रपति निशान सौंपना मेरे लिए भी गर्व की बात है। यह सम्मान छत्तीसगढ़ की पुलिस की कड़ी मेहनत, समर्पण और जनता के प्रति लगाव का द्योतक है। छत्तीसगढ़ की पुलिस नक्सलियों के ताबूत में आखिरी कील ठोंकने की तैयारी में है। यहां की पुलिस ने कानून-व्यवस्था और नक्सल

- **केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार छत्तीसगढ़ व देश को नक्सलमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। आगामी 31 मार्च 2025 तक छत्तीसगढ़ व देश से नक्सलवाद का पूर्णतया खात्मा हो जायेगा।**

मोर्चे के साथ ही कोरोना महामारी में भी बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने नक्सलियों से हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौटने की अपील की।

समारोह में शाह ने देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को आज उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने देश को एकता के सूत्र में पिरोने का जो कार्य किया, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद-370 को हटाकर और मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों और अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के केवल 24 वर्षों में हमारे पुलिस बल को उनकी असाधारण सेवाओं और जनता के प्रति समर्पण के लिए मिला है। यह सम्मान न केवल पुलिस बल के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें और अधिक उत्साह के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्यमंत्री ने एंटी-नक्सल ऑपरेशनों में छत्तीसगढ़ पुलिस की सफलता पर कहा कि बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा में लौटने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था और विशेष प्रावधान किए हैं। भारत सरकार की नीति के अनुरूप हिंसा का रास्ता छोड़ आत्मसमर्पण करने वालों को तत्काल ट्रांज़िट कैम्प में रखने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही उन्हें तीन साल तक 10 हजार रुपए प्रतिमाह स्टाइपैंड के तौर पर देने की व्यवस्था की गई है। उनके कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। साय ने कहा कि पुनर्वास नीति के तहत पांच लाख या उससे अधिक के इनामी माओवादी के आत्मसमर्पण करने पर उन्हें आवास हेतु शहरी क्षेत्र में अधिकतम चार डिसमिल जमीन या ग्रामीण क्षेत्र में अधिकतम एक हेक्टेयर कृषि भूमि दिए जाने का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और उन्हें सुरक्षित जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा इनके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 15,000 पक्के आवास स्वीकृत किए गए हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908